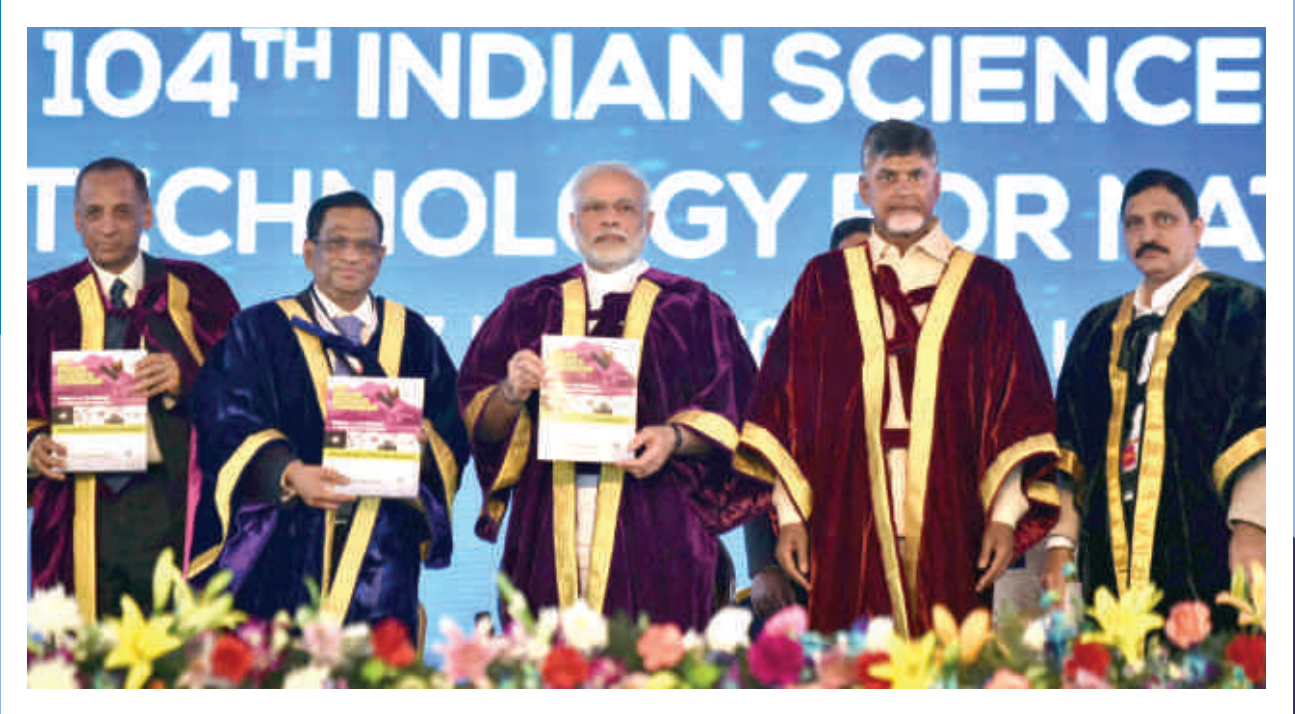


वार्षिक प्रतिवेदन 2016-2017



भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था
कोलकाता



104TH INDIAN SCIENCE CONGRESS SCIENCE & TECHNOLOGY FOR NATIONAL DEVELOPMENT

3-7 January 2017 | S V University, Tirupati



(Left to Right Side) First Row : Prof. S. Sreenadh (OS), Prof. N. Sethuraman, Prof. P.P. Mathur (GS, SA), Dr. A.K. Saxena (Past GP), Prof. D.N. Rao (GP), Dr. Harshwardhan (Minister of S& T), Sri E.S.L.Narasimhan (Governor), Shri Narendra Modi (Prime Minister), Shri Chandrababu Naidu (CM), Mr. J.Y. Choudhary (MOS), Dr. A. Damodaram (VC, TU), Dr. A. Samanta (GP Elect), Prof. Gangadhar (G.S.M.A), Prof. C. Muthamizhelvan, Prof. S. Vijayabhaskara Rao (OS)

(Left to Right Side) Second Row : Dr. A. Sharma, Prof. R.C. Sobti, Prof. G.Bali, Prof. R. Ramamurthi, Prof. A.Datta, Prof. P.Rama Rao, Prof. A.Kumar, Dr. V.L. Saxena, Dr. N.B. Basu, Dr. M.K. Chakrabarti, Prof. S.P. Singh, Prof. B.P. Chatterjee, Prof. R.K. Verma (Treasurer), Prof. D. Kumar, Prof. K.S. Rangappa,

(Left to Right Side) Third Row : Prof. S. Rajarajan, Prof. S. Kasmir Raja, Dr.G.J. Pitchai, Prof. K. Muthuchelian, Prof. M.B. Naidu, Dr. V.Patni, Dr. N. Chakrabarti, Prof. N.Padha, Prof. S. Ramakrishna, Prof. B. Satyanarayana, Prof. K.L. Shrivastava, Dr.A.K. Patra, Prof. B.B. Kailwal, Prof. S. Roy, Prof. R.N. Yadava

(Left to Right Side) Last Row : Dr. A.K. Pandey (AES), Prof. V.P. Singh, Prof. Somnath Roy, Dr. D.N. Tripathi, Prof. S. Gupta Bhattacharya, Mr. S.K. Banerjee, Mr. D. P. Sinha, Prof. T.K. Das, Prof. S.N. Tiwari, Dr. O.S. Chauhan, Prof. D. J Chattopadhyay, Dr.AKDe (ES)

वार्षिक प्रतिवेदन 2016-2017



भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था
14, डॉ० बिरेश गुहा स्ट्रीट, कोलकाता - 700 017

प्रकाशन

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

14, डॉ० बिरेश गुहा स्ट्रीट

कोलकाता - 700 017

मुद्रण :

इन्डिपेन्डेन्ट प्रिन्टर्स

1, पार्क साइड रोड

कोलकाता - 26

विषय - वस्तु

प्रस्तावना	पृष्ठ संख्या
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था की रूपरेखा	1-2
104 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस का सत्र	3
उद्घाटन सत्र	3
बाल विज्ञान कांग्रेस	3
महिला विज्ञान कांग्रेस	4
विज्ञान संचारक सम्मेलन (SCM)	4
विज्ञान प्रदर्शनी : भारत एक्सपो की शान - 104वाँ आईएससा	6
समापन सत्र	6
तकनीकी कार्यक्रम	7
अनुभागों में कार्यकलाप	25
ISCA अक्षयनिधि / पुरस्कार व्याख्यान	25
मुख्य सिफारिशें	27
अन्य कार्यकलाप	
ISCA शाखाएँ	35-41
हिन्दी कार्यक्रम का अवलोकन	42
प्रकाशनें	42
अन्य विषयक्रम	
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था की बैठके	42
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था का अन्य संस्थाओं में प्रतिनिधित्व	43
सदस्यता	44
संगठनात्मक आकृति	44

अभिस्वीकृति

अनुबंध - I

104 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस सत्र में अनुभागीय अध्यक्षों के वक्तव्य का शीर्षक 47

अनुबंध - II

104 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस सत्र के प्लेटिनम जयंती व्याख्यान 48

अनुबंध - III

104 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस के अनुभागों द्वारा आयोजित विशिष्ट विषयों से संबंधित परिसंवाद के शीर्षक 49

अनुबंध - IV

वर्ष 2016-2017 के लिए युवा वैज्ञानिकों का पुरस्कार प्राप्त करने वालों की सूची 50

अनुबंध - V

2016-2017 के दौरान सर्वोत्तम पोस्टर प्रस्तोता का पुरस्कार पाने वालों की सूची 52

अनुबंध - VI

इनफॉसिस फाउंडेशन की सूची 2016-2017 के लिए ISCA यात्रा पुरस्कार प्राप्तकर्ता 54

परिशिष्ट - I

वर्ष 2016-2017 के लिए परिषद् के सदस्य 55

परिशिष्ट - II

वर्ष 2017-2018 के लिए परिषद् के सदस्य 56

परिशिष्ट - III

कार्मिक 57

परिशिष्ट - IV

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महाध्यक्ष 58

परिशिष्ट - V

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महासचिव 62

परिशिष्ट - VI

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के कोषाध्यक्ष 63

लेखा परीक्षा रिपोर्ट एवं लेखे 67-96

प्रस्तावना

31 मार्च, 2017 को भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के 104 वें वर्ष के समापन के रूप में चिह्नित किया गया है। 104 वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस एस व्ही विश्वविद्यालय के तत्वावधान में तिरुपति में 3-7 जनवरी 2017 में आयोजित की गई थी। श्री नरेन्द्र मोदी, भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने श्री ई. एस. आई. नरसिम्हान, आंध्रप्रदेश और तेलंगाना के माननीय गवर्नर, श्री व्हाई. एस. चौधरी, केंद्रीय मंत्री (विज्ञान और प्रौद्योगिकी), भारत सरकार, श्री एन. चन्द्रबाबु नायडू, आंध्रप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, श्री ए. दामोदरन, माननीय कुलपति श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय की उपस्थिति में 3 जनवरी को विज्ञान कांग्रेस का उद्घाटन किया। प्रो० डी. नारायण राव, आईएससीए के महाध्यक्ष ने अपने संबोधन “राष्ट्रीय विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी” पर केंद्रित किया। उद्घाटन समारोह में कुछ विदेशी वैज्ञानिकों सहित 15,000 से ज्यादा प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

पूर्ण सत्र, पैनल चर्चा और नोबेल पुरस्कार विजेता, कई प्रख्यात वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों, नीति-निर्माताओं, औद्योगिक क्षेत्र और सामाजिक कार्यकर्ताओं से औद्योगिक अधिकारियों ने भाग लिया जिसमें फोकल विषय के विभिन्न पहलुओं को समर्पित सार्वजनिक व्याख्यान दिए गए थे। अतीत की परंपरा का पालन, विभिन्न रोचक विषयों पर संगोष्ठियाँ 14 वर्गों में आयोजित की गईं। प्लेटिनम जयंती व्याख्यान और कागज प्रस्तुतियाँ (पोस्टर, मौखिक के माध्यम से) के अलावा विभिन्न वर्गों में आयोजन की अत्यधिक सराहना की गई।

इनफोसिस आईएससीए यात्रा पुरस्कार स्कूली बच्चों के लिए प्रस्तुत किए गए। विशेष जोर वर्गों में आईएससीए युवा वैज्ञानिकों के कार्यक्रम पर दिया गया था। इस अवसर पर युवा वैज्ञानिक पुरस्कार विजेताओं को प्रस्तुत किए गए। पड़ोस के स्कूलों और कॉलेजों से छात्रों की एक बड़ी संख्या ने दौरा किया और बच्चों ने विज्ञान कांग्रेस में भाग लिया।

इसके अलावा 10वीं राष्ट्रीय विज्ञान संचारक सम्मेलन (विज्ञान संचार) एनसीएसटीसी, डीएसटी, नई दिल्ली की सहायता से आयोजित किया गया था। जहाँ आईएससीए के विभिन्न शाखाओं से चयनित विज्ञान संचारकों ने भाग लिया।

छठी महिला विज्ञान कांग्रेस एनसीएसटीसी, डीएसटी, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित की गई जिसका विषय था विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं को सशक्त बनाना जहाँ सारे देश से महिला वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

बाल विज्ञान कांग्रेस भी एनसीएसटीसी, डीएसटी, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित किया गया।

104वाँ सत्र का समापन कार्यक्रम जनवरी 7, 2017 को तिरुपति के श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय के श्रीनिवास सभागार में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में गणमान्य व्यक्ति जैसे डॉ० सी. एच. विद्यासागर राव, महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल श्री व्हाई. एस. चौधरी, केन्द्रीय मंत्री (विज्ञान और प्रौद्योगिकी), भारत सरकार, प्रो० ए. दामोदरन, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो० डी. नारायण राव, महाध्यक्ष, आईएससीए और प्रो० अच्युत सामंत, महाध्यक्ष (निर्वाचित) आईएससीए थे। इस अवसर पर युवा वैज्ञानिक अवार्ड और उत्कृष्ट पोस्टर अवार्ड भी दिये गये। प्रो० गंगाधर, महासचिव (सदस्यता कार्य) आईएससीए और प्रो० पी. पी. माथुर, महासचिव (वैज्ञानिक कार्य), भी मौजूद थे।

24 ISCA शाखाओं ने आलोच्य वर्ष के दौरान अपनी गतिविधियाँ सेमिनार, संगोष्ठियाँ, व्याख्यान विवज प्रतियोगिता आदि के द्वारा जारी रखा। विभिन्न गतिविधियों के मध्य, शाखाओं ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, आद्रभूमि दिवस, पृथ्वी दिवस, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस, विश्व स्वास्थ्य दिवस, विश्व एड्स दिवस, राष्ट्रीय बाल दिवस, शिक्षक दिवस आदि को मनाया।

शाखाओं ने 104वीं आई.एस.सी के केन्द्रीय विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया।

संस्था विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के सक्रिय वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए सम्मानित महसूस करती है ताकि कई गतिविधियों पर अमल कर सकें और अपने मौजूदा बुनियादी ढाँचे में सुधार कर सकें। प्रयास है संसाधनों के आधार का विस्तार किया जाए और प्रभावी वित्त प्रबंधन द्वारा निधि की स्थिति में सुधार किए जाए। संस्था कि ताकत सदस्यों से प्राप्त मज़बूत समर्थन में है। मैं आश्वस्त हूँ कि इस समर्थन के साथ, संस्था एक बड़े रास्ते से अपने उद्देश्यों को पूरी करने में सक्षम हो जाएगा।

गंगाधर

(प्रो. गंगाधर)

महासचिव (सदस्यता कार्य)

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

21 सितम्बर, 2017

भारतीय विज्ञान कांग्रेस की रूपरेखा

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था 1914 में स्थापित देश की एक प्रमुख वैज्ञानिक संस्था है। यह संस्था अपने विविध कार्यकलापों के माध्यम से विज्ञान का संवर्धन एवं वैज्ञानिक मनोभाव का संचार कर रही है। इस संस्था की बैठक जनवरी के प्रथम सप्ताह में वैज्ञानिकों, विज्ञान प्रबंधकों, नीति-निर्माताओं एवं जनसाधारण के वार्षिक सम्मेलन में होती है, ताकि वैज्ञानिक अन्वेषण को अत्यधिक गति व अधिक सुव्यवस्थित दिशा प्रदान की जा सके, देश के विभिन्न भागों में समाज एवं व्यक्ति के मध्य पारस्परिक संबंध को बढ़ावा दिया जा सके तथा पूर्णतः वैज्ञानिक एवं अनुप्रयुक्त उद्देश्यों की ओर जनसाधारण का ध्यान आकर्षित किया जा सके। यह संस्था भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिकों में राष्ट्रीय विकास के उद्देश्य से अंतः संबंध स्थापित करती है। 1914 से ही प्रति वर्ष संस्था का वार्षिक अधिवेशन बुलाया जाता है, जिसका महाध्यक्ष, अतिप्रतिष्ठित वैज्ञानिक होता है।

संस्था का गठन निम्नलिखित उद्देश्यों से किया गया:

- (1) भारत में विज्ञान को उन्नत करना एवं उसे बढ़ावा देना,
- (2) भारत में उपयुक्त स्थान पर वार्षिक सम्मेलन का आयोजन करना,
- (3) ऐसी कार्यवाहियों, पत्रिकाओं, कार्य-विवरण एवं अन्य प्रकाशनों को प्रकाशित करना जिन्हें वांछनीय माना जा सकता है,
- (4) विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए धन एवं वृत्तिदान को सुरक्षित तथा प्रबंधन करना सहित संस्था की संपत्ति के किसी भी हिस्से की बिक्री अथवा निपटान का अधिकार,
- (5) कोई एक या सभी अन्य कार्य करना तथा किसी मामले या विषय को निष्पादित करने में प्रेरक का कार्य करना। स्थापना के समय से ही संस्था ने अपने उच्च उद्देश्यों की पुष्टि के लिए दृढ़तापूर्वक कार्य किया है। आशा के अनुरूप 1914 से अब तक इसके कार्यकलाप का कई गुना विस्तार हो गया है।

कांग्रेस की पहली बैठक एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के परिसर में 15 से 17 जनवरी, 1914 तक हुई जिसके महाध्यक्ष कलकत्ता विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति माननीय न्यायमूर्ति सर आशुतोष मुखर्जी थे। भारत एवं विदेश के विभिन्न भागों से आए एक सौ पाँच वैज्ञानिकों ने बैठक में भाग लिया और छः अनुभागीय अध्यक्षों के अधीन वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, नृजाति विज्ञान, भू-विज्ञान, भौतिक विज्ञान एवं प्राणी विज्ञान अनुभागों में विभाजित 35 लेख प्रस्तुत किये गए। प्रारंभ में कम सदस्यों वाली भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था में अब सदस्यों की संख्या बढ़कर लगभग चालासी हजार हो गई है जो संस्था के 14 विभिन्न अनुभागों में भाग लेते हैं। प्रस्तुति के लिए प्राप्त लेखों की संख्या बढ़कर लगभग एक हजार हो गई है। भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था का स्वतंत्रता के पश्चात् ब्रिटिश विज्ञान उन्नति संस्था, बीजिंग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्था जैसी विभिन्न विदेशी वैज्ञानिक अकादमियों/संस्थाओं तथा अन्य संस्थाओं से सक्रिय अंतः संबंध रहा है, ताकि पारस्परिक हित वाले विषयों पर उपयोगी विचार-विमर्श हो सके।

वर्ष 1976 में कांग्रेस के दौरान विचार-विमर्श के स्तर पर महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला। कुछ समय से यह महसूस किया जा रहा था, कि व्यापक आधार वाले वैज्ञानिकों के इस सम्मेलन में वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय प्रभाव वाले राष्ट्रीय मुद्दों को भी लिया जाए। भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के तत्कालीन महाध्यक्ष डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन ने 1976 में राष्ट्रीय प्रासंगिकता के केन्द्रीय थीम की संकल्पना का सूत्रपात किया, जिस पर अब वार्षिक अधिवेशन के दौरान प्रत्येक कांग्रेस में चर्चा होती है। इसके अतिरिक्त, केन्द्रीय थीम के विभिन्न पहलुओं पर कई पूर्ण अधिवेशन आयोजित किये जाते हैं, जिनमें वैज्ञानिकों एवं प्रौद्योगिकीविदों के साथ-साथ नीति-निर्माता व प्रशासक परस्पर विचार-विमर्श करते हैं। इस तरह से संस्था ऐसा मंच बन गई है, जहाँ विभिन्न शाखाओं एवं जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के लोग केन्द्रीय थीम पर चर्चा भाग लेते हैं।

दूसरी महत्वपूर्ण सफलता 1980 में मिली जब भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने सचिव की अध्यक्षता में स्थायी कार्यदल गठित किया, जिसमें संस्था के उन प्रतिनिधियों तथा विभिन्न एजेंसियों एवं स्वैच्छिक संगठनों के उन प्रमुखों को शामिल किया गया, जो केंद्रीय थीम संबंधी विभिन्न संस्तुतियों पर अनुवर्ती कार्रवाई के लिए उत्तरदायी होंगे। पूर्ववर्ती विज्ञान कांग्रेस में की गई संस्तुतियों संबंधी अनुवर्ती कार्रवाई पर प्रति वर्ष विज्ञान कांग्रेस के दौरान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित सामान्य अधिवेशन में चर्चा होती है। इस तरह से भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था सामान्यतः विज्ञान एवं विशिष्टतः राष्ट्रीय विज्ञान नीति के विकास में योगदान कर रही है।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था ने 1981 में अपने 68वें अधिवेशन से युवा वैज्ञानिकों के लाभार्थ कार्यक्रम का शुभारंभ किया है, जिसके अंतर्गत युवा वैज्ञानिक अपने प्रस्तावित अनुसंधान कार्य को प्रस्तुत कर सकेंगे और संगत वैज्ञानिक समस्याओं के संबंध में अपने समकक्ष व्यक्तियों एवं विशेषज्ञों से विचारों का आदान-प्रदान कर सकेंगे। उत्कृष्ट प्रस्तुतियों के लिए ऐसे वैज्ञानिकों को भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्रदान किया जाता है। प्रतिभावान युवा वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने के लिए 2006 से युवा वैज्ञानिक पुरस्कार की राशि रु 5,000/- से बढ़ाकर रु. 25,000/- कर दी गई है।

कुछ विशेषज्ञों की सहायता से अनुभागीय अध्यक्षों द्वारा सावधानी से की गई छानबीन के आधार पर स्वीकार किए गए अधिकांश लेख पोस्टरों के माध्यम से प्रस्तुत किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने के लिए यह निर्णय लिया गया, कि 1999 के अधिवेशन से प्रत्येक अनुभाग की सर्वोत्तम प्रस्तुति के लिए प्रमाणपत्र सहित रु. 1,000/- की नकद राशि के अधिक से अधिक दो पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। वर्ष 2007 से इन पुरस्कारों की राशि से बढ़ाकर रु. 5,000/- कर दिया गया है। दिए गए कुछ चुनिंदा लेखों की मौखिक प्रस्तुति को भी प्रत्येक अनुभाग के कार्यक्रम में शामिल किया जाता है।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था ने भारत में वैज्ञानिकों को सम्मानित एवं प्रोत्साहित करने के लिए कई पुरस्कारों को देना प्रारंभ किया है। ये पुरस्कार मुख्यतः व्यक्ति-विशेष एवं समूहों से प्राप्त विशेष अक्षय निधि एवं संस्था की निजी निधि से प्रदान किये जाते हैं। पुरस्कार की संकल्पना का आविर्भाव 1965 से हुआ और इस समय भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था द्वारा लगभग 33 से अधिक पुरस्कार दिए जाते हैं। 2013 से आशुतोष मुखर्जी फेलोशिप वरिष्ठ वैज्ञानिकों के लिए शुरू किया गया है। वर्तमान में 10 नियमित फेलो है।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस के 104वें सत्र

उद्घाटन सत्र

104वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस का उद्घाटन 3 जनवरी, 2017 की सुबह श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय के तारकरमा स्टेडियम में श्री नरेन्द्र मोदी, भारत के माननीय प्रधानमंत्री, श्री इ. एस. एल. नरसिंहन आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के माननीय राज्यपाल, डॉ० हर्षवर्धन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान के केंद्रीय मंत्री, श्री व्हाई. एस. चौधरी, केंद्रीय मंत्री (विज्ञान और प्रौद्योगिकी) भारत सरकार, श्री एन. चन्द्रबाबु नायडु, आंध्र प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, प्रो० ए. दामोदरम, माननीय कुलपति, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय और डॉ० डी. नारायण राव, महाध्यक्ष, भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के उपस्थिति में किया गया था।

डॉ० डी. नारायण राव, महाध्यक्ष भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और अपने अध्यक्षीय भाषण को फोकल विषय पर राष्ट्रीय विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी, डॉ० हर्षवर्धन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार ने अपना भाषण दिया श्री एन. चंद्रबाबु नायडु, आंध्रप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री ने अपना व्याख्यान दिया। भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 104 वें ISC पूर्ण कार्यवही जारी की और वैज्ञानिकों को भी ISCA पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने दुनियाभर की छह नोबेल पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया और स्मृतिचिह्न दिये। उन्होंने अनुसंधान परियोजनाओं को सुरक्षित और पूरा करने का काम करने वाले प्रतिष्ठित व्यक्तियों को स्वर्ण पदक प्रदान किये और वैज्ञानिक वितरण के लिए एक स्थानिकरण कारक के रूप में विज्ञान बनाने को आसानी सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उद्घाटन सत्र में बड़ी संख्या सशक्त में विदेशी वैज्ञानिक, भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों शिक्षाविदों, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति संसद के सदस्य, आंध्र प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग प्रतिनिधियों, छात्रों और भारत और विदेशों के विभिन्न हिस्सों से विद्वान छात्रों के प्रतिनिधि शामिल थे।

बाल विज्ञान कांग्रेस

माननीय आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री चन्द्रबाबु नायडु ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान के माननीय राज्यमंत्री श्री व्हाई. एस. चौधरी और डॉ० टाकाकि काजीटा, जापान के नोबेल पुरस्कार विजेता, प्रो० ए. दामोदरम, कुलपति, प्रो० पी. पी. माथुर, महासचिव (वैज्ञानिक कार्यकलाप), प्रो० गंगाधर, महासचिव (सदस्यता कार्य) और प्रोफेसर डी. नारायण राव, महाध्यक्ष, आईएससीए की उपस्थिति में 4 जनवरी 2017 को पद्मावती महिला विश्वविद्यालय, तिरुपति में बाल विज्ञान कांग्रेस का उद्घाटन किया गया।

इन्फोसिस यात्रा पुरस्कार स्कूल के छात्रों को पेश किया गया। प्रोफेसर पी. पी. माथुर, महासचिव वैज्ञानिक कार्यकलाप), प्रोफेसर गंगाधर, महासचिव (सदस्यता कार्य) और प्रोफेसर ए. के. सक्सेना, तत्काल पूर्व महाध्यक्ष भी उपस्थित थे।

अपने उद्घाटन भाषण में, श्री चंद्रबाबु नायडु ने युवा बच्चों के लिए अनुसंधान एवं विकास शुरू करना चाहते हैं और उन्हें भारत का भविष्य के रूप में संबोधित किया गया है।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया है कि भारत के सभी मोर्चों पर विकास के लिए लड़कियों की शिक्षा आवश्यक है। उन्होंने बच्चों को अपने रोल मॉडल के रूप में वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित किया और अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रयास किया।

युवा मन को प्रोत्साहित करने के लिए श्री चंद्रबाबु नायडु ने 100 करोड़ रुपये का पुरस्कार घोषित किया है उस वैज्ञानिक के लिए जो आंध्र प्रदेश से नोबेल पुरस्कार जीतता है।

फिर उन्होंने डॉ० टाकाकी काजीटा, नोबेल पुरस्कार विजेता, छात्रों को कुछ सुझाव देने के लिए ताकि वे वैज्ञानिक होने का भी सपना देख सकें। डॉ० काजीटा ने छात्रों को बताया कि जीवन में सफल होने का एकमात्र तरीका उद्देश्य से कड़ी मेहनत है।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस की एक महत्वपूर्ण घटना, बाल विज्ञान कांग्रेस, अपने वैज्ञानिक स्वभाव और ज्ञान का उपयोग करने के लिए और वैज्ञानिक प्रयोगों के आयोजन से रचनात्मकता की उनकी प्यास बुझाने के लिए 10 से 17 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों को एक अनुठा अवसर प्रदान करने के लिए आयोजित किया गया है। तीन दिवसीय कार्यक्रम ने बच्चों को अपने वैज्ञानिक स्वभाव को प्रोत्साहित करने के लिए विद्यालय के बच्चों को वैज्ञानिक परियोजनाओं में उनके नवाचार और रचनात्मकता दिखाने के लिए एक अनोखा मंच प्रदान किया।

जिलें, राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के विभिन्न स्तरों पर 10 से 17 वर्ष के लगभग 7-8 लाख स्कूल बच्चों ने भाग लिया। मौलिकता के आधार पर पुरस्कार के लिए भारतीय विज्ञान कांग्रेस में भाग लिया गया जहाँ प्रत्येक राज्य से लगभग 2 से 3 सर्वश्रेष्ठ परियोजनाओं की पहचान की गई।

महिला विज्ञान कांग्रेस

6वीं महिला विज्ञान कांग्रेस का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री चंद्रबाबु नायडु ने श्री व्हाई. एस. चौधरी, केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्री और प्रा० डी. नारायण राव, महाध्यक्ष, आईएससीए की उपस्थिति में 4 जनवरी, 2017 को एस. व्ही. विश्वविद्यालय, तिरुपति के श्रीनिवास सभागार में किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं के योगदान को प्रदर्शित करना है। प्रसिद्ध महिला वैज्ञानिकों ने इस सत्र में महिलाओं के सशक्तिकरण और उनके बीच वैज्ञानिक हित और मनोवृत्ति पैदा करने के उद्देश्य से इस सत्र में व्याख्यान दिए।

प्रोफेसर मीना सिंह, जैव रसायन विज्ञान विभाग, एनडीएमसी मेडिकल कॉलेज और हिंदु राव अस्पताल ने सत्र शुरू किया और उनके कैंसर अनुसंधान के बारे में बात की। उसने मानव पैपिलोमा वायरस और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के बारे में आम आदमी की भाषा में दर्शकों को बताया। उसके भाषण में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का उपचार और निदान भी शामिल है। गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के उपचार में एलईईपी, लेजर, क्राइयोथेरापी, शंकु बायोप्सी भी शामिल है और उन्होंने इनके बारे में संक्षेप में बताया। उसने लड़कियों में शिक्षा के महत्व के बारे में भी बताया।

प्रोफेसर एच. एस. सावित्री, जैव रसायन विज्ञान विभाग, आईआईएससी, बेंगलोर, ने युवा छात्रों को समाज में महिलाओं के विकास के लिए सलाह दी।

डॉ० वेंगामा जैसे अन्य प्रख्यात महिला वैज्ञानिक, निदेशक श्री वेंकटेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (एसवीआईएमएस), और प्रोफेसर डी. उषा रानी ने भी युवा महिलाओं को प्रोत्साहित किये और उन्हें अपने घर से बाहर निकलने और कुछ हासिल करने की सलाह दी गई।

विज्ञान संचारक सम्मेलन

10वीं विज्ञान संचारक सम्मेलन का उद्घाटन 5 जून, 2017 को 10.30 बजे, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान के संगोष्ठी सभागार, तिरुपति में किया गया। उद्घाटन भाषण प्रोफेसर हेमंत जोशी, भारतीय संचार संस्थान, नई दिल्ली ने दिया। प्रोफेसर पी. पी. माथुर, महासचिव, वैज्ञानिक कार्यकलाप, आईएससीए ने मेहमानों का स्वागत किया। मुख्य विचार प्रो० ए. दामोदरम, कुलपति, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति द्वारा दिया गया था। उन्होंने स्मारिका को भी जारी किया। प्रोफेसर डी. नारायण राव, महाध्यक्ष, आईएससीए, ने समारोह की अध्यक्षता की। धन्यवाद ज्ञापन प्रो० गंगाधर महासचिव, सदस्यता कार्य, आईएससीए द्वारा दिया गया था।

तकनीकी सत्र विज्ञान संचार में चुनौतियाँ इस पर कला चर्चा पर पैनल चर्चा से शुरू हुआ। सत्र की अध्यक्षता डॉ० आर. गोपीचंद्रन, निदेशक, विज्ञान प्रसार, नई दिल्ली द्वारा किया गया। अन्य वक्ता थे डा० दिनेश सी. शर्मा, समाचार और मीडिया विशेषज्ञ, डॉ० मीना बामजई, आईआईएमसी, नई दिल्ली, डा० टी. व्ही. वेंकटेश्वरन, विज्ञान प्रसार और डॉ० सरिता अलवन, आईआईटी, नई दिल्ली।

मौखिक प्रस्तुतियाँ तकनीकी सत्र का अनुगमन किया। पहली प्रस्तुति अभय एस. डी. राजपूत द्वारा विज्ञान के दूसरे पक्ष पर बेहतर विज्ञान संचार कौशल की ओर थी। वर्तमान और भावी संभावना सुशांत कुमार दास द्वारा अल्ट्राफास्ट लेजर की ओर भारत की खुशी के पीछा के लिए टिकाऊ विकास भारती रविकृष्णन द्वारा। इस सत्र की अध्यक्षता प्रो० एस. रामकृष्ण प्राणी विज्ञान विभाग, बेंगलोर विश्वविद्यालय, बेंगलोर ने किया था।

मौलिक प्रस्तुतियों का अगला तकनीकी सत्र अभीक चौधरी द्वारा बायोइनफॉर्मेटिक्स के उद्भव और उसके आवेदनों पर शुरु किया गया था। इस सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर सी. मुथामिज़चेलवन, निदेशक, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के संकाय, एसआरएम विश्वविद्यालय, कट्टानकुलाथुर, चेन्नई ने किया। अन्य मौखिक प्रस्तुतियों का पालन किया गया।

06 जून, 2017 को तकनीकी सत्र, पोस्टर सत्र के साथ शुरु हुआ, इसके बाद परिषद की चर्चा, संस्कृति मंत्रालय, विज्ञान और संस्कृति संस्थान के विज्ञान संग्रहालयों के लिए राष्ट्रीय परिषद के प्रमुखों द्वारा प्रस्तुत की गई (डॉ० अनिल मानेकर, डॉ० मनोज पटारिया और डॉ० आर. गोपीचन्द्रन क्रमशः)। उन्होंने सरकार के ढांचे के भाग के रूप में और आगे बढ़ने के रास्ते के रूप में मूल्यवर्धित उत्पादन के लिए प्रस्तावित मार्गों के रूप में किए गए गतिविधियों का एक अवलोकन प्रस्तुत किया। इस मौके पर मौखिक प्रस्तुतीकरण किया गया और सत्र की अध्यक्षता डॉ० टी. व्ही. वेंकटेश्व विज्ञान प्रसार, नई दिल्ली और बाद में प्रोफेसर पी. नीरजा, प्रोफेसर प्राणी विज्ञान, एस. व्ही. विश्वविद्यालय, तिरुपति और विज्ञान संचारक सम्मेलन के समीक्षक ने किया। अंतिम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर एस. कृपानिधि, विज्ञान विश्वविद्यालय गुंटुर ने की थी।

6 जनवरी 17 को 4.30 बजे समापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मेहमानों को विज्ञान संचार सम्मेलन में प्रो० पी. नीरजा द्वारा स्वागत किया गया। प्रोफेसर पी. पी. माथुर, महासचिव, वैज्ञानिक कार्यकलाप, आईएससीए ने अध्यक्षता की और समापन भाषण प्रोफेसर गंगाधर, महासचिव, सदस्यता कार्य आईएससीए ने दिया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ० अमित कृष्ण दे, कार्यकारी सचिव, आईएससीए द्वारा दिया गया।

सिफारिशें

उपरोक्त वर्णित शैक्षिक घटना के तत्काल उद्देश्यों में से एक यह है कि हम संवाददाताओं के समुदाय के रूप में एक अच्छी तरह से परिभाषित रोड मैप के आधार पर संस्थागत और क्षमता वृद्धि के हस्तक्षेपों के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण रुपांतरों के माध्यम से विज्ञान संचार को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं।

वे हैं -

- 1) पूर्वाग्रह धारणाओं से निपटने के लिए सवाल पूछने के लिए हितधारकों में जिज्ञासा और आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करें।
- 2) स्पष्ट समझ के आधार पर समय पर उचित जानकारी प्रदान करें।
 - क) हितधारकों को समझने की क्षमता और
 - ख) परिस्थितियों का वास्तुशिल्प जो वास्तविक जीवन लाभों में सीख में बदल सकता है।यह संचारकों की केंद्रित क्षमता के निर्माण को उचित रूप से मुखर करने के लिए भी कहता है और सुधार सुपुर्दगी वितरण के लिए संचार के कई उपकरणों का उपयोग करता है।
- 3) एक निष्पक्ष तरीके से वर्तमान तथ्यों और ज्ञान प्रणाली का खुलापन निरंतर विकसित प्रकृति पर प्रकाश डालें।
- 4) स्थानीय रूप से अनुकूलित सीखना और मॉड्यूल सीखने की मदद से रुचि सीखने और उत्सुकता को बढ़ावा देने के लिए उत्सुकता को स्वीकार करते हैं।
- 5) वास्तविक संबंधों के लाभ के लिए सार्वजनिक नीति के रूप में विज्ञान संचार के रूपों और कार्यों का अनुकूलन और इस प्रक्रिया में सामान्यतः विज्ञान संचार और संचारकों द्वारा सामना किए जाने वाले तुच्छता के संकट से जूझना।

विज्ञान प्रदर्शनी : भारत गर्व एक्सपो-104वाँ आईएससी

मुख्यमंत्री एन. चन्द्रबाबु नायडु ने भारत के गौरव (पीओआई) एक्सपो का उद्घाटन किया, जो मंगलवार को 3 जनवरी, 2017 को श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय (SVU) के परिसर में 104वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस (आईएससी) पर आयोजित किया गया था। श्री नायडु, विज्ञान और प्रौद्योगिकी केन्द्रीय मंत्री श्री व्हाई. एस. चौधरी, राज्य मंत्रियों गंटा श्रीनिवास राव (एचआरडी), बोजजाला गोपालकृष्ण रेड्डी (पर्यावरण और वन) और अन्य ने विज्ञान ज्योति को प्रकाशित किए जिससे कार्यवाही शुरू हुई। बाद में उन्होंने आंध्रप्रदेश के विभिन्न विभागों और संस्थानों द्वारा स्थापित स्टालों का दौरा किया, जिसके बाद आर एवं डी संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों और कई और स्थापित किए। उन्होंने इस प्रदर्शनी में गहरी दिलचस्पी दिखाई।

मेगा साइंस एक्सपो का आयोजन किया गया और एक्सपोज़ का दौरा करने वाले छात्रों सहित सामान्य जनता में नवीनतम नवाचार और विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगों का वर्णन करने और प्रदर्शित करने के लिए आयोजित किया गया। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) ने 3-7 जनवरी, 2017 से आयोजित भारत-विज्ञान एक्सपो-2017 के गौरव में भाग लिए। डीएसटी के इस स्टॉल को सर्वाधिक इंटरैक्टिव पैविलियन पुरस्कार मिला।

डीआरडीओ पैविलियन, आगंतुकों और छात्रों के बीच भारत एक्सपो के गौरव पर एक प्रमुख आकर्षण रहा है, 40 डीआरडीओ प्रयोगशालाएं डीआरडीओ मंडप में सैन्यकला प्रणालियों और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने के लिए एक्सपो में भाग ले रही हैं, जो भारत में बना भावना के साथ आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय गौरव को व्याख्या करते हैं। बाहरी प्रदर्शनों के स्टार आकर्षण में बैलिस्टिक मिसाइल, अग्नि-5, आकाश हथियार प्रणाली, शौर्य मिसाइल, ब्राह्मोस मिसाइल का मॉडल, दूर संचालित वाहन, दक्ष रोबोट आदि की सतह पर लंबी दूरी की सतह शामिल है।

अन्य संगठनों जैसे डीईई, सीएसआईआर, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और अन्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और एजेंसियों ने राज्य सरकारों और अन्य निजी उद्योगों के कुछ स्टॉलों के साथ अपने प्रदर्शन भी दिखाए। वे सभी भारत सरकार द्वारा स्वच्छ भारत, भारत में बना, डिजिटल इंडिया, जैसे विषयों पर आधारित थे, जिससे लोगों को मानवता के सुधार के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में सुधार लाने और आगे सुधार करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

समापन सत्र

भारतीय विज्ञान कांग्रेस की घटना के समापन पर श्रीनिवास सभागार, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति में 7 जनवरी, 2017 को 4.30 बजे आयोजित किया गया था। समापन समारोह के लिए गणमान्य व्यक्ति थे डॉ० सी. एच. विद्यासागर राव, महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल श्री व्हाई. एस. चौधरी, केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री, भारत सरकार, प्रोफेसर ए. दामोदरम, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, प्रोफेसर डी. नारायण राव, महाध्यक्ष, आईएससीए, आंध्र प्रदेश सरकार के तीन मंत्री, डॉ० ए. के. सक्सेना, तत्काल पूर्व महाध्यक्ष, आईएससीए। विज्ञान ज्योति प्रोफेसर डी. नारायण राव, महाध्यक्ष ने डॉ० अच्युत सामंत, महाध्यक्ष, निर्वाचित को सौंप दिया। इस अवसर पर युवा वैज्ञानिक पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार भी प्रस्तुत किए गए थे। प्रोफेसर एस. विजय भास्कर राव के धन्यवाद ज्ञापन किये।

तकनीकी कार्यक्रम सार्वजनिक और पूर्ण कार्यक्रम अनुसूची

जनवरी 3, 2017

वक्ता : प्रो० अदा ई योनाथ, नोबेल पुरस्कार विजेता
विज्ञान संस्थान, रेहोवोट इज़राइल

अध्यक्ष : प्रो० डी नारायण राव
महाध्यक्ष, ISCA

विशेष व्याख्यान

वक्ता : प्रो० कीप. एस. थोर्न
कैलिफोर्निया, प्रौद्योगिकी संस्थान, USA

अध्यक्ष : प्रो० बी. पी. चटर्जी
मौलाना अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय
कोलकाता

पैनल चर्चा : विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के दृष्टिकोण

वक्ता : प्रो० विलियम ई. मोर्नर, नोबेल पुरस्कार विजेता
स्टानफोर्ड विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका

अध्यक्ष : प्रो० अशोक कुमार सक्सेना
तत्काल पूर्व महाध्यक्ष, ISCA

वक्ता : प्रो० तक्काकी काजीता, नोबेल पुरस्कार विजेता
कॉस्मिक रे अनुसंधान संस्थान, टोकियो विश्वविद्यालय जापान

अध्यक्ष : प्रो० पी. रामा राव
पाउडर धातु विज्ञान अंतर्राष्ट्रीय उन्नत अनुसंधान केन्द्र, हैदराबाद

जनवरी 4, 2017

वक्ता : प्रो० जीन तिरोल, नोबेल पुरस्कार विजेता
टूलुज़. अर्थशास्त्र स्कूल (TSE), टूलुज़ कैपिटल विश्वविद्यालय
फ्रांस

अध्यक्ष : प्रो० ए. दामोदरम
कुलपति
श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुमति

पूर्ण सत्र उद्योग अकादमिक, बातचीत

संयोजक : डॉ० व्ही. के. सारस्वत
सदस्य, NITI आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली

सह-संयोजक : प्रो० पी. पी. माथुर
कुलपति, KIIT विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर

वक्ता : श्री बाबा कल्याणी
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, भारत फोर्ज लिमिटेड

डॉ० ज़ी. सतीश रेड्डी
प्रतिरक्षा मंत्रालय के वैज्ञानिक सलाहकार, भारत सरकार

डॉ० बलदेव राज
निदेशक, NIAS भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलोर

प्रो० व्ही रामगोपाल राव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली

डॉ० गिरीश साहनी
महानिदेशक, CSIR और सचिव, DSIR अनुसंधान भवन

श्री संतोष श्रीनिवास
प्रधान, CIET आभूषण विभाजन, टाइटन कम्पनी लिमिटेड, होसुर

पूर्ण सत्र अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी

संयोजक : डॉ० के. शिवन
निदेशक विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र
तिरुवनंतपुरम

सह-संयोजक : प्रो० प्रमोद कुमार वर्मा
मध्यप्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद
भोपाल

वक्ता : डॉ० एम. अन्नादुराई
निदेशक, ISRO उपग्रह केन्द्र, बंगालुरु

डॉ० व्हाई. व्ही. एन. कृष्णमूर्ति
निदेशक, राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग केन्द्र, हैदराबाद

श्री एस.सोमनाथ
निदेशक, तरल प्रणोदन प्रणाली केंद्र (LPSC) ISRO त्रिवेन्द्रम

श्री तपन मिश्र
निदेशक, अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र, SAC अहमदाबाद

पूर्ण सत्र नैनो प्रौद्योगिकी

संयोजक : प्रो० अजय कुमार सूद, FRS
भारतीय वैज्ञानिक संस्थान, बंगलोर

सह-संयोजक : प्रो० एस. पी. सिंह
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र

वक्ता : प्रो० एस. सम्पत
भारतीय वैज्ञानिक संस्थान, बंगलोर

प्रो० सतीशचंद्र बी ओगाले
भारतीय पूर्ण वैज्ञानिक शिक्षा और अनुसंधान संस्थान

प्रो० टाटा नरसिंह राव
पाउडर धातु विज्ञान और नई सामग्री के लिए अंतर्राष्ट्रीय उन्नत अनुसंधान केन्द्र (ARCI), हैदराबाद

पूर्ण सत्र रक्षा अनुसंधान सीमाएँ

संयोजक : डॉ० जी सतीश रेड्डी
प्रतिरक्षा मंत्रालय के वैज्ञानिक सलाहकार, भारत सरकार

सह- संयोजक : प्रो० रंजीत कुमार वर्मा
मगध विश्वविद्यालय, बोध गया

वक्ता : डॉ० (श्रीमती) शशि बाला सिंह
निदेशक, शरीर क्रियाविज्ञान और संबद्ध विज्ञान रक्षा संस्थान, दिल्ली

डॉ० एस क्रिस्टोफर
सचिव और डीजीDRDO, प्रतिरक्षा अनुसंधान और विकास विभाग, DRDO भवन, नई दिल्ली

डॉ० एम. एच. रहमान
उत्कृष्ट वैज्ञानिक और मुख्य नियंत्रक (TM)
प्रतिरक्षा अनुसंधान और विकास विभाग, DRDO भवन, नई दिल्ली

डॉ० जी अथिथान
डीजी (MED, COS और CS), DRDO नई दिल्ली

पूर्ण सत्र

आसपड़ोस विस्तारित पड़ोस और अफ्रीकी देशों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी

संयोजक : डॉ० हर्ष वर्धन
विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान के माननीय केन्द्रीय मंत्री

सह-संयोजक : प्रो० डी. नारायण राव
महाध्यक्ष, ISCA

पूर्ण सत्र

अगली पीढ़ी नेटवर्क और आपदा प्रबंधन

संयोजक : प्रो० नवरति सक्सेना
सूचना और संचार अभियांत्रिकी विद्यालय, दक्षिण कोरिया

सह-संयोजक : प्रो० एस. रामकृष्ण
बंगलोर विश्वविद्यालय, बंगलोर

वक्ता : प्रो० सजल के. दास
अध्यक्ष, मिसौरी विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, रोला, एम. ओ संयुक्त राज्य अमेरिका

डॉ० अभिषेक रॉय
नेटवर्क सिस्टम डिजीन, सामसंग इलेक्ट्रॉनिक्स, सियोल, दक्षिण कोरिया

प्रो० धर्मा पी. अग्रवाल
सिनसिन्नरी विश्वविद्यालय, सिनसिन्नरी, OH, संयुक्त राज्य अमेरिका

प्रो० एम.एस. प्रसाद बाबु
इंजीनियरिंग कॉलेज, आधु विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम

प्रो० स्नेहांशु साहा
कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, PESIT बंगलोर

पूर्ण सत्र

मैथनॉल अर्थव्यवस्था

संयोजक : डॉ० व्ही. के. सारस्वत
सदस्य, नीति आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली

सह-संयोजक : प्रो० आर रामामूर्ति
पूर्व कुलपति, एस. व्ही विश्वविद्यालय

वक्ता : प्रो० जी. के. सूर्य प्रकाश
जर्ज ए और जुधिथ ए ओला नोबेल पुरस्कार विजेता
अध्यक्ष डोनाल्ड पी. और कैथरीन बी. लोकर हाइड्रोकार्बन अनुसंधान संस्थान
रसायन विज्ञान विभाग
दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजेल्स, संयुक्त राज्य अमेरिका

श्री डोमला विगनी
सरकार और सार्वजनिक मामलो के निदेशक-एशिया
पैसिफिक/मध्य पूर्व, सिंगापुर मेथनॉल संस्थान सिंगापुर

पूर्ण सत्र सामाजिक अनुप्रयोगों के लिए नवाचार प्रौद्योगिकी के लिए विज्ञान की नीति

संयोजक : डॉ० बलदेव राज
निदेशक, राष्ट्रीय उन्नत विज्ञान संस्थान, बेंगलोर

सह-संयोजक : प्रो० गीता बाली
KSWV, कर्नाटक

पैनल-चर्चा

सदस्य : डॉ० एस. अय्यप्पन
पूर्व सचिव (DARE) और DG(ICAR)
कृषि मंत्रालय, कृषि भवन, नई दिल्ली

प्रो० डी. बालासुब्रमणियान
निदेशक अनुसंधान, एल व्ही प्रसाद आँख संस्थान
एल. व्ही प्रसाद मार्ग, बंजारा हिल्स, हैदराबाद

प्रो० अम्बुज सागर
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली, नई दिल्ली

प्रो० एन. एस. व्यास
यांत्रिक इंजीनियरिंग, विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, कानपुर

डॉ० सुनील शुक्ला
निदेशक, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान,
गांधीनगर

डॉ० वेंकटेश दत्ता
पर्यावरणीय विज्ञान विभाग
BBAV, विद्याविहार, लखनऊ

डॉ० नीरज शर्मा
प्रधान, प्रौद्योगिकी विकास स्थानांतरण
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
प्रौद्योगिकी भवन, नई मेहरौली मार्ग, नई दिल्ली

वक्ता : प्रो० एम. युनुस, नोबेल पुरस्कार विजेता
संस्थापक, ग्रामीण बैंक, बांग्लादेश

अध्यक्ष : प्रो० डी. नारायण राव
महाध्यक्ष, ISCA

जनवरी 5, 2017

वक्ता : प्रो० सर्ज हारोच, नोबेल पुरस्कार विजेता
कॉलेज दे फ्रांस, पेरिस

अध्यक्ष : प्रो० नरेश पधा
जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू

सार्वजनिक व्याख्यान

वक्ता : डॉ० आर चिदम्बरम
भारत सरकार के प्रधान
वैज्ञानिक सलाहकार और अध्यक्ष, SAC-C

पूर्ण सत्र क्लाउड कंप्यूटिंग और वर्चुअलाइजेशन

संयोजक : प्रो० विश्वनाथ मुखर्जी
विशिष्ट प्राध्यापक, कैलिफोर्निया
विश्वविद्यालय, डाविस संयुक्त राज्य अमेरिका

सह-संयोजक : प्रो० एस. व्ही. कश्मीर राजा
एस. आर. एम विश्वविद्यालय, चेन्नई

वक्ता : डॉ० गौतम दास
जी. एस. सन्याल दूरसंचार विद्यालय
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खरगपुर

श्री ई. इनिया नेहरु
वरिष्ठ तकनीकी निदेशक
राष्ट्रीय सूचना केन्द्र (NIC), चेन्नई

श्री एस. गोपिनाथ
प्रधान तंत्र विश्लेषक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र (NIC), चेन्नई

श्रीमती पमेली कुमार
उपाध्यक्ष,
भारत के क्लाउड कंप्यूटिंग नवाचार परिषद, बेंगलुरु

पूर्ण सत्र 5G और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IOT)

संयोजक : प्रो० विश्वनाथ मुखर्जी
विशिष्ट प्राध्यापक, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय डेविस CA, संयुक्त राज्य अमेरिका

सह-संयोजक : प्रो० सी. मुथामिज़चेलवन
एस. आर. एम विश्वविद्यालय, चेन्नई

वक्ता : डॉ० ऋषि भटनागर
अध्यक्ष, एरिस कम्युनिकेशनस, नई दिल्ली

प्रो० भवानी सिंहा
प्राध्यापक, IEEE फेलो
उन्नत कंप्यूटिंग और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक इकाई
भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, कोलकाता

डॉ० विजय मिश्र
नैनो विज्ञान और इंजीनियरिंग केन्द्र (CeNSE)
भारतीय विज्ञान संस्थान, बांगालुरु

पूर्ण सत्र विज्ञान में परामर्श और नेटवर्किंग

संयोजक : प्रो० चेल्लुस एस छेट्टी
अनुसंधान के लिए सहयोगी उपाध्यक्ष, सवान्नाह राज्य विश्वविद्यालय, GA, USA, संयुक्त राज्य अमेरिका

सह-संयोजक : डॉ० ए मुखोपाध्याय
प्रधान, INSPIRE कार्यक्रम
विज्ञान और प्रौद्योगिकी, नई दिल्ली

डॉ० जी. जेम्स पिचाई
पीजीपी शैक्षिक और कल्याणकारी समाज, चेन्नई

वक्ता : डॉ० क्रिश्चन फान्ड
इउ डब्ल्यु अनुसंधान सलाहकार पहल, दवा विभाग
विसकनसिन विश्वविद्यालय, विसकनसिन, संयुक्त राज्य अमेरिका

प्रो० जम्बुर के. विश्वनाथ
रीजेन्ट प्राध्यापक और उपाध्यक्ष, स्वास्थ्य विज्ञान केन्द्र
उत्तरी टेक्सास विश्वविद्यालय, टेक्सास, संयुक्त राज्य अमेरिका

प्रो० प्रसाद धूलिपला
वैज्ञानिक सलाहकार, जीव विज्ञान बेकर हज्स अपस्ट्रीम
केमिकल्स शसायनिक और औधी सोनाएं
चीनी भूमि TX टेक्सास, संयुक्त राज्य अमेरिका

प्रो० पुडुर जगदीशवरन
जैव रसायन और आणविक जीव विज्ञान विभाजन
उत्तरी टेक्सास विश्वविद्यालय, टेक्सास, संयुक्त राज्य अमेरिका

प्रो० श्रीनिवास पेटयाला
अनुवादक अनुसंधान निदेशक
ज्ञानेन्द्रिय विज्ञान के सहयोगी प्राध्यापक, SARAS सह-समन्वयक,
स्टोनी ब्रुक स्वास्थ्य केन्द्र, न्यू यॉर्क, संयुक्त राज्य अमेरिका

पूर्ण सत्र

स्वच्छ भारत

संयोजक : डॉ० विनोद तारे
प्राध्यापक, पर्यावरण इंजीनियरिंग और प्रबंधन कार्यक्रम,
आसैनिक अभियंत्रण विभाग, IIT कानपुर, कानपुर

सह-संयोजक : प्रो० भूपति नायडु
एस. व्ही विश्वविद्यालय, तिस्मति

वक्ता : डॉ० व्ही. व्ही राव
राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन,
अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार, हैदराबाद

डॉ० बी. चन्द्र शेखर
निदेशक, केन्द्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान
अदयर, चेन्नई

पूर्ण सत्र

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्राप्तकर्ताओं का मिलन

संयोजक : प्रो० डी नारायण राव
महाध्यक्ष, भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

वक्ता : डॉ० सुमन कुमार धर
आणविक चिकित्सा विशेष केन्द्र, जवाहरलाल नेहरु
विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

डॉ० राजीव कुमार वर्ष्
जीनोमिक्स में उत्कृष्टता का केन्द्र,
अर्ध शुष्क क्षेत्र के लिए अंतर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद

डॉ० सुभेन्द्र नाथ भट्टाचार्य
आनुवांशिकी और मानव आवाशिकी विभाजन सीएसआईआर
भारतीय जीवविज्ञान रसायन संस्थान, कोलकाता

डॉ० सुनील कुमार सिंह
भौगोलिक विभाजन, शारीरिक शोध प्रयोगशाला,
अहमदाबाद

डॉ० सुमन चक्रवर्ती
यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
खरगपुर

डॉ० वेंकट नारायण पद्मनाभन
अनुसंधान प्रबंधक, माइक्रोसॉफ्ट रिसर्च इंडिया बेंगलोर

डॉ० एकनाथ प्रभाकर घाने
गणितीय विद्यालय, टाटा मौलिक अनुसंधान संस्थान, मुंबई

डॉ० अमोल दिघे
सैद्धांतिक भौतिकी विभाग, टाटा, मौलिक अनुसंधान संस्थान

डॉ० सुब्रमणियान अनंथ रामकृष्ण
भौतिकी विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर

डॉ० सुधीर कुमार वेमपति
उच्च ऊर्जा भौतिकी केन्द्र, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलोर

पूर्ण सत्र

स्मार्ट शहर

- संयोजक : डॉ० समीर शर्मा
अतिरिक्त सचिव और मिशन निदेशक (स्मार्ट शहर)
शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार
कमरा : 138-सी, निर्माण भवन, नई दिल्ली
- सह-संयोजक : प्रो० ध्यानेन्द्र कुमार
व्ही. के. एस. विश्वविद्यालय, आरा
- वक्ता : प्रो० जगन शाह
निदेशक, राष्ट्रीय शहरी मामला संस्थान
भारत आवास केन्द्र, लोधी रोड, नई दिल्ली
- श्री व्ही. विनयचंद, आई.ए.एस
आयुक्त, तिरुमति नगर निगम, तिरुमति

पूर्ण सत्र

भारतीय परमाणु कार्यक्रम

- संयोजक : डॉ० शेखर बासु
अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग और सचिव, DAE, मुंबई
- सह-संयोजक : प्रो० आर. के. वर्मा
पटना विश्वविद्यालय, पटना

वक्ता : डॉ० शर्बानी घोष
विकिरण ऑन्कोलॉजिस्ट, टाटा स्मारक अस्पताल,
डॉ० ई. बजैस रोड, परेल, मुम्बई

प्रो० आर, बालासुब्रमणियान
गणितीय विज्ञान संस्थान, सीआईटी कैम्पस तारामणि, चेन्नई

डॉ० एस गौतम
एस.ओ/जी. खाद्य प्रौद्योगिकी विभाजन
भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, ट्राम्बे, मुम्बई

पूर्ण सत्र

HPCC के वैज्ञानिक प्रयोग

संयोजक : प्रो० प्रशांत गोस्वामी
निदेशक CSIR राष्ट्रीय विज्ञान प्रौद्योगिकी और
विकास शिक्षा संस्थान (NISTADS), नई दिल्ली

सह-संयोजक : प्रो० बी. सत्यनारायण
ओस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद

वक्ता : प्रो० जी. पी. दास
वरिष्ठ प्राध्यापक
इंडियन एसोसिएशन फ़ॉर दि कल्टीवेशन ऑफ़ साइंस
यादवपुर, कोलकाता

श्री जोवी फानैन्डो
उपाध्यक्ष, मैट्रिक्स, विश्लेषिकी और बेंचमार्किंग समूह
ऑपरेशन्स वेल्स फार्गो, सान फ्रान्सिस्को कैलिफोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका

डॉ० व्ही सी व्ही राव
सहायक निदेशक/मुख्य विभाजन
हाई परफे कम्प-फ्रंटियर टेकनोलॉजीस अन्वेषण ग्रुप
(HPC-FTE) समूह
C-DAC, पुणे विश्वविद्यालय, समूह, पुणे

जी. पी. चटर्जी स्मारक अवार्ड व्याख्यान

सह-संयोजक : प्रो० विजय लक्ष्मी सक्सेना
पूर्व महासचिव, भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

पूर्ण सत्र

खेलकूद विज्ञान और खेलकूद दवाई

संयोजक : डॉ० यशपाल सांधु,
सचिव, UGC

सह-संयोजक प्रो० पी. पी. माथुर, KIIT, भुवनेश्वर
वक्ता डॉ० संजीव साहनी, खेल मनोवैज्ञानिक, JSW
डॉ० राजदीप कौर, डीन, FOSS, भारतीय खेल प्राधिकरण
श्री इन्जेति श्रीनिवास, सचिव, MYAS और DG, SAI
श्री विजय गोयल, युवा मामला और खेल मंत्री, भारत सरकार

पूर्ण सत्र

खाद्य और पोषण सुरक्षा

संयोजक प्रो० एम. एस. स्वामीनाथन
सेवामुक्त संयोजक और मुख्य गुरु
एम. एस. स्वामीनाथन अनुसंधान नींव (MSSRF), चेन्नई

सह-संयोजक प्रो० विजय लक्ष्मी सक्सेना
जैव सूचना विज्ञान बुनियादी सुविधा केंद्र, कानपुर

वक्ता प्रो० के. रामासामी
कुलपति, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय,
कोयम्बटूर

डॉ० आर. रुक्मिणी
निदेशक-खाद्य सुरक्षा
MSSRF, चेन्नई

आर. व्ही. भवानी
परियोजना प्रबंधक, LANSA
MSSRF, चेन्नई

पूर्ण सत्र

जैव संसाधन - जलवायु परिवर्तन का प्रभाव

संयोजक प्रो० आर. रामामूर्ति
अध्यक्ष, क्षेत्रीय केंद्रीय विशेषज्ञता, तिरुपति

सह-संयोजक प्रो० एच. पी. तिवारी
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

वक्ता डॉ० बी. मीना कुमारी
अध्यक्ष, राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण, चेन्नई

डॉ० एस. सुब्रमणियान
सदस्य, राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण, चेन्नई

डॉ० व्ही. बी. माथुर
निदेशक, भारतीय जंगली जीवन संस्थान, देहरादून

पूर्ण सत्र

गुरुत्वाकर्षण तरंग (LIGO VIRGO)

संयोजक :

प्रो० बाला आयर
सैद्धांतिक विज्ञानों के लिए अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र टाटा मौलिक अनुसंधान संस्थान,
आईआईएससी कैम्पस
बैंगलोर

वक्ता :

पी. अजीत
सैद्धांतिक विज्ञानों के लिए अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र टाटा मौलिक अनुसंधान संस्थान
बैंगलुरु

डॉ० संजीत मित्रा
आईयूसीएए, सावित्रीभाई फुले, पुणे विश्वविद्यालय कैम्पस, पुणे

प्रो० सीएस उन्नीकृष्णन
टीआईएफआर, होमी भाभा रोड, मुंबई

पूर्ण सत्र

गुणवन्तापूर्व शिक्षा और शोध में वृद्धि : मान्यता की भूमिका

संयोजक :

प्रो० डी. पी. सिंह
निदेशक, राष्ट्रीय मूल्यांकन और मान्यता परिषद,
बैंगलोर

सह-संयोजक :

प्रो० डी नारायण राव
महाध्यक्ष, आईएससीए

वक्ता :

डॉ० विरन्दर. एस चौहान
अध्यक्ष-ईसी, NAAC और सदस्य, युजीसी, नई दिल्ली

प्रो० राजपाल एस सिरौही
प्रधान प्राध्यापक, भौतिकी विज्ञान विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर

प्रो० एस. पी. त्यागराजन
पूर्व कुलपति, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई

प्रो० ए. एस. रघुवंशी
पर्यावरण और टिकाऊ विकास संस्थान, बनारस
हिन्दु विश्वविद्यालय (BHU) वाराणसी

प्रो० आई. के. भट्ट
प्रायोगिक यांत्रिकी विभाग मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय
प्रौद्योगिकी संस्थान (MNNIT)
इलाहाबाद

पूर्ण सत्र

जलवायु परिवर्तन / मानसून

संयोजक :

डॉ० आर कृष्णन
उष्णकटिबंधीय भारतीय मौसम विज्ञान संस्थान
डॉ० होमी भाभा रोड, पाशाान, पुणे

सह-संयोजक : डॉ० एन. बी. बसु
कोलकाता नगर निगम, कोलकाता

वक्ता : प्रो० आर रमेश
भौतिक शोध प्रयोगशाला,
अहमदाबाद

पूर्ण सत्र नीली अर्थव्यवस्था - भारत के प्रयास

संयोजक : डॉ० एम राजीवन
भारत सरकार के सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय,
नई दिल्ली

वक्ता : डॉ० एम. ए. आत्मावंद
पूर्व निदेशक, राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान
चेन्नई

डॉ० बी. मीना कुमारी
उप महानिदेशक (मात्स्य की), मात्स्यकी प्रभाग
नई दिल्ली

डॉ० एस. राजन
निदेशक, अंटार्कटिक और कैपसियन के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्र
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार

डॉ० सतीश सी. सिनोई
निदेशक, भारतीय महासागर सूचना सेवा केन्द्र
(INCOIS), हैदराबाद, भारत

डॉ० विश्वपति त्रिवेदी
सभापति, राष्ट्रीय नौवहन बोर्ड, नई दिल्ली, भारत

पूर्ण सत्र (CRISPR-CAS9) / जीन संपादन

संयोजक : डॉ० एस. आर. राव
सलाहकार, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी)
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार

सह-संयोजक : प्रो० गंगाधर
बैंगलोर विश्वविद्यालय, बैंगलोर

वक्ता : डॉ० अभिनाम मोहान्ती
वरिष्ठ अनुसंधान प्रबंधक ड्यूपयेन्ट ज्ञान केन्द्र, आईसीआईसीआई
ज्ञान उद्यान, हैदराबाद

प्रो० के वेलूथाम्बी
जैव प्रौद्योगिकी विद्यालय, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय
मदुरै

	डॉ० अभिनव सिन्हा राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान (ICMR), नई दिल्ली
पैनल चर्चा सदस्यगण	डॉ० पी चंद्रशेखर सीसीएमबी, हैदराबाद
	डॉ० श्रीनिवासूलू कुरुकुटी हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद
	डॉ० विनय पंडा जैव-आईटी केंद्र, गैनिट प्रयोगशाला, आईबीएबी, बैंगलोर
	डॉ० धनंजय तिवारी जैव प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली

पूर्ण सत्र

मानव माइक्रोबियम

संयोजक :	डॉ० योगेश शौच राष्ट्रीय कोषिका विज्ञान केंद्र, एनसीसीएस कॉम्प्लेक्स, पुणे
सह-संयोजक :	प्रो० अशोक कुमार सक्सेना तत्काल पूर्व महाध्यक्ष, आईएससीए
वक्ता :	डॉ० विनोद आहूजा गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग, अखिल भारतीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान नई दिल्ली
	डॉ० बी. एस. रामकृष्णा निदेशक और वरिष्ठ सलाहकार - चिकित्सा विज्ञान गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एसआरएम चिकित्सा विज्ञान संस्थान, चेन्नई
	डॉ० शर्मिला मांडे नवाचार प्रयोगशाला टाटा परामर्शदात्री सेवाएं हैडपसार, पुणे

बी. सी. गुहा स्मारक व्याख्यान

अध्यक्ष :	डॉ० मनोज कुमार चक्रवर्ती, (NICED), कोलकाता
-----------	---

पूर्ण सत्र

रोबोटिक्स

संयोजक :	डॉ० सुबीर कुमार साहा नरेन गुप्ता प्रधान प्राध्यापक यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली, भारत
सह-संयोजक :	प्रो० उमाकांत राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

वक्ता : प्रो० (श्रीमती) आर भवानी राव
निदेशक, AMMACHI प्रयोगशाला अमृता विश्वविद्यालय
अमृतापुरी, वल्लिकावु, केरल

पूर्ण सत्र साइबर सुरक्षा

संयोजक : प्रो० एन बालकृष्णन
मानद प्राध्यापक
अंतरिक्ष इंजीनियरिंग और सुपर कंप्यूटर
शिक्षा और अनुसंधान संघान विभाग, भारतीय विज्ञान संस्थान
बैंगलोर

सह-संयोजक : प्रो० एस व्ही. कश्मीर राजा
एसआरएम विश्वविद्यालय, चेन्नई

वक्ता : श्री जी नरेन्द्रनाथ
डीडीजी (सुरक्षा) दूरसंचार विभाग (Dot)
नई दिल्ली

डॉ० व्ही. श्रीधर
SRM अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर

प्रो० एस. ए. व्ही. राघवन
मुख्य वास्तुकार, भारत के NKN, चेन्नई

पूर्ण सत्र उन्नत सामग्री

संयोजक : प्रो० बी. व्ही. आर चौधरी
कार्यकारी निदेशक, NUS भारत अनुसंधान पहल, कार्यालय उपाध्यक्ष का
(अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी) भौतिकी विज्ञान विभाग
सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय

सह-संयोजक : प्रो० बायराप्पा
मैंगलोर विश्वविद्यालय, मैंगलोर

वक्ता : प्रो० नॉरीयॉसी मातसुमी
पदार्थ विज्ञान विद्यालय जापान उन्नत विज्ञान और
प्रौद्योगिकी संस्थान, जापान

डॉ० रमन वेदराजन
पदार्थ विज्ञान स्कूल, पदार्थ विज्ञान क्षेत्र
उन्नत विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, जापान

प्रो० आशुतोष तिवारी
पदार्थ अभियांत्रिकी विभाग, उन्नाह विश्वविद्यालय, USA

पूर्ण सत्र

भारत आधारित न्यूट्रिनीवेधशाला

संयोजक :

प्रो० अमोल दीये
सैद्धांतिक भौतिकी विभाग
टाटा मौलिक अनुसंधान संस्थान, मुंबई

सह-संयोजक :

प्रो० दीनेश रंगप्पा
विश्वेश्वरैया प्रौद्योगिकीय विश्वविद्यालय, चिकबालापुर

प्रो० एस उमा शंकर
भौतिकी विज्ञान विभाग, आईआईटी, बॉम्बे

प्रो० प्रफुल्ल कुमार बेहेरा
भौतिकी विज्ञान विभाग, आईआईटी मद्रास, चेन्नई

डॉ० बी. सत्यनारायण
वैज्ञानिक अधिकारी (एइच)
उच्च ऊर्जा भौतिकी विभाग
टाटा मौलिक अनुसंधान संस्थान, मुंबई

प्रो० डी इन्दुमती
गणितीय विज्ञान संस्थान, चेन्नई

पूर्ण सत्र

सौर ऊर्जा : फोटोवोल्टिक और थर्मल

संयोजक :

डॉ० ओ. एस. शास्त्री
वैज्ञानिक जी/सलाहकार और महानिदेशक
भारतीय सौर ऊर्जा संस्थान, फरीदाबाद

सह-संयोजक :

प्रो० दिनेश कुमार
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र

वक्ता :

प्रो० एस. बी. केदारे
ऊर्जा विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, मुंबई

प्रो० अयोद्यानाथ तिवारी
प्रधान, पतली फ़िल्म और फोटोवोल्टाइक्स प्रयोगशाला
एम्पा-स्विस पदार्थ विज्ञान संस्थायो प्रयोगशाला और प्रौद्योगिकी, स्वीज़रलैंड

डॉ० अश्विनी कुमार
निदेशक
सौर ऊर्जा निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
नई दिल्ली

पूर्ण सत्र

अपतटीय पवन खेत

- संयोजक : डॉ० एस. गोमाथिनयागम
महानिदेशक, राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान (NIWE)
चेन्नई
- सह-संयोजक : डॉ० विद्या पत्नी
राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
- वक्ता : डॉ० एम व्ही. रामनामूर्ति
समूह मुखिया/वैज्ञानिक-जी,
चेन्नई

पूर्ण सत्र

हेमोस्टेसिस और घानास्त्रता सीमाएँ

- संयोजक : प्रो० सत्य पी. कुनापूली
निदेशक, घानास्त्रता अनुसंधान केन्द्र मंदिर विश्वविद्यालय, दवा विद्यालय
फिलाडेलफिया, पीए 19140, संयुक्त राज्य अमेरिका
- सह-संयोजक : प्रो० गंगाधर
महासचिव ISCA
- वक्ता : प्रो० पुडुर जगदीशवरन
निदेशक, जैवरसायन विज्ञान और आणविक जीवविज्ञान प्रभाग,
LIFE, B120, उन्नरीय टेक्सास विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका
- प्रो० देवव्रत दास
चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय, वाराणसी
- प्रो० उल्लास पी. नायक
निदेशक, करदेजा वास्कुलर जीवविज्ञान केन्द्र
सिडनी किम्बेले चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय, थर्मांस जेफरसेन विश्वविद्यालय,
संयुक्त राज्य अमेरिका
- प्रो० एल. विजया मोहन राव
जैवरसायन विज्ञान प्राध्यापक, सेलुलर और आणविक जीवविज्ञान, TX, संयुक्त राज्य अमेरिका

पूर्ण सत्र

फोटोनिक्स और मेटा सामग्री

- संयोजक : प्रो० सुबल कॉर
रेडियो भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स संस्थान
कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता
- सह-संयोजक : प्रो० कन्हैयालाल श्रीवास्तव
जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, राजस्थान
- वक्ता : प्रो० एस. अनंत रामकृष्ण
भौतिकी विज्ञान विभाग आईआईटी, कानपुर

प्रो० सुशील मजुमदार
परमाणु और परमाणु भौतिकी विभाग,
टाटा मौलिक अनुसंधान संस्थान, मुंबई

पूर्ण सत्र

उत्तरपूर्वी क्षेत्र में विज्ञान और प्रौद्योगिकी

संयोजक :

प्रो० गौतम विश्वास
निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT), गुवाहाटी

सह-संयोजक :

प्रो० अरुण कुमार
मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल

वक्ता :

डॉ० एन. सी. तालुकदार
निदेशक
विज्ञान और प्रौद्योगिकी उन्नत अध्ययन संस्थान, गुवाहाटी

प्रो० बी. के. तिवारी
प्राध्यापक और प्रधान पर्यावरणीय अध्ययन विभाग
उत्तर-पूर्वी पहाड़ी विश्वविद्यालय, शिलांग, मेघालय

अनुभागों में कार्यकलाप

14 अनुभागों में अनुभागीय अध्यक्षां (अनुबंध-1) के वक्तव्य के साथ विचार-विमर्श हुआ। तत्पश्चात प्रत्येक अनुभाग में प्लेटिनम जयंती व्याख्यान (अनुबंध-2) आयोजित किए गए। विशिष्ट विषयों (अनुबंध-3) पर तथा अधिकांश आमंत्रित/विशेष व्याख्यानों पर अनुभागीय अध्यक्षां द्वारा परिसंवाद का आयोजन किया गया जो 104 वें विज्ञान कांग्रेस के तकनीकी कार्यक्रम का अभिन्न अंग रहा।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के युवा वैज्ञानिकों के कार्यक्रम

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम के अंतर्गत अनुभागों में 4 जनवरी, 2017 को लेख प्रस्तुत किए गए। इस वर्ष कार्यक्रम के अंतर्गत 13 युवा वैज्ञानिकों को अनुसंधान संबंधी क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए पुरस्कार प्रदान किया गया। भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था युवा वैज्ञानिक पुरस्कार (प्रमाणपत्र एवं रु 25,000/- का नकद पुरस्कार) 7 जनवरी 2017 को 104 वें विज्ञान कांग्रेस के समापन सत्र में प्रदान किया गया। इन युवा वैज्ञानिकों के नाम और इनके लेखों के शीर्षक (अनुबंध-4) में दिए गए हैं।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था उत्कृष्ट पोस्टर पुरस्कार कार्यक्रम

वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने के लिए ISCA ने प्रत्येक अनुभाग में दो उत्कृष्ट पोस्टर पुरस्कार की स्थापना किए। इन पुरस्कारों की राशि रु 5,000/- है और इसके अलावा एक योग्यता प्रमाण पत्र भी है। इस वर्ष 16 उत्कृष्ट पोस्टर पुरस्कार 7 जनवरी, 2017 को 104 वें विज्ञान कांग्रेस के समापन समारोह में प्रस्तुत किए गए। उन पुरस्कार विजेताओं के नाम और उनके लेख के शीर्षक अनुबंध-5 में दी गई है।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था अक्षयनिधि पुरस्कार / व्याख्यान

पुरस्कार का नाम	पुरस्कार प्राप्तकर्ता का नाम
आशुतोष मुखर्जी स्मारक अवार्ड	डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, कानपुर
सी. वी. रमण जन्म शतवार्षिकी अवार्ड	प्रो. के. बायरप्पा, मंगलागंगोत्री
एस के मित्र जन्म शतवार्षिकी अवार्ड	डॉ. एन. आर. जगन्नाथन, नई दिल्ली
बीरबल साहनी जन्म शतवार्षिकी अवार्ड	प्रो. अरुण कुमार इम्फाल
डी. एस. कोठारी स्मारक अवार्ड	डॉ. आई सत्यामूर्ति, चेन्नई
प्रो. आर. सी. मेहरोत्रा स्मारक आजीवन उपलब्धि अवार्ड	प्रो. बी. पी. चटर्जी, कोलकाता
जवाहरलाल नेहरु जन्म शतवार्षिकी अवार्ड	डॉ. बलदेव राज, बैंगलोर
	प्रो. ओम प्रकाश, कुरक्षेत्र

पुरस्कार का नाम	पुरस्कार प्राप्तकर्ता का नाम
सहस्राब्दि सम्मान फलक	प्रो. अप्पा राव पोडिल, हैदराबाद
जी. पी. चटर्जी स्मारक अवार्ड	डॉ. एम. रामचंद्र मोहन, बैंगलोर
बी. सी. गुहा स्मारक व्याख्यान	प्रो. बी. बी. कालीवाल, दावनगोरे
प्रो. हीरालाल चक्रवर्ती स्मारक अवार्ड	डॉ. सुप्रिया तिवारी, वाराणसी
प्रो. अर्चना शर्मा स्मारक पुरस्कार	डॉ. जीतेन्द्र कुमार ठाकुर, नई दिल्ली
डॉ. व्ही पुरी स्मारक पुरस्कार	प्रो. के. आर. शिवान्ना, बैंगलोर
डॉ. बी. सी. देव स्मारक पुरस्कार मृदा / भौतिक रसायन के लिए	डॉ. विश्वजीत पाल, कोलकाता
प्रो. जी. के. मन्ना स्मारक अवार्ड	प्रो. मोहम्मद हाफिज तिस्मति
प्रो. एस. एस. कटियार अक्षयनिधि व्याख्यान	डॉ. पी. वेंकटेशु नई दिल्ली
प्रो. उमाकांत सिंहा स्मारक अवार्ड	डॉ. संजीव दास, नई दिल्ली
प्रो. आर. सी. शाह स्मारक व्याख्यान	डॉ. विनोद कुमार, हरियाणा
प्रो. (श्रीमती) अनिमा सेन स्मारक व्याख्यान	प्रो. शिवनाथ देव, पुदुचेरी
प्रो. विलियम डिकसन वेस्ट स्मारक अवार्ड	प्रो. जे. पी. श्रीवास्तव दिल्ली



प्रो. डी. नारायण राव
ISCA के महाध्यक्ष
104वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस
तिरुपति

प्रोफेसर डी. नारायण राव, प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, वायुमंडलीय विज्ञान के क्षेत्र में उनके वैज्ञानिक योगदान के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने एस.व्ही. विश्वविद्यालय में व्याख्याता, पाठक और प्राध्यापक के रूप में 1975-1992 के दौरान तिरुपति में काम किये हैं। उन्होंने विज्ञान विभाग और भारत सरकार की एजेंसियों द्वारा प्रायोजित कई प्रमुख अनुसंधान परियोजनाएं की हैं जैसे डीएसटी, सीएसआई आर, एमओईएस (पूर्व में डीओडी), एमआईटी (पूर्व में डीओई), ISRO और यूजीसी। बाद में उन्हें भारत सरकार द्वारा निदेशक, राष्ट्रीय वायुमंडलीय अनुसंधान प्रयोगशाला (NARL) अंतरिक्ष विभाग, के रूप में नियुक्त किया गया। प्रोफेसर नारायण राव ने वायुमंडलीय विज्ञान और रडार प्रौद्योगिकी के सीमावर्ती क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए उत्कृष्टता का एक विश्वस्तरीय केंद्र बनाने में काफी योगदान दिया है। अक्टूबर 2011 में ISRO द्वारा शुरू किए गए एक नैनो सैटेलाइट की डिजाइनिंग, विकास और निर्माण में SRM विश्वविद्यालय, चेन्नई के युवा छात्रों को संवेदीकरण और प्रेरणा देने का अनूठा विशेषाधिकार था।

प्रोफेसर राव ने अत्यधिक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 100 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित किए हैं। उनके 27 छात्रों को पीएडी से सम्मानित किया गया। अपने वैज्ञानिक योगदान की मान्यता में उन्हें सर सी.व्ही. रमण सहित कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। UGC द्वारा भौतिक विज्ञान में उत्कृष्ट योगदान के लिए रमन पुरस्कार, वायुमंडलीय विज्ञान में उत्कृष्ट योगदान के लिए रामनाथन पुरस्कार, भौतिक विज्ञान में उत्कृष्ट योगदान के लिए आंध्र प्रदेश वैज्ञानिक पुरस्कार, अंतरिक्ष विज्ञान और अनुप्रयोगों के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए भारतीय अंतरिक्ष यात्री समाज (एसआई) पुरस्कार भारत में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 1996 में प्रदान किया गया। वे वर्ष 2011 में एस.एस. भटनागर स्मारक अवार्ड (ISCA) भारत के माननीय प्रधानमंत्री से प्राप्त करने के विशेषाधिकार थे।

प्रोफेसर राव विज्ञान की राष्ट्रीय अकादमी, भारत और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई वैज्ञानिक और तकनीकी समितियों के एक सदस्य और IETE परिषद के सदस्य हैं। वे 2007-2010 के दौरान विज्ञान के आंध्र प्रदेश अकादमी क्षेत्र के अध्यक्ष थे। वे अमेरिका, कनाडा, पेरू, यू.के, फ्रांस, इटली, सिंगापुर, हांगकांग, श्रीलंका, चीन, ताइवान, ऑस्ट्रेलिया और जापान का दौरा विभिन्न शैक्षिक और वैज्ञानिक कार्यों के लिए और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सहयोग के लिए किये। उन्होंने क्षेत्रीय और वैश्विक जलवायु परिवर्तनशीलता पर नज़र रखने के लिए वायुमंडलीय विज्ञान के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दिये हैं।

प्रोफेसर राव एसआरएम विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा विकसित और विकसित नैनो उपग्रह, एसआरएमएसएटी के प्रोजेक्ट डायरेक्टर थे। उन्होंने SRMSAT के डिजाइन और विकास के लिए पूर्ण जिम्मेदारी ली। उपग्रह अक्टूबर 2011 में SHAR केंद्र श्रीहरिकोटा से शुरू हुआ था। उनके पास भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था (आईएससीए) को 98वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस के लिए स्थानीय सचिव के रूप में सेवा करने का अवसर मिला था, जो SRM विश्वविद्यालय, जनवरी 2011 में चेन्नई में आयोजित किया गया था।



भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी उद्घाटन भाषण देते हुए



डॉ. अशोक कुमार सक्सेना ISCA के सर्वोत्तम अवार्ड आशुतोष मुखर्जी स्मारक अवार्ड भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्राप्त करते हुए



भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी नोबेल पुरस्कार विजेता को बधाई देते हुए



विज्ञान प्रदर्शनी में भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री चन्द्रबाबु नायडु



समापन सत्र के दौरान माननीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान, केन्द्रीय मंत्री श्री वाई.एस.चौधरी भाषण देते हुए



महिला विज्ञान कांग्रेस के उद्घाटन के दौरान मंच पर गणमान्य व्यक्तिगण



बाल विज्ञान कांग्रेस का उद्घाटन करते हुए नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ.तक्काजी काजीटा



समापन सत्र के दौरान मंच पर गणमान्य व्यक्तिगण

104 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस
एस. व्ही विश्वविद्यालय, तिरुपति
3-7 जनवरी, 2017

अनुभागीय समितियों की सिफारिशें
(अनुभागीय अध्यक्षों से जैसा प्राप्त हुआ)

कृषि और वानिकी विज्ञान

- जलवायु स्मार्ट कृषि के अनुकूलन और शमन के संबंध में जलवायु परिवर्तन पर शोध एक अंतः विषय तरीके से मजबूत किया जाना चाहिए।
- खेती स्तर पर आधुनिक उपकरणों और तकनीकों (जैसे, जियोइन्फॉर्मेटिक्स, रिमोट सेंसिंग, ड्रोम, सिमुलेशन मेडलिंग आदि के साथ प्राकृतिक संसाधनों का मूल्यांकन और स्थायी भूमि उपयोग योजना और प्रबंधन के लिए सामाजिक आर्थिक परिदृश्य के साथ उनका एकीकरण किया जाना चाहिए।
- विविध कृषि के प्रचार और गैर-लकड़ी वन उत्पादों (एनएफटीपी) को कृषि वानिकी अपनाने और अल्पकालिक ऊर्जा वृक्षारोपण के माध्यम से आजीविका की सुरक्षा सुनिश्चित करने और जनजातीय क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
- मौजूदा पारंपरिक और आधुनिक तकनीकों जैसे नैनो तैयार करने, फर्टिगेशन आदि के जरिए कृषि परिस्थितिक तंत्र में पोषक तत्व और पानी का उपयोग दक्षता बढ़ाने के लिए सिंचित और बारिश - फेड खेती प्रणाली का उपयोग।
- पोषक तत्वों के प्रवाह और प्रवाह से जुड़ी मिट्टी प्रक्रियाओं के संबंध में कृषि संरक्षण पर शोध, जैविक पदार्थों के निर्माण के संबंध में कार्बनिक रीसाइक्लिंग और इसकी स्थिरता, पोषक तत्व उपलब्धता और बढ़ी हुई उत्पादकता और पर्यावरण सुरक्षा के लिए मिट्टी की गुणवत्ता पर जोर दिया जाना चाहिए।
- मिश्रित जैव उर्वरकों के नए फार्मूले मिट्टी से मेटेनोमिक्स का शोषण करते हैं और किसानों के क्षेत्रों में प्रभावी वितरण प्रणाली तैयार करने की आवश्यकता होती है।
- तेज़ी से कचरा रीसाइक्लिंग पर शोध और एफवाईएम, खाद, वर्मीकंपोस्ट, आदि जैसे जैविक खादों के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। कार्बनिक खाद के मानकीकरण, उनकी तैयारी के तरीकों और गुणवत्ता मानदंडों की स्थापना की आवश्यकता है।
- कुशल इनपुट उपयोग, मिट्टी के स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए विभिन्न कृषि-पारिस्थितिक क्षेत्रों में उर्वरक उपयोग और मिट्टी के स्वास्थ्य के अध्ययन के समन्वय के लिए राष्ट्रीय नेटवर्किंग व्यवस्था विकसित करने की जरूरत है।
- कृषि प्रौद्योगिकी वितरण को बढ़ाने के लिए सार्वजनिक निजी साझेदारी किसानों के अनुसंधान संस्थानों के साथ संबंधों को मजबूत करना चाहिए।

पशु, पशु-चिकित्सा और मात्स्यिकी विज्ञान

- भारतीय विज्ञान कांग्रेस (राष्ट्रीय विकास के लिए एस. और टी) और पशु, पशु चिकित्सा और मत्स्य विज्ञान के अनुभाग के लिए संगोष्ठी के विषय को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित अनुशंसाएं की गई हैं।
- मूल जीव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, सूक्ष्म जीव विज्ञान, जैव सूचना विज्ञान और आधुनिक विषयों में स्नातक और स्नाकोत्तर अध्ययन का अभिन्न अंग होना चाहिए।
- जिन प्रजातियों के साथ हम गृह साझा करते हैं वे एक विशाल अनियंत्रित आनुवंशिकी पुस्तकालय का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिनकी अनदेखी दवा और फायदेमंद पदार्थ हैं। इसलिए ग्रामीण आजीविका, खाद्य स्वास्थ्य और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कार्यक्रम शुरू करने की आवश्यकता है।
- पारंपरिक तकनीकी ज्ञान (टीटीके) और स्वदेशी प्रौद्योगिकी का दस्तावेजीकरण, इसके पुनरुद्धार और जैव संसाधनों के क्षेत्र में टिकाऊ विकास और जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन के लिए मजबूत बनाना चाहिए।
- जैव संसाधन मानव जाति के लिए प्रकृति का अद्भुत उपहार हैं जिनकी स्थिरता को ग्रामीण आजीविका और आर्थिक विकास से प्रभावी रूप से जोड़ा जा सकता है, इसलिए विज्ञान की शिक्षा का उद्देश्य छात्रों को उचित प्रबंधन और जैव संसाधनों के सतत उपयोग के लिए आकर्षित करना है।
- आजीविका और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जीवन के अन्य कम ज्ञात किस्मों के अन्वेषण के लिए कार्यक्रम को शुरू करने की आवश्यकता है।
- विशेष रूप से लुप्तप्राय प्रजातियों के वन्यजीव संरक्षण के लिए आणविक टूल के आवेदन को अधिक महत्व दिया जा सकता है।
- सुधार कार्यकुशलता के समूचित मूल्यांकन के लिए भारत के विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों के अंतर्गत रेशम कीट (बॉम्बेक्स मोरी) की मल्टीवोलिटेन रेस की जांच की जानी चाहिए।
- मछली के उत्पादन को बढ़ाने के लिए विभिन्न तालाबों और जलाशय प्रबंधन के जैव-आर्थिक मॉडलिंग को पूरा करना चाहिए।
- पारिस्थितिक पदचिह्न को कम करने और आसपास के क्षेत्र में स्वास्थ्य और स्वच्छता बनाए रखने के लिए व्यक्तियों की जैव विविधता संरक्षण भूमिका पर जन जागरुकता को बढ़ावा देना चाहिए।
- सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) को पर्यावरण संबंधी समस्याओं और संरक्षण और ऐसे सभी जीवन स्वरूपों का उचित शोषण हल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जो भोजन, स्वास्थ्य और आजीविका सुनिश्चित करते हैं।
- निर्णय लेने में जनता की भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए और लोगों के भोजन, स्वास्थ्य और आजीविका सुरक्षा के साथ पर्यावरण, आर्थिक और सामाजिक स्थिरता का एकीकरण सुनिश्चित करना चाहिए।
- विभिन्न बीमारियों की समस्याएं (जलीय कृषि और पशुपालन आदि में) और उनके प्रबंधन को विवरण में काम किया जा सकता है।

- आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण जैव संसाधन जैसे कि रेशमकीट, मधुमक्खी, मत्स्य पालन, वर्मीकल्चर, मोती संस्कृति, पशुधन आदि को जोड़ने के लिए बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने के उद्देश्य से ग्रामीण जीविका को बढ़ावा देना। तेज़ी लाने के लिए तीव्र गति से शुरू किया जाना चाहिए।
- चूंकि जैव प्रौद्योगिकी अब खाद्यान्न, स्वास्थ्य और आजीविका सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण की भूमिका निभा रहा है, खाद्यान्नों के बेहतर उत्पादन के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में अल्पकालिक प्रशिक्षण शुरू किया जाना चाहिए जो कि इस क्षेत्र से राष्ट्रीय जीडीपी को उभारने में योगदान देगा।
- एमएससी के छात्रों के साथ जूलॉजी की डिग्री (मछली और मत्स्य पालन में विशेषज्ञता के साथ) को उपेक्षित किया जाता है और मत्स्य पालन और अन्य संबंधित विभागों में नियुक्ति से इन्कार किया जाता है जो उनके लिए एक बड़ा अन्याय है। ऐसे विद्यार्थियों के हितों की रक्षा के लिए यूजीसी को मजबूत कदम उठाना चाहिए।

मानव विज्ञान एवं व्यवहारपरक विज्ञान (पुरातत्व विज्ञान एवं, मनोविज्ञान, शिक्षाशास्त्र और सैन्यशास्त्र सहित)

- भारत के ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य के क्षेत्र में अधिक शोध कार्य किया जाना चाहिए, क्योंकि प्रजनन स्वास्थ्य सामान्य स्वास्थ्य का एक महत्वपूर्ण घटक है और सामाजिक, आर्थिक और मानव विकास के लिए एक शर्त है। स्वास्थ्य का उच्चतम प्राप्य स्तर न केवल सभी के लिए एक मौलिक मानवीय अधिकार है। यह एक सामाजिक और आर्थिक अनिवार्य भी है, क्योंकि मानव ऊर्जा और रचनात्मकता विकास का ड्राइविंग बल हैं।
- 'जनसंख्या उम्र बढ़ने' वास्तव में 21वीं सदी में मानवता के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। यह एक जनसांख्यिकीय अनिवार्य है, जिसमें दुनिया भर में सामाजिक - आर्थिक और राजनीतिक परिणाम है। इस घटना से निपटने के लिए हमारे जीवन और पीछले सालों में हमारे भविष्य की पीढ़ी को सुरक्षित रखने के लिए सामूहिक दृष्टिकोण होना चाहिए।
- तेज़ी से क्षेत्र सर्वेक्षण के माध्यम से एमएनआरईजीए कार्यान्वयन के प्रमाणन के बारे में व्यवहार विज्ञान के वैज्ञानिकों द्वारा चर्चा किए गए।
- विकास मनोविज्ञान के क्षेत्र में अधिक शोध किया जाना चाहिए क्योंकि इससे समस्या सुलझाने, नैतिक समझ, वैचारिक समझ, भाषा अधिग्रहण, सामाजिक, व्यक्तित्व भावनात्मक विकास, स्वयं अवधारणा और पहचान निर्माण में लोगों के कौशल में वृद्धि होगी। इसे आर्थिक विकास पर एक ही ध्यान केंद्रित करने के लिए एक वैकल्पिक दृष्टिकोण के रूप में माना जा सकता है, और सामाजिक न्याय पर और प्रगति को समझने के एक तरीके के रूप में अधिक ध्यान केंद्रित किया जा सकता है।
- विद्वानों ने यह भी पाया कि जातीय परिवर्तनशीलता (जैविक और सांस्कृतिक दोनों) और इसके कारणों का अध्ययन आवश्यक है। यह राष्ट्रीय सद्भाव, सामाजिक न्याय और शांति लाने में मदद करेगा।

पृथ्वीतंत्र विज्ञान

- महासागर संसाधनों को ताकत और स्मार्ट शहरों में रोजगार की ज़रूरत है।
- प्राकृतिक खतरों को केंद्रित किया जाना चाहिए।
- पृथ्वी प्रणाली शिक्षाविद।
- भू-नैतिकता को ध्यान में रखा जाना चाहिए।
- परमाणु कचरे को स्थापित करने के लिए अधिक से अधिक शक्ति की ज़रूरत है (परमाणु ऊर्जा) को ध्यान में रखा जाना चाहिए।
- भू-स्थानिक मानचित्रों में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को ध्यान में रखा जाना चाहिए।
- सामाजिक आवश्यकताओं के साथ संबंध।
- खनिज संसाधनों को अध्ययन करने की आवश्यकता है - लाभ टॉपिंग।
- प्राकृतिक खतरों की जांच की जानी चाहिए - स्थायी विकास।
- रिमोट सेंसिंग एप्लिकेशन पर समर्पित अनुभाग।

अभियांत्रिकी विज्ञान

- ताज़ा स्नातक इंजीनियरों, वैज्ञानिकों को अनुसंधान एवं विकास कार्य के साथ-साथ शिक्षण संकाय के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।
- पारित छात्रों के लिए बेरोजगारी को कम करने के लिए शिक्षा और उद्योग के बीच अच्छा इंटरैक्टिव तंत्र होना चाहिए।
- शिक्षा के स्तर को उन्नत करने के लिए इंजीनियरिंग कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ संकायों की अच्छी संख्या प्रदान की जानी चाहिए।
- भविष्य में चुनौतियों का सामना करने के लिए अनुशासन बुद्धिमान इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम को समय-समय पर अद्यतन किया जाना चाहिए।
- इंजीनियरों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में सुधार, अपग्रेड किया जाना चाहिए, ताकि वे खुद को उभरती हुई प्रौद्योगिकियों का अनुकूलन कर सकें।
- शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के साथ-साथ नए इंजीनियर वैज्ञानिकों के लिए रोजगार के अवसर बनाने के लिए संकाय सदस्यों के अच्छे औद्योगिक प्रदर्शन होने चाहिए।
- इंजीनियरों और वैज्ञानिकों को एक सामंजस्य में काम करना चाहिए, ताकि वैज्ञानिकों द्वारा नवाचार को बड़े पैमाने पर समाज के लिए उपयोगी बनाने के लिए इंजीनियरों द्वारा लाभान्वित और उपयोग किया जा सकें।
- मेट्रोपॉलिटन शहरों का माइक्रोजोनिंग प्राथमिकता के साथ लिया जाना चाहिए। आलोचकों के मुद्दों को सुलझाने के लिए भूकंप के कारण आपदा को कम करने में इंजीनियरों और वैज्ञानिकों को आगे आना चाहिए।

- भारत सरकार के बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिया गया। हमें महत्वपूर्ण मुद्दों और सुरक्षा लेना चाहिए।

पर्यावरण विज्ञान

- स्वदेशी ज्ञान आधारित प्राकृतिक संसाधनों पर विशेष जोर देने के साथ हिमालय क्षेत्र की जैव विविधता पर राष्ट्रीय सर्वेक्षण और पश्चिमी घाट (जिसमें माइक्रोफिजिक्स बीजीए) शामिल हैं, अनजान और अनरिकॉर्ड किए गए प्राकृतिक संसाधन को समझने के लिए किया जाना चाहिए।
- प्रदूषण को कम करने के लिए और बेहतर आजीविका प्रदान करने के लिए पर्यावरण प्रदूषण (अकार्बनिक और कार्बनिक) का आकलन और निगरानी करने के लिए एक अखिल भारतीय समन्वित कार्यक्रम किया जाना चाहिए।

सूचना एवं संचार विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी (कंप्यूटर साइंस सहित)

- विभिन्न प्रौद्योगिकियों के प्रसार, सॉफ्टवेयर की बढ़ती जटिलता और अधिक उन्नत व्यवसाय, आर्थिक, विन्तीय मॉडल के साथ मिलकर एक व्यापक जटिल और नेटवर्क वाले मुद्दों को जन्म दिया है। वैज्ञानिक खोजों और नवाचारों ने नई प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए लोगों के जीवन को बदलने और जीवित चीजों के नए तरीके बदलने के लिए नये उत्पादों, समाधानों और सेवाओं के विकास के लिए नए ज्ञान के आधार तैयार किए। इन्हें निरंतर जारी रखना चाहिए।
- वास्तविक डिजिटल समाज के लिए, हमारे जैसे देश के लिए उपयुक्त, निर्माण, एकीकरण और नई संस्कृति के आधार को गोद लेने का गठन किया जाना है।
- कंप्यूटर और आईटी शिक्षा जिसमें इतिहास और उसका असर भी शामिल हैं, उसे विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और समय-समय पर प्रदान किए गए अन्य पाठ्यक्रमों का एक हिस्सा बनना होगा। घटनाओं, व्यक्तिगत सूचना इत्यादि सहित संपूर्ण डेटाबेस तैयार किए जाने चाहिए। विश्वविद्यालय, प्रमुख संस्थान आदि के साथ-साथ पेशेवर समितियाँ जैसे आईएससीए, भारतीय कंप्यूटर समाज (सीएसआई) एनएसएस कॉम, आईईटीई आदि और भी एनआईईएलआईटी, सभी स्तरों पर इस प्रक्रिया में शामिल होनी चाहिए ताकि देशभर में परियोजना के भाग के रूप में सरकारों का समर्थन किया जा सके।
- कुछ विशिष्ट क्षेत्र जैसे दवा - दोनों ही निदान, रोग नियंत्रण और इलाज को अच्छी तरह से वित्त पोषित किया जाना चाहिए, और बाद में प्रसारित किया जाना चाहिए और समाज की भलाई के लिए विश्लेषण कठोर विश्लेषण और महत्वपूर्ण ध्यान देने के लिए चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स को उपभोक्ताओं के एक बड़े खंड के लिए अपनी क्षमता को ध्यान में रखते हुए देने की आवश्यकता है।
- संज्ञानात्मक कंप्यूटिंग, कृत्रिम बुद्धि, अभिलेखीय, खोज, भविष्य कहनेवाला विश्लेषिकी और अनुदेशात्मक विश्लेषिकी - जिसमें बड़े डेटा और इंटरनेट को शामिल किया जा रहा है, को सतत आधार पर अच्छी तरह से वित्त पोषित परियोजनाओं के साथ अध्ययन और प्रयोग करना चाहिए।
- स्मार्ट शहरों जैसे स्मार्ट गाँव, दिन का क्रम है विशेष और उपयुक्त ढांचागत डिज़ाइन और कुशल श्रमसान्ति के साथ लंबे समय तक आवेदन पूरे देश में अलग-अलग स्तरों पर पहचाना जा सकता है, खासकर अगली पीढ़ियों में।

- आईटी को एक सुविधा और एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करना चाहिए, साथ ही आने वाले दशक में 'सभी के लिए शिक्षा' प्रदान करना चाहिए। वर्तमान अकादमी संचालित शिक्षा से परिवर्तन के लिए भावी नागरिक संचालित शिक्षा की आवश्यकता है।
- लोकप्रिय सोशल नेटवर्किंग साइटों के साथ सभी नेटवर्कों पर विचार करने वाले कंप्यूटर, मोबाइल, टीवी के उपयोग के निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और उस पर कार्य करना चाहिए। इस आशय के कानून और सुरक्षा तंत्र, खासकर कनेक्टिविटी को मजबूत किया जाना चाहिए।

पदार्थ विज्ञान

- रक्षा वैमानिकीय अनुप्रयोगों के लिए उन्नत पॉलीमर एलिस्टोमेटिक पॉलिमर मैट्रिक्स कम्पोजिट सामग्री का विकास।
- हरे और स्वच्छ ऊर्जा अनुप्रयोगों के लिए नैनो सामग्री और उपकरण।
- बायोमेडिकल अनुप्रयोगों के लिए बहुलक हाईड्रजेल सामग्री
- जहरीले रसायनों का पता लगाने के लिए संवेदक सामग्री।
- ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोगों के लिए चैलकोजेनाइड और चैलकोपाइराइट्स।

गणितशास्त्र (सांख्यिकी सहित)

- एक विशिष्ट संगोष्ठी "राष्ट्रीय विकास में गणित की भूमिका" का आयोजन 4 जनवरी, 2017 को आईएससीए सम्मेलन, 2017 के विषय को संबोधित करने के लिए किया गया था। यह तीन प्रतिष्ठित भारतीय गणितज्ञों द्वारा संबोधित किया गया, जिन्होंने विभिन्न स्तरों के गणित शिक्षा की बेहद शुरुआत की है। बैठक में पूरे देश के 100 से अधिक गणितज्ञों ने भाग लिया था। यह भी एक बहुत ही जीवंत चर्चा सत्र था। यह दृढ़ता से अनुशंसा की जाती है कि गणित के पाठ्यक्रम को स्कूल और कॉलेज स्तर सहित सभी स्तरों पर पुनर्गठित किया जाना चाहिए, ताकि देश के प्रत्येक नागरिक को बुनियादी गणित शिक्षा प्रदान करने के लिए एक बहुत ही अच्छी तरह से परिभाषित पद्धति का पालन किया जा सके। भारतीय विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों में गणित और संबंधित क्षेत्रों में पर्याप्त शोध भी शामिल हैं। यह विभिन्न शोधों, जैविक अध्ययन, पर्यावरण अध्ययन और सामाजिक विज्ञान के अध्ययन जैसे विभिन्न विषयों में गणित के अनुप्रयोगों को संबोधित करने वाले प्रचार अनुसंधान के अतिरिक्त होना चाहिए।

आयुर्विज्ञान (शरीरक्रिया विज्ञान सहित)

- शरीर विज्ञान के विषय को बढ़ावा देने के लिए भारत के शारीरिक सर्वेक्षण की आवश्यकता है।
- अधिक काम करने के लिए तेजी से अलग प्राकृतिक प्रो किया जाना चाहिए।

नवजीव विज्ञान (जैव रसायन, जैव भौतिकी और आण्विक जैविकी एवं जैव प्रौद्योगिकी सहित)

- नया जीव विज्ञान डोमेन ज्ञान तेजी से बढ़ रहा है। संबंधित क्षेत्र में स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों पाठ्यक्रमों के लिए छात्रों को एक गतिशील पाठ्यक्रम के संपर्क में होना चाहिए। छात्रों के व्यावहारिक अनुभव और प्रशिक्षण के लिए अधिक महत्व दिया जाना चाहिए। डीएसटी/डीबीटी/सीएसआईआर समर्थित फंडों को दूरस्थ क्षेत्रों के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों तक पहुँचाना होगा जो इस क्षेत्र में मानव संसाधनों को बनाने में मदद करेंगे।
- अनुसंधान और ध्यान दोनों बुनियादी और व्यावहारिक अनुसंधान के लिए दिया जाना चाहिए।
- सीमा कम शिक्षा और सहयोगी अनुसंधान के लिए लागू किए जाने वाले नए दृष्टिकोण।
- मूल प्रशिक्षण को अधिक जिज्ञासु दिमाग कार पालन करना चाहिए और नवाचार को और अधिक प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
- रासायनिक जीव विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान, रासायनिक आनुवंशिकी को दवा की खोज को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना है।
- जैविक विविधता की बनाए रखने के लिए कुपोषण, गरीबी और चुनौतियों से बाहर आने में मदद करने के लिए स्वास्थ्य और खाद्य उत्पादन से संबंधित अनुसंधान पर जोर दिया जाना चाहिए।

भौतिक विज्ञान

- दूरदराज के क्षेत्रों में स्थित राज्य विश्वविद्यालय में भौतिकी शिक्षा, विश्वविद्यालयों में स्नातक और स्नाकोत्तर स्तरों पर दूरस्थ शिक्षा के लिए तत्काल और गंभीर जोर दिया जाना चाहिए।
- इलेक्ट्रो-ऑप्टिक अनुप्रयोगों के लिए सामग्री के विकास के लिए गहन शोध आवश्यक है।
- प्रदर्शन, इमेजिंग और हल्का अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त ननोमेटेरियल्स का विकास।
- ग्राफिन क्वांटम डॉट ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक और फोटोवोल्टिक अनुप्रयोग के लिए बहुलक का आयोजन किया गया है।
- विभिन्न पर्यावरणीय कार्बनिक पॉलिमर के खनिजकरण के लिए विद्युत और फोटो-उत्प्रेरक प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगों का विस्तार किया जाना चाहिए।
- भौतिक विज्ञान के विभिन्न विषयों में गुणवत्ता और त्वरित अनुसंधान की आवश्यकता है। बहुआयामी अनुसंधान के लिए उचित ध्यान दिया जाना चाहिए।
- तकनीकी विकास और रासायनिक, जैविक, चिकित्सा विज्ञान में तरल क्रिस्टल के महत्व को ध्यान में रखते हुए : इसे ग्रे क्षेत्र में उचित ध्यान दिया जाना चाहिए।

पादप विज्ञान

- अब तक अछूता वाले पौधों, खासकर मातम और नीचले पौधों (शैवाल, ब्रायोफाइट्स और टेरीडोफाइट्स) से फ्यायटोमेडीसीन के नए वैकल्पिक स्रोतों का पता लगाया जाना चाहिए और गुणा किया जाना चाहिए।
- औषधीय यौगिकों या व्यावसायिक महत्व के यौगिकों (बायोपरस्पेक्टिंग) (दवा, न्यूट्रासिटिकल, औद्योगिक एंजाइम, डाईज आदि) को ध्यान से संभावित स्रोतों से या सिंथेटिक जीव विज्ञान के उपयोग के माध्यम से किया जाना चाहिए।
- फसलों के सुधार के लिए बायोफर्टीलाइजर्स और बायोकंट्रोल एजेंटों का विकास
- पौधों और फाइटोप्लेन्करटनों की स्क्रीनिंग सी - सिक्विसट्रेशन के लिए, जैव ईंधन विकास और कार्बन क्रेडिट को कम करना।
- फाइटोमाईनिंग, फाइटोएक्स्ट्राक्शन फाइटोस्टेबाइलाइजेशन वॉलेटटाइजेशन और उनके उचित निपटान या बैक्टीरियल डिग्रेडेशन के माध्यम से भारी धातु प्रदूषण की फाइटोरेमिडियेशन।
- विकास और जैवप्लास्टिक की लोकप्रियता
- हमारे पारंपरिक, खेती या जैवप्रतियुक्त हर्बल संपदा की रक्षा के लिए सीएसआईआर के डिजिटल डाटाबेस में सभी नए यौगिकों, पौधों और प्रौद्योगिकी को दर्जा किया जाना चाहिए।

अन्य कार्यकलाप

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था - शाखा

1962-1963 से इस संस्था ने भारत के विभिन्न केन्द्रों के द्वारा लोकप्रिय विज्ञान संबंधी व्याख्यानों का आयोजन करना प्रारंभ किया। इस परियोजना ने सृजनात्मक कार्य द्वारा विज्ञान को लोकप्रियता एवं विकास की गतिशीलता का वर्ष भर बनाये रखा। 1985-1986 पर्यंत देश के सतरह केन्द्रों तक व्याख्यानों का क्रम जारी रहा। क्षेत्रीय ध्यायों जिसका निर्माण 1986-1987 में हुआ उसके साथ ही इनके क्रियाकलापों की पुनर्संरचना की गई।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था का प्रमुख लक्ष्य है लोगों में वैज्ञानिक कि आस्था का संचार करना और युवा वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करना ताकि वे महत्वपूर्ण मौलिक, प्रायोगिक एवं क्रियाशीलकार्यों से संबंधित कार्यक्रमों में संलग्न होकर तीव्रगति से विकसित हो सकें। इन लक्ष्यों को दृष्टिकोण में रखते हुए भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था ने भारत के विभिन्न स्थानों पर 1986-1987 से नये अध्यायों को प्रारंभ किया। अभी भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के 24 अध्याय इन स्थानों पर लागू किए गए, यथा इलाहाबाद, अमरावती, बंगलूरु, बड़ोदा, भोपाल, भुवनेश्वर, कोचीन, चेन्नई, कोयम्बटूर, दिल्ली, हरिद्वार, हैदराबाद, इम्फाल, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, कुरुक्षेत्र, पटियाला, पटना, सागर, पांडिचेरी, श्रीनगर और तिरुपति।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था शाखाओं का मुख्य आकर्षण (2016-2017)

फोकल थीम राष्ट्रीय विकास में विकास और प्रौद्योगिकी

इलाहाबाद शाखा

संयोजक : डॉ॰ आई. आर. सिद्दीकी

11 से 13 फरवरी, 2017 के बीच फोकल विषय पर एक तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विज्ञान दिवस अर्थात् 28 फरवरी 2017 को यूजी और पीजी छात्रों द्वारा विशेष रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विषय पर बहस के रूप में मनाया गया। आमंत्रित वार्ता 26 मार्च 2017 को पोस्टर प्रस्तुति, वैज्ञानिक मॉडल प्रस्तुति और विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने के लिए स्थानीय वैज्ञानिकों द्वारा वार्ता सहित एक विज्ञान प्रदर्शनी एम आर एस स्कूल और कॉलेज, पटेल नगर, झोनसी, इलाहाबाद में आयोजित की गई थी।

बैंगलोर शाखा

संयोजक : डॉ॰ एस. रामकृष्ण

जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जैन विश्वविद्यालय के साथ मिलकर तीन दिन राष्ट्रीय विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय सम्मेलन स्वास्थ्य, पर्यावरण और कृषि का आयोजन किया गया। जीवन विज्ञान के प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों की अध्यक्षता में एक मुख्य भाषण, छह पूर्ण व्याख्यान, 34 शोध पत्र और 63 पोस्टर प्रस्तुत किये गए। आदर्श विकास और सूचना प्रौद्योगिकी के सहयोग से दो दिवसीय राष्ट्रीय विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-सामाजिक, मोबाइल विश्लेषिकी और बादल का आयोजन किया गया। 144 पवर्ण पत्र प्राप्त किए गए और 200 से अधिक लेखकों ने योगदान दिया, 60 शोध पत्रों का और 64 पोस्टर प्रस्तुत किए गए। "विज्ञान और समाज" पर एक दिवसीय व्याख्यान कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें अनजान वैज्ञानिक व्याख्यान शामिल थे। 28 फरवरी 2017 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की स्मृति में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें आमंत्रित व्याख्यान शामिल थे।

बड़ोदा शाखा

संयोजक : प्रो० (श्रीमती) जी. संध्या किरण

2016-2017 में शैक्षणिक वर्ष में दो कार्यशालाएँ, एक संगोष्ठी, दो प्रतियोगिताएँ और एक व्याख्यान आयोजित किया गया। 'जी सी और एच पी एल सी' पर प्रशिक्षण देने पर इन महत्वपूर्ण विश्लेषणात्मक तकनीको में प्रशिक्षण छात्रों के प्रशिक्षण के लिए आयोजित किया गया था। शाखा सफलतापूर्वक विश्व अंतरिक्ष सप्ताह - 2016 मनाया और रिमोट सेंसिंग हमारे भविष्य को सक्षम करने पर राष्ट्रीय साझेदारी का आयोजन किया गया, जो कि अंतरिक्ष सप्ताह के एक भाग के रूप में है। ISCA-(BC) ने भी रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें बी एस सी और एम एस सी के छात्र शामिल थे। वनस्पति विज्ञान विभाग के कार्यक्रम ने भाग लिया और सुंदर रंगोली तैयार की। अंतः विषय अनुसंधान करने के लिए युवा शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने के लिए शाखा द्वारा विज्ञान सम्मेलन - 2017 का आयोजन किया गया। 8 मार्च को यानी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस शाखा के अनुसार महिलाओं के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के द्वारा पूर्ण स्वास्थ्य सुधार के लिए नैसर्गिकता और योग का अभिविन्यास और व्याख्यान प्रतियोगिता आयोजित की गई। अलग-अलग छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2017 में वैज्ञानिक व्यावसायिक तकनीक के प्रति संपर्क और अलग-अलग विकलांग व्यक्तियों के लिए वनस्पति उद्यान के दौरों पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

भुवनेश्वर शाखा

संयोजक : डॉ० काजल परासर

KIIT विश्वविद्यालय के सहयोग से 12वें और 13वें दिसंबर 2016 को फोकल विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। निदेशक अंतरिक्ष आवेदन केन्द्र, यादवपुर विश्वविद्यालय के पूर्व उप-कुलपति और KIIT विश्वविद्यालय और उत्कल विश्वविद्यालय के उप-कुलपति उपस्थित थे। दो दिनों के संगोष्ठी में तीन सौ से अधिक प्रतिभागियों को उनके वैज्ञानिक कार्यों के लिए प्रस्तुत किया गया। KIIT विश्वविद्यालय के सहयोग से विशेष रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी थीम पर 28 फरवरी 2017 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में प्रो० अच्युत सामंत, संस्थापक KIIT और KISS और महाध्यक्ष ISCA उपस्थित थे। पद्मश्री डॉ० सुब्रत आचार्य, प्रतिकुलाधिपति KIIT विश्वविद्यालय, प्रोफेसर क्रिस्टोफर, डब्ल्यू बायलॉस्की, प्रोफेसर रसायन विज्ञान विभाग, अल्सन राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, दक्षिण कोरिया, प्रोफेसर कुमार देवदत्ता, सहयोगी प्राध्यापक, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग स्कूल, KIIT विश्वविद्यालय। इस अवसर पर सात मुग्ध नवोन्मेषी विद्यार्थियों को ओडिशा के विभिन्न स्कूलों के लिए सम्मानित किया गया है जिन्हें डॉ० ए पी जे कलाम इग्नेशन पुरस्कार से गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सम्मानित किया गया है।

चेन्नई शाखा

संयोजक : प्रो० सी. मुथामिज्चेलवन

1 दिवसीय कार्यशालाएं 9 सेमिनार आयोजित किए गए और विज्ञान एवं विकास पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन मानव मूलभूत अधिकारों (एच एफ आर) के पारंपरिक बाधाओं जैसे लिंग इक्विटी मुद्दे, रुढ़िवादी परामर्श की कमी, सामाजिक - सांस्कृतिक अंतर (अनैतिक संकेल), स्वास्थ्य स्वच्छता के मुद्दों, अंतर्निहित बाधाओं के साथ-साथ महिला के

नैतिक जिम्मेदारियों के साथ कार्यस्थलों को एक दिवसीय महिला सक्तिकरण कार्यक्रम के माध्यम से महत्वपूर्ण रूप से संबोधित किया गया था। फोकल विषय के एक भाग के रूप में चेन्नई के शाखा को स्कूल के बच्चों के लिए हिंदी निबंध प्रतियोगिता जैसे विशेष कार्यक्रमों का संचालन करने के लिए समर्पित किया गया है और स्वदेशी विकास के पुनरुद्धार और टिकाऊ जलीय कृषि और परिपत्र अर्थव्यवस्था के नवीनतम विकास के माध्यम से दो ज्ञान संचार को नामांकित किया गया है। ग्रामीण बच्चों को स्कूली बच्चों पर विशेष ध्यान देने के साथ (ग्रामीण शिक्षा उपलब्धि कार्यक्रम REAP के रूप में नामित) तीन दिवसीय सम्मेलन ने चिकित्सकों की बड़ी संख्या को आकर्षित किया और विभिन्न विषयगत व्याख्यानों, व्याख्यान, वायु रॉकेट्री (अंतरिक्ष) कार्यशाला, विज्ञान मोबाइल एक्सप्रेस गतिविधियों, हाथों से सीखने के प्रदर्शन Google मानचित्रों को अंजाम देने के लिए आमंत्रित किया। परंपरागत और उन्नत चिकित्सा निदान के प्रभावों के लिए गैर-सरकारी संगठन आधारित पर्यावरण शिविर (कला पर हरा) के रूप में जाना जाता है, जो कि लोहे की कमी, विशेष रूप से ग्रामीण लड़कियों तक जागरूकता बढ़ाने के साथ सहयोग की घटनाओं का स्वाद, भू-सूचना विज्ञान (भौगोलिक स्थिति सूचना प्रणाली) क्लीनर वातावरण के लिए विशेष रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए वैज्ञानिक लाभों को लोकप्रिय बनाने के लिए प्रेरित बायोनिक सिस्टम के माध्यम से महत्वपूर्ण रूप से बल दिया गया था।

कोचीन शाखा

संयोजक : प्रो० डॉ० के. व्ही. जयचन्द्रन

25 और 27 अक्टूबर 2016 को केयूएफओएस में आयोजित फोकल विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 20.09.2016 को केरल विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी - क्रस्टासियन अनुसंधान में प्रगति 21वीं से 23.09.2016 के दौरान क्रस्टासा की वर्गीकरण गुणवत्ता, खाद्य सुरक्षा और उत्पादकता पर कार्यशाला राष्ट्रीय कार्यक्रम इंटरैक्टिव सेमिनार में केरल के विशेष संदर्भ के साथ भारत में प्रोटीन सुरक्षा और आजीविका में सुधार के लिए ग्रामीण जलसंवर्धन को बढ़ावा देने पर केयूएफओएस पर 04.07.2016 को आयोजित किया गया। 21.05.2016 को केयूएफओएस में मछली प्रवासन दिवस पर लिकिंग बैरेज और फिश माइग्रेशन लिक करने पर पैनल चर्चा और इंटरैक्टिव सेमिनार, कंडल (मैंग्रोव) पर जागरूकता कार्यक्रम के साथ मैंग्रोव महोत्सव 16.11.2016 को केयूएफओएस में, 18.01.2017 को एफएमएन कॉलेज में क्रस्टेशियन टैक्सोनोमिस्ट पर क्षमता निर्माण पर एक दिवसीय कार्यशाला, 20.01.2017 को यूनिवर्सिटी कॉलेज में विज्ञान जागरूकता कार्यक्रम सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय, त्रिचूर जिला, केरल राज्य में 30.01.2017 को एमएसएम कॉलेज कयामकुलाम में, 02.02.2017 को एसईईडी चेरथला में स्कूली बच्चों के लिए, 26.02.2017 को स्कूल में बच्चों के लिए जागरूकता कार्यक्रम 03.03.2017 को, उच्च माध्यमिक विद्यालय, कदमक्कुडी एर्नाकुलम जिला में 29.03.2017 में सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय नजराक्कल, एरनाकुलम जिला में 19.03.17 में SEED कार्यालय, चेरथला में किसानों के लिए 20.03.2017 को 'जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण' पर श्री नारायण महाविद्यालय चेरथला में 12.03.2017 को विज्ञान के लोकप्रिय कार्यक्रम पर यूसी महाविद्यालय, अलयूपुझा में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह के भाग के रूप में अलग तरह से विकलांग लोगों के बारे में जागरूकता कक्षा 3-7.01.2017 के दौरान तिरुपति में भारतीय विज्ञान कांग्रेस के विज्ञान संचारक सम्मेलन में दो उम्मीदवारों को चयनित किया गया।

कोयम्बटूर शाखा

संयोजक : श्रीमती सी. ए. वासुकी

21.06.2017 को कोन्गुनाडू कला और विज्ञान कॉलेज परिसर में 452 सदस्यों की भागीदारी के साथ मनाया गया, 31.07.2016 को आदिवासी जनजातीय लोगों के लिए कोवी मेडिकल सेंटर अस्पताल के साथ निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। 06.10.16 को पर्यावरण सुरक्षा के लिए हरी पारिस्थितिकी पर राष्ट्रीय स्तर के संगोष्ठी 22 और 23 दिसम्बर 2016 को शुद्ध और व्यावहारिक गणित में वर्तमान परिदृश्य पर सम्मेलन, 15.02.2017 को बुनियादी विज्ञान में अनुसंधान और विशेष व्याख्यान 21.12.2016 को घरेलू उपचार के माध्यम से एनीमिया और कुपोषण प्रबंधन पर आयोजित किया गया। हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता 15.10.2016 को फोकल थीम पर आयोजित

की गई, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस को 14.02.2017 को झाड़ंग प्रतियोगिता आयोजित करके, क्विज प्रतियोगिता 16.02.2017 को आधुनिक चिकित्सा में वैज्ञानिक उन्नति पर संगोष्ठी से मनाया गया और 28 जनवरी और 2 मार्च, 2017 में कोंगुनाडु आर्ट्स और साइंस कॉलेज में प्रदर्शनी और चार एक दिवसीय सेमिनार जैसे युवा नेतृत्व और सामुदायिक विकास पर प्रशिक्षण में कैरियर मार्गदर्शन पर भारत में टिकाऊ विकास के लिए हरी रसायन विज्ञान जैविक विज्ञानों में अवसर और चुनौतियाँ और स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीक और उसके अनुप्रयोगों में उन्नत विकास का आयोजन किया गया। संबंधित क्षेत्र में प्रख्यात विशेषज्ञ वैज्ञानिक, विभिन्न उपर्युक्त कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य करते हैं।

दिल्ली शाखा

संयोजक : डॉ० सलील गुप्ता

इंजीनियर्स दिवस को प्रोफेसर पी. बी. शर्मा, वी सी एमिटी विश्वविद्यालय, गुड़गाँव, मुख्य अतिथि ने आईएससीए के सदस्यों के लिए आयोजित इंजीनियर दिवस पर मुख्य भाषण दिए। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पोस्टर प्रतियोगिता पर और विकलांग छात्रों पर वैज्ञानिकों द्वारा एक श्रृंखला व्याख्यान हंसराज कॉलेज और एनसीडब्ल्यूईबी के साथ मिलकर आयोजित किया गया था। आईएससीए ने जीतने वाली प्रविष्टियों को पुरस्कार प्रदान किया। जागरुकता अभियानों में कैंसर और आरओकेओ गैर-सरकारी संगठनों के लिए कैंसर और जागरुकता अभियान शामिल हैं।

50 से ज्यादा महिलाएं पंजीकृत, स्वास्थ्य और स्वच्छता और गैर-तंबाकू जागरुकता अभियान व्याख्यान और पोस्टर प्रतियोगिताएँ स्कूली बच्चों के बीच किया गया। आईएससीए ने जीतने वाली प्रविष्टियों को पुरस्कार प्रदान किया, प्रदूषण नियंत्रण और वायु गुणवत्ता माप जागरुकता अभियान, जो अंतर-स्कूल पोस्टर, एवी क्लिप, स्कीट इत्यादि प्रतियोगिता में परिणित हुए। आईएससीए ने जीतने वाले स्कूलों को पुरस्कार दिए।

हरिद्वार शाखा

संयोजक : प्रो० (डॉ०) रजनीश दत्त कौशिक

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को आईएससीए द्वारा मनाया गया हरिद्वार शाखा ने योग विभाग के सहयोग से, गुरुकुल कांगरी विश्वविद्यालय, 21 जून, 2016 सुबह 6.45 बजे से मनाया। लगभग 300 लोगों ने भाग लिया। हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता 25.09.2016 को सुबह 11.00 बजे रसायन शास्त्र, गुरुकुल कांगरी विश्वविद्यालय, हरिद्वार में आयोजित की गई थी। दोनों श्रेणी I और II दोनों के दो उम्मीदवारों का चयन किया गया। विज्ञान संचारक का चयन 14 अक्टूबर 2017 को 2 बजे रसायन विज्ञान विभाग, गुरुकुल कांगरी विश्वविद्यालय, हरिद्वार में किया गया था। दो उम्मीदवारों का चयन किया गया और उनके नाम आईएससीए मुख्यालय को भेज दिए गए। शाखा ने पीछले वर्ष अपनाये गाँव में शौचालय, बाथरूम और अन्य कार्यों का ख्याल रखा था। 20-22 नवम्बर, 2016 को राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर "विशेष रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी" विषय पर पोस्टर प्रदर्शनी, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के संकाय, गुरुकुल कांगरी विश्वविद्यालय, हरिद्वार (उत्तराखंड) में 28 फरवरी, 2017 में 11 बजे से आयोजित किया गया था। वर्ष के दौरान विज्ञान के कारणों के प्रसार के लिए 11 आमंत्रित वैज्ञानिक वार्ताएं आयोजित की गईं।

जयपुर शाखा

संयोजक : डॉ० पायल लोधा

पृथ्वी दिवस, राष्ट्रीय शिक्षा दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस, विश्व स्वास्थ्य दिवस, छात्र दिवस, महिला दिवस, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। "पर्यावरण चुनौतियाँ, मानव स्वास्थ्य और समाज" पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 29-30 अगस्त 2016 में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में आयोजित किया गया। फोकल विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 16-17 वें सितम्बर 2016 में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में मनाया गया। "पर्यावरण जागरुकता संरक्षण और नई चुनौतियाँ" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 3 से 4 फरवरी, 2017 सेंट विल्फ्रेड्स पी जी कॉलेज, जयपुर, राजस्थान में आयोजित किए गए इंटरैक्टिव सत्र पर विज्ञान जागरुकता कार्यक्रम सामान्य स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर भारत और दुनिया के स्कूल विज्ञान से जुड़े वर्तमान मामलों और पोद्दार वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बापू नगर, जयपुर में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, जयपुर के विभिन्न भागों में सरकारी स्कूलों में प्रदूषण, पर्यावरण और स्वास्थ्य से संबंधित व्याख्यान।

कानपुर शाखा

संयोजक डॉ० (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना

जीव विज्ञान विभाग में इंटरकॉलेजेट हिन्दी निबंध प्रतियोगिता फोकल विषय पर आयोजित की गई, जहाँ साल स्कूलों और छह पद स्नातक महाविद्यालयों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 22.09.2016 को श्री कैलाशनाथ बालिका विद्यालय में आयोजित की गई थी, जहाँ आठ अंतर कॉलेजों ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था, इस विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता 30.09.2016 को आयोजित किया गया जिसमें विभिन्न डिग्री और स्नाकोत्तर महाविद्यालयों के छात्रों की बड़ी संख्या ने भाग लिया। विज्ञान दिवस को 28 फरवरी, 2017 को कुमारी उदयन लड़कियों इंटर कॉलेज, अशोक नगर, कानपुर जहाँ आठ महाविद्यालयों ने अंतर - कॉलेजिएट प्रतियोगिताओं में भाग लिया, दो दिन के संगोष्ठी का आयोजन 29.09.2016 से 30.09.2016 दयानंद ब्रजेन्द्र स्वरूप कॉलेज (डीबीएस) कानपुर में किया गया। पूर्व कुलपति एस. व्ही विश्वविद्यालय और पूर्व महाध्यक्ष, ISCA प्रो० रामामूर्ति सत्र की अध्यक्षता किए। मुख्य अतिथि श्रीमती कुमकुम स्वरूप ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और सम्मानित अतिथि श्रीमान गौरवेन्द्र स्वरूप ने श्री माननेन्द्र स्वरूप, सम्मानित अतिथि के स्मारक का विमोचन किया। तत्काल ISCA के पूर्व महाध्यक्ष डॉ० अशोक कुमार सक्सेना, डॉ० मनोज के चक्रवर्ती, महाध्यक्ष (निर्वाचित) और निवेदिता चक्रवर्ती (चुनाव आयोग के सदस्य) और प्रो० संतोष कुमार, पूर्व कुलपति, बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, श्री महेन्द्र पति, जीएम, टेलीफोन, कानपुर, प्रोफेसर गंगाधर, महासचिव, प्रोफेसर अरुण कुमार, पूर्व महासचिव (वैज्ञानिक गतिविधियों), प्रोफेसर रामकृष्ण, (बैंगलोर विश्वविद्यालय और ISCA के चुनाव आयोग सदस्य) डॉ० अरुण पाण्डेय, सहायक कार्यकारी सचिव ISCA उपस्थित थे। आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार दिए गए थे।

कोलकाता शाखा

संयोजक : प्रो० अनंग मोहन चन्द्र

विश्व पर्यावरण दिवस जून 7, 2016 को मनाया गया था जहाँ प्रोफेसर गौतम पाल, विज्ञान के डीन संकाय, कल्याणी विश्वविद्यालय ने पर्यावरण संबंधी समस्याओं के हाल के पहलुओं पर व्याख्यान दिया। विश्व योग दिवस 22 जून, 2016 का ISCA (मुख्यालय) के सभागार में मनाया गया। वक्ता डॉ० उदयशंकर राय, वैज्ञानिक (सेवानिवृत्त), रक्षा संस्थान के शरीर विज्ञान और संबद्ध विज्ञान, DRDO, दिल्ली थे। चिकित्सक दिवस 1 जुलाई, 2016 को ISCA (मुख्यालय) के सभागार में मनाया गया। ग्रामीण विद्यालयों में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन 26 अगस्त, 2016 को पनिपारुल मुक्तेश्वर हाई स्कूल (एच.एस.) पूर्व मेदिनीपुर में फोकल विषय पर और 11 मार्च, 2017 को रामानंद कॉलेज, विष्णुपुर, बाँकुड़ा में एक अन्य ग्रामीण कॉलेज में आयोजित किया गया। राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी 10-12 नवंबर 2016 को दार्जिलिंग में आर जे रिसोर्ट के सम्मेलन हॉल में और एशियाई अध्ययन के लिए नेताजी इंस्टीट्यूट में, फोकल थीम पर कार्सियांग में मनाया गया। संगोष्ठी में ISCA के कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया था, जैसा कि डॉ० एम. के. चक्रवर्ती, पूर्व महासचिव, ISCA, डॉ० निवेदिता चक्रवर्ती, सदस्य कार्यकारी समिति और अन्य प्राध्यापक ए. एम. चन्द्र ने स्वागत किया, प्रोफेसर आर. राममूर्ति, पूर्व महाध्यक्ष, ISCA ने संगोष्ठी की अध्यक्षता की। प्रोफेसर एच. पी. तिवारी, पूर्व महासचिव, ISCA और प्रो० गंगाधर, महासचिव (सदस्यता कार्य), ISCA, डॉ० अरुण कुमार, पूर्व महासचिव, ISCA ने फोकल थीम पर भाषण दिया। इसके अलावा, 21 अगस्त, 2016 को कलकत्ता विश्वविद्यालय के शरीर क्रिया विज्ञान विभाग ने विज्ञान संचारक सम्मेलन का आयोजन किया जिसमें डॉ० मनीलाल भौमिक, अमरिका के प्रख्यात भौतिक विज्ञानी को 23 दिसम्बर, 2016 को और लेडी ब्रेबोर्न कॉलेज के साथ संयुक्त रूप से 28 फरवरी, 2017 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर सम्मानित किया।

कुरुक्षेत्र शाखा

संयोजक : प्रो० अशोक अग्रवाल

प्रधानमंत्री स्वच्छ भारत अभियान के तत्वाधान में, दो शौचालय एक महिलाओं के लिए और एक पुरुषों के लिए आईएससीए द्वारा निर्मित किया गया, जो कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति और वाईएमसीए, फरीदाबाद के कुलपति द्वारा उद्घाटन किया गया। विभिन्न विज्ञान प्रदर्शनी, हरियाणा के ग्रामीण इलाके के स्कूल के छात्रों के बीच विज्ञान जागरूकता पर प्रतियोगिताओं और लोकप्रिय व्याख्यान आयोजित की गई है। रासायनिक और पर्यावरण विज्ञान उभरने

आयाम और आगे चुनौतियाँ पर एक दिन का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर, जवाहरलाल नेहरू शताब्दी व्याख्यान डॉ० ओ. पी. अरोरा द्वारा प्रस्तुत किया गया और पट्टिका प्रो० पी. पी. माथुर, महासचिव, वैज्ञानिक कार्यकलाप (आईएससीए) द्वारा प्रस्तुत किया गया था। ऑन लाइन क्विज़ प्रतियोगिता, मास्टर्स छात्रों के लिए डिक्लामेशन प्रतियोगिता और अलग-अलग बच्चों के लिए विज्ञान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पटियाला शाखा

संयोजक : प्रो० (डॉ०) तरलोक सिंह

संयोजक (पटियाला शाखा) के नेतृत्व के तहत विशेषज्ञों की एक टीम ने कैंसर का सर्वेक्षण किया और पंजाब के शामिल क्षेत्र बेल्टी, भटिंडा, मानसा और संगरूर के फ्लोरोसिस का पता लगाया और पाया कि यूरेनियम प्रवाहित भूजल पानी और कीटनाशकों का तर्कहीन उपयोग मानव जीवन को तबाह कर रहा है, हालांकि एनजीओ और सरकार एजेंसियां अपनी पूरी कोशिश कर रही हैं लेकिन आबादी के आकार के कारण, सभी प्रयास लक्ष्य से कम होने हैं। वैज्ञानिक संगठित राष्ट्रीय योग दिवस का विश्वविद्यालय परिनीसर और एक्सपो-साइंस प्रदर्शनी में डिएवी पब्लिक स्कूल, पटियाला और गोविंदगढ़ सार्वजनिक विद्यालय में आयोजित की गई। ग्रामीण स्कूल बच्चों के लिए, विज्ञान और पर्यावरण के लिए उनके कौशल और प्यार को तेज करने के लिए प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। बड़ी संख्या में स्कूल के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मेरिट प्रमाणपत्र और पुरस्कार जीता। सैफदीपुर गाँव में स्थित विकलांग बच्चों के लिए स्कूल में विशेष बच्चों के साथ राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। बहरे और गूंगे छात्रों ने एक वैज्ञानिक नाटक प्रदर्शन करने में अपने कौशल का प्रदर्शन किया। अंधा छात्र शीर्ष भारतीय वैज्ञानिकों पर भाषण देने के लिए आगे आए और कुछ छात्रों ने पेंटिंग में भी अपनी विशेषज्ञता दिखायी।

पटना शाखा

संयोजक : डॉ० शिव सत्यप्रकाश

हिन्दी निबंध प्रतियोगिता फोकल "थीम राष्ट्रीय विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी" पर 28 सितंबर 2016 और 3 अक्टूबर 2016 को आर. पी. सी. लड़कियों का विद्यालय, पटना और गंगा देवी महिला महाविद्यालय, पटना में आयोजित किया गया था। कुल मिलाकर 65 उम्मीदवार भाग लिए। राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 16 से 18 दिसंबर 2016 को आईजीएससी तारामंडल और भारतीय व्यवसाय संस्थान, पटना में किया गया। मुख्य अतिथि तत्काल महाध्यक्ष डॉ० अशोक कुमार सक्सेना, प्रोफेसर आर. रामामूर्ति थे, पूर्व महाध्यक्ष ने समारोह की अध्यक्षता की। अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने जैसे डॉ० व्ही. एल. सक्सेना, डॉ० एम. के. चक्रवर्ती, प्रो० एम. के. ज्योति, प्रो० ध्यानेन्द्र कुमार, प्रो० जे. एस. तारा और डॉ० कुलदीप शर्मा ने सम्मेलन को संबोधित किया। 20 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए थे। सभी निबंध के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और पदक से सम्मानित किया गया। 10वीं और 11वीं फरवरी को रमेश झा महिला महाविद्यालय, सहर्ष में पर्यावरण प्रदूषण कारण और उपचार विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई थी। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी, 2017 को पी. जी. रसायन विज्ञान विभाग, ए. एन. कॉलेज, पटना में मनाया गया। 30 मार्च, 2017 को "राष्ट्रीय विकास में महिला वैज्ञानिक की भूमिका" विषय पर एक दिन का राष्ट्रीय संगोष्ठी, पी. जी. रसायन विज्ञान विभाग, टी.एम. भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर द्वारा आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि ने राष्ट्रीय विकास में महिला वैज्ञानिकों के महत्व पर प्रकाश डाला। महाध्यक्ष निर्वाचित (आईएससीए 2019 सत्र), डॉ० मनोज के चक्रवर्ती, डॉ० व्ही. एल. सक्सेना, डॉ० निवेदिता चक्रवर्ती, प्रो० गंगाधर, प्रो० आर. करे वर्मा ने भी संगोष्ठी को संबोधित किया। डॉ० एस. प्रकाश ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर 10 शोध पत्र भी प्रस्तुत किए गए।

पांडिचेरी शाखा

संयोजक : डॉ० व्ही. अमोडा

पांडिचेरी विश्वविद्यालय (पी.यु.) के साथ मिलकर एक दिन का 'राष्ट्रीय संगोष्ठी राष्ट्रीय विकास' के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर 27 फरवरी, 2017 को यूजी और पीजी छात्रों (200 विद्यार्थियों) के लिए पांडिचेरी में और आसपास में आयोजित किया गया था। राष्ट्रीय संगोष्ठी में राष्ट्र के युवा दिमाग को शिक्षित और सशक्त बनाने के लिए विज्ञान अनुशासन के विभिन्न विषयों पर प्रख्यात प्रोफेसरों के 7 व्याख्यान शामिल किए गए। पोस्टर को देश के विभिन्न हिस्सों से आमंत्रित किया गया था। लगभग 37 पोस्टर, प्रस्तुति और पुरस्कार के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का चयन किया गया। 28 फरवरी, 2017 को विशेष रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया, जहाँ 27 स्कूलों के करीब 200 छात्र और 87 अलग-अलग विकलांग बच्चों ने भाग लिया। स्कूल के विद्यार्थियों के लिए प्रश्नोत्तरी, प्रहसन और वक्तृता जैसे विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ विज्ञान को लोकप्रिय बनाने पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया और छात्रों को उनके कड़ी मेहनत और योगदान के लिए प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार वितरित किया गया।

सागर शाखा

संयोजक : डॉ० सुबोध कुमार जैन

21 जून, 2016 को विश्व योग दिवस मनाया गया, 23-24 सितंबर, 2016 को 'राष्ट्रीय विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी मनाया गया जहाँ प्रोफेसर अशोक कुमार सक्सेना (पूर्व महाध्यक्ष, आईएससीए), प्रो० विजय लक्ष्मी सक्सेना, प्रो० संतोष कुमार और प्रो० आर. पी. तिवारी (कुलपति, डीएचएसजीयू, सागर) ने भाषण दिया। संसाधन व्यक्तियों के प्रोफेसर के रूप में प्रो० ईशान पात्र (ग्वालियर) प्रो० अंजना शर्मा (जबलपुर), प्रो० सत्यवती मिश्र (आई.आई.टी. दिल्ली), व्याख्यान दिये। 18 फरवरी, 2017 को एक व्याख्यान कार्यशाला तनाव अवधारणा और वास्तविक जीवन पर आयोजित किया गया। 22 फरवरी, 2017 को तनाव और व्यवहार पर आयोजित एक व्याख्यान कार्यशाला आयोजित की गई 28 फरवरी, 2017 को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विशेष रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस में आयोजन किया गया। 2 मार्च, 2017 को प्रोफेसर कृष्ण मिश्र द्वारा जैव प्रौद्योगिकी में प्रगति पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

तिरुपति शाखा

संयोजक : प्रो० आर. रामामूर्ति

महाविद्यालय के छात्रों के लाभ के लिए विशेषज्ञों द्वारा विशेष व्याख्यान आयोजित किए गए थे। एस. व्ही विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के डॉ० एन. चंद्रायूडू ने 26 अगस्त 2016 को राजामपेट डिग्री कॉलेज में संसाधन प्रबंधन के लिए दूरस्थ संवेदन प्रौद्योगिकी पर बात की। 8 मार्च, 2017 को डॉ० पूलर केशवुलु ने एमारेल्ड डिग्री कॉलेज, तिरुपति में राष्ट्रीय विकास के आंकड़ों पर बात की। निम्न महत्वपूर्ण दिन देखे गए और सही ढंग से प्रदर्शन किया गया, विश्व पृथ्वी दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, विश्व वन दिवस, विश्व जल दिवस, विश्व स्वास्थ्य दिवस, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और युवाओं से संबंधित कृषि कार्यक्रम।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था में हिन्दी सप्ताह समारोह का आयोजन हिन्दी सप्ताह समारोह का अवलोकन

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था में दिनांक 12.09.16 को हिन्दी सप्ताह का उद्घाटन श्रुतलेख प्रतियोगिता से किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अमित कृष्ण दे, कार्यकारी सचिव ने किया। इस कार्यक्रम में डॉ. अरूण कुमार पाण्डेय, सहायक कार्यकारी सचिव भी उपस्थित थे। हिन्दी सप्ताह समारोह में बहुत सी प्रतियोगिताएँ रखी गयीं और लोगों ने खूब मज़े लेकर इसमें भाग लिया। दिनांक 16.09.16 को संस्था के हिन्दी सप्ताह समारोह का समापन सत्र प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता से मनाया गया। श्री प्रियंकर पालीवाल, सचिव, नराकास (कार्यालय-2) ने हिन्दी कार्यशाला लिया और श्रुतलेख प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका अदा किए। इस कार्यक्रम के पुरस्कार वितरण समारोह में डॉ. विजय लक्ष्मी सक्सेना, भूतपूर्व महासचिव (वैज्ञानिक कार्य) ने प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किये।

प्रकाशनें

दिव् वार्षिक जर्नल 'एवरीमैन्स साइंस' (वाल्यूम LI नं 1-6) को तैयार किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकाशन थे। आई.एस.सी.ए 2016-2017, वार्षिक रिपोर्ट 2015-2016, सिनोप्सिस ऑफ द प्रजेन्टेशन्स ऑफ आई.एस.सी.ए. यंग साइंटिस्ट एवार्ड्स फॉर 104 वॉ आई.एस.सी., अब्सट्रेक्ट्स ऑफ बेस्ट फेस्टर अवार्ड प्रोग्राम फॉर 104 वॉ ISC एंड प्रोसिडिंग्स (कन्टेनिंग प्रेसिडेन्सियल एड्रेस, एब्सट्रेक्ट्स ऑफ प्लैटिनम जुबली लेक्चर, एवार्ड्स लेक्चर, पेपर्स प्रेजेन्टेड तथा विभिन्न अनुभागों, के आमंत्रित व्याख्यान श्रृंखला।

अन्य विषयक्रम

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था की बैठकें

वर्ष 2016-2017 में विभिन्न निकायों की निम्नलिखित बैठकें आयोजित की गई -

निकायों के नाम	आयोजित बैठकों की अवधि
कार्यकारिणी समिति	मई 13, 2016 अक्टूबर 03, 2016, अक्टूबर 22, 2016 जनवरी 02, 2017 (जनवरी 07, 2017 तक स्थगित किया गया)
परिषद	मई 14, 2016 अक्टूबर 22, 2016 जनवरी 02, 2017 (जनवरी 07, 2017 तक स्थगित किया गया)
वित्त एवं स्थापना	मई 13, 2016 अक्टूबर 03, 2016 जनवरी 02, 2017
सलाहकार समिति	मई 13, 2016 अक्टूबर 22, 2016, जनवरी 02, 2017

उपर्युक्त विषयों के अतिरिक्त, दो बैठकें महाध्यक्ष का 104 वॉ भारतीय विज्ञान कांग्रेस के अनुभागीय अध्यक्षों के साथ मई 14, 2016 और अक्टूबर 22, 2016 को आयोजित की गई। इसके साथ ही, भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के शाखाओं के संचालकों के साथ जनवरी 02, 2017 को बैठक आयोजित की गई।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था का 2016-2017 के दौरान अन्य संगठनों में प्रतिनिधित्व :

भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली

प्रो. एस.एस. काटियार : महाध्यक्ष (2001-02) ISCA, अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा परिषद, लखनऊ, पूर्व कुलपति, छत्रपति साहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर और कुलपति, सी.ए. कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर और पूर्व संस्थापक निदेशक डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ और अध्यक्ष, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली

चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के स्नातकोत्तर संस्थान, चंडीगढ़

प्रो. बी.पी. चटर्जी पूर्व महासचिव, ISCA अवकाश प्राप्त प्रोफेसर, पश्चिम बंगाल प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, सेक्टर-1, बी.एफ-142, सॉल्टलेक, कोलकाता।

जे.आई.पी.एम.ई.आर.पुडुचेरी (जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान) :

डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, पूर्व महासचिव, ISCA पूर्व डीन, विज्ञान संकाय, सी.एस.जे.एम विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश

राष्ट्रीय इंजीनियरिंग अकादमी, गुडगाँव

डॉ. एन.बी.बासु, महासचिव (सदस्यता कार्य) ISCA प्रधान मुख्य इंजीनियर (सी) और सी.एम.ई (पी और डी) कोलकाता नगर निगम, कोलकाता

चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान (AIIMS), नई दिल्ली

डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना, पूर्व महासचिव, ISCA, प्राणी शास्त्र विज्ञान के प्रमुख, दयानंद गर्ल्स स्नातकोत्तर कॉलेज, कानपुर।

चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान (AIIMS), भोपाल

डॉ. श्रीमती विजय लक्ष्मी सक्सेना, पूर्व महासचिव, ISCA, प्राणी शास्त्र विज्ञान के प्रमुख, दयानंद गर्ल्स स्नातकोत्तर कॉलेज, कानपुर।

चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान, भुवनेश्वर

डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, पूर्व महासचिव, ISCA, पूर्व डीन, विज्ञान संकाय, सी.एस.जे.एम विश्वविद्यालय, कानपुर, उत्तर प्रदेश

चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान, जोधपुर

प्रो. डॉ. रणवीर चंदर सेमती, महाध्यक्ष (2013-14), ISCA, कुलपति, बाबासाहेब भीमराव अम्बेदकर विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226 025

चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान, पटना

प्रो. एस.एस.काटियार महाध्यक्ष (2001-02), ISCA और पूर्व कुलपति, छत्रपति साहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर और कुलपति, सी.ए. कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर और पूर्व अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा परिषद, लखनऊ उत्तर प्रदेश।

चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान, रायपुर

प्रो. एच.पी. तिवारी, पूर्व महासचिव ISCA, इलाहाबाद,

चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान, ऋषिकेश

डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती, महाध्यक्ष (2018-2019) पूर्व महासचिव ISCA ,वैज्ञानिक जी (निदेशक ग्रेड) और प्रधान पैथोफिजियोलॉजी प्रभाग राष्ट्रीय हैजा और आंतों के रोग संस्थान (ICMR) कोलकाता।

सदस्यता

विभिन्न सदस्यता वर्गों का त्रिवार्षिक झुकाव निम्नोक्त तालिका से परिलक्षित होता है।

	102वाँ सत्र (2014-2015)	103वाँ सत्र (2015-2016)	104 वाँ सत्र (2016-2017)
आजीवन सदस्य	26,782	29,059	32,137
वार्षिक सदस्य	6,642	4,920	7,793
सत्रात्मक सदस्य	2,127	4,195	3,176
छात्र सदस्य	2,227	3,702	3,140
विशिष्ट दाता	20	23	26
संस्थागत दाता	31	33	34
संस्थागत सदस्य	12	8	8
कुल	37,841	41,940	46,314

संगठनात्मक आकृति

जीबी/जीसी/एफसी की रचना :

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महासभा (जेनरल बडी) की रचना में सभी सदस्यों (मतदान के अधिकार युक्त) और संस्था के सभी प्रतिष्ठित सदस्यों को समाहित किया है।

परिषद में सन्निहित है - (1) कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्य (2) संस्था के सभी वैसे सदस्य या प्रतिष्ठित सदस्य जो कि संस्था में महा अध्यक्ष, महासचिव या कोषाध्यक्ष (3) अनुभागीय अध्यक्षगण (4) महा सभा द्वारा निर्वाचित संस्था के सात सदस्यगण (5) कोलकाता म्युनिसिपल कारपोरेशन द्वारा नामित एक सदस्य (6) वित्त एवं स्थापना समिति के सहयोजित (को अप्टेड) सदस्यगण, (7) एरारीमैन्स साइंस के संपादक प्रमुख (एडिटर-इन-चीफ) और इंडियन नैशनल साइंस अकादमी (आई.एन.एस.ए.) परिषद के एक नामित व्यक्ति जो कि राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के सदस्य हों।

कार्यकारी समिति में सम्मिलित हैं - महाअध्यक्ष, इससे शीघ्र के भूतपूर्व महाअध्यक्ष, महाअध्यक्ष (निर्वाचित), दो महा सचिवगण, कोषाध्यक्ष, महासभा द्वारा निर्वाचित 10 सदस्यगण, विज्ञान एवं तकनीक विभाग, भारत सरकार के सचिव या उनके द्वारा नामित एक व्यक्ति तथा संभावित सत्र आयोजन के दो स्थानीय सचिवगण।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस के छः संवैधानिक समितियाँ हैं यथा (1) परामर्शदात्री समिति, (2) वित्त समिति (3) स्थापना समिति, (4) प्रकाशन समिति, (5) अक्षय दान (इनडाउमेंट) समिति एवं (6) विज्ञान एवं समाज की स्थाई समिति।

कर्मचारी कल्याणकारी कार्रवाई

सूचना के आधार पर इस वर्ष कर्मचारी कल्याण मद में कोई कार्य नहीं हुआ।

आरक्षण नीति का अनुपालन :

कर्मचारी चयन के मामले में भारत सरकार द्वारा निर्धारित आरक्षण नीति का संस्था द्वारा अनुपालन किया जाता है।

* विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डी.एस.टी.) के दिनांक 31.03.2007 के पत्रांक ए.आई/ए.आर/004/2007 दिए गए सुझाव के अनुसार संगठनात्मक ढाँचा संबंधी उपयुक्त सामग्री भी प्रस्तुत की जा रही है।

राजभाषा नीति का अनुपालन :

संस्था ने भारत सरकार की राजभाषा नीति के प्रावधान को ध्यान में रखते हुए उसका समय पर परिवर्तन के आधार पर पत्र के शीर्ष पर मुद्रण, अनेक रजिस्टर के शीर्ष, नाम प्लेट जो अनेक अनुविभागों से संबंधित है, सदस्यता फार्म, वार्षिक रिपोर्ट आदि द्विभाषीय (हिंदी-अंग्रेज़ी) रूप में बनाने का प्रयास किया गया। एक कनिष्ठ हिंदी अनुवादक की देख रेख में उपर्युक्त कार्यों का निष्पादन होता है।

सूचना उपलब्धता अधिकार अधिनियम :

सूचना उपलब्धता अधिकार के अन्तर्गत वर्तमान अधिकारियों की सूचि से उपयुक्त जन सूचना अधिकारी की पहचान की गई और आई.एस.सी.ए. वेबसाइट पर प्रदर्शित किया गया है। उपर्युक्त अधिकारी द्वारा आर.टी.आई. संबंधित सभी गवेषणाओं का निष्पादन किया जाता है।

जन शिकायत निराकरण तंत्र

संस्था के सदस्यों से प्राप्त किसी शिकायत पर समुचित कार्रवाई करने के लिए कार्यकारी सचिव नामित किये गए हैं। साथ ही सतर्कता अधिकारी भी हैं, जिनका नामन आई.एस.सी.ए. वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जा चुका है।

नागरिकीय चार्टर

औद्योगिक सामाजिक दायित्व संबंधी आरक्षण नीति :

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अन्य पिछड़े वर्ग के लिये कर्मचारियों की नियुक्ति संबंधी विषयों पर भारत सरकार द्वारा निर्धारित आरक्षण नीति का संस्था द्वारा अनुपालन किया जाता है और इस मामले में तत्संबंधी रोस्टर किये जाते हैं।

अभिस्वीकृति

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था की कार्यकारिणी समिति भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदत्त दयापूर्ण अंशदान की राशि संस्था को दिये जाने के लिए आभार प्रकट करती है। समिति सतत सहायता एवं सहयोग उपलब्ध कराने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रशंसनीय योगदान की प्रशंसा करती है।

कार्यकारिणी समिति एस. वी. विश्वविद्यालय, तिरुपति को 104वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस के व्यक्तिगत अभिरुचि लेकर आयोजित करने तथा, आतिथ्य प्रदान करने के लिए भूरि-भूरि प्रशंसा करती है। प्रो. ए. दामोदरम, कुलपति तथा उनके सहयोगियों के अथक प्रयास कि 104 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस की भव्य सफलता प्राप्त हो सकी, उसके लिये समिति हार्दिक बधाई देती है।

कार्यकारिणी समिति, परिषद एवं जेनरल बडी के सभी सदस्यों, संबद्ध सभी समितियों, उपसमितियों के सदस्यों, अनुभागीय अध्यक्षों, अनुभागीय रिकार्डर, स्थानीय अनुभागीय सचिवों, अध्याय संचालकों तथा अनुभागीय समितियों की उनके मार्गदर्शन तथा परामर्श के लिये कृतज्ञतापूर्ण आभार प्रकट करती है। 104 वाँ सत्र की सफलता उपलब्धि के संदर्भ में समिति हर्षोल्लास के साथ महाध्यक्ष प्रो. डी. नारायण राव के अथक प्रयास के लिए जिसके फलस्वरूप 104 वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस की महत्वपूर्ण एवं स्मरणीय सफलता प्राप्त हुई, उनके प्रति आभार प्रकट करती है।

अंत में पर कम महत्वपूर्ण नहीं, संस्था के सभी कर्मचारियों द्वारा किये गए वर्ष पर्यंत क्रियाकलापों के कारण ही यह संभव हो सका है, अतः उनके प्रति अभिस्वीकृति के बिना इस कार्यक्रम का समापन संभव नहीं।

ISCA शाखाओं में (2016-2017) के दौरान राष्ट्रव्यापी कार्यकलाप



ISCA इलाहाबाद शाखा



ISCA अमरावती शाखा



ISCA बेंगलूर शाखा



ISCA भुवनेश्वर शाखा

ISCA शाखाओं में (2016-2017) के दौरान राष्ट्रव्यापी कार्यकलाप



ISCA जम्मू शाखा



ISCA कानपुर शाखा



ISCA कोलकाता शाखा



ISCA कुरुक्षेत्र शाखा

ISCA शाखाओं में (2016-2017) के दौरान राष्ट्रव्यापी कार्यकलाप



ISCA चेन्नई शाखा



ISCA कोयम्बटूर शाखा



ISCA हरिद्वार शाखा



ISCA जयपुर शाखा

ISCA शाखाओं में (2016-2017) के दौरान राष्ट्रव्यापी कार्यकलाप



ISCA पटियाला शाखा



ISCA पटना शाखा



ISCA सागर शाखा



ISCA (मुख्यालय) में हिन्दी कार्यक्रम

104 वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस सत्र में अनुभागीय अध्यक्षों के वक्तव्य का शीर्षक

क्रमांक संख्या	अनुभाग	अध्यक्ष	शीर्षक
1.	कृषि एवं वानिकी	डॉ अशोक के पात्र, भोपाल	इम्पैक्ट्स ऑफ क्लाइमेट चेंज ऑन फर्टीलाइजर इउस, सयेल हेल्थ एंड क्रप प्रोडक्टिविटी इन इंडिया।
2.	पशु, पशु-चिकित्सा एवं मात्स्यिकी	प्रो० बी बी कालीवाल, दावानगरे	बायोटेक्नोलॉजी इस ए टुल फॉर ह्यूमन वेलफेयर।
3.	मानव विज्ञान एवं व्यवहारपरक (पुरातत्व विज्ञान, मनोविज्ञान एवं शिक्षा शास्त्र और सैन्य शास्त्र सहित)	प्रो० शुभो रॉय कोलकाता	एजिंग एंड ह्यूमन डेवलपमेन्ट - ए चैलेंज फॉर दि 21 st सेंचुरी
4.	रसायन विज्ञान	प्रो० राजनाथ यादव सागर	स्टाडिज़ ऑन पोटेनशियल एलेलोकैमिकल्स फ्रम साम इंडिजीनस मेडिसीनल प्लांट्स।
5.	पृथ्वीतंत्र विज्ञान	डॉ० ओकार सिंह चौहान गोवा	एप्लीकेशन ऑफ रिमोट सेंसिंग एंड ए न्यू सेडिमेन्टरी प्रोक्सि टू डेसिफर सोर्सस डिस्पर्सल एंड सिक्यूसट्रेशन पाथवेस आफ दि कन्टीनेन्टल फलक्सेस इन दि ओशन
6.	अभियांत्रिकी	प्रो० शिशिर कुमार बनर्जी कोलकाता	इंजीनियरिंग एडुकेशन एंड इट्स रेलेवेंस इन दि प्रेसेन्ट कॉन्टेक्सट
7.	पर्यावरण विज्ञान	प्रो० स्वाति गुप्ता भट्टाचार्य कोलकाता	आइडेन्टिफिकेशन एंड कैराक टेराइजेशन ऑफ एरोएलार्जेन्स फॉर बेटर लाइवलिहुड।
8.	सूचना एवं संचार विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी (कम्प्यूटर साइंस सहित)	श्री देवप्रसन्न सिंहा कोलकाता	रिविसिटिंग लिडिंग विस्टास ऑफ इन्फोर्मेशन एंड कम्प्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी एंड इट्स कन्टेम्पोरानिटी
9.	पदार्थ विज्ञान	डॉ० दुर्गेश नाथ त्रिपाठी कानपुर	डेवलपमेंट ऑफ पलीमेरिक इलास्टोमेरिक मैटेरियल्स फॉर डिफेन्स एंड एरोनोटिकल एप्लीकेशन्स
10.	गणितशास्त्र (सांख्यिकी सहित)	प्रो० तरुण कुमार दास दिल्ली	रिसेंट एडवांसेस इन डिफरेन्शियल एंड मेजर थियोरेटीक डायनामिकल सिस्टेम्स
11.	आयुर्विज्ञान (शरीर क्रिया विज्ञान सहित)	प्रो० सोमनाथ रॉय मिदनापुर	जेनेटिक पॉलीमरफ्रिज़म एंड ड्रग रेसीसटेंस ए प्रब्लेम इन मेलिरिया कन्ट्रोल
12.	नवजीव विज्ञान(जैव रसायन, जैव भौतिकी और आण्विक जैविकी एवं जैव प्रौद्योगिकी सहित)	प्रो० ध्रुवज्योति चट्टोपाध्याय कोलकाता	ड्रग डिस्कवरी : पास्ट, प्रेसेन्ट एंड फ्यूचर
13.	भौतिक विज्ञान	प्रो० सुग्रीव नाथ तिवारी गोरखपुर	लिव्वीड क्रिस्टल इंटरैक्शनस् एन ओवरव्यू
14.	पादप विज्ञान	प्रो० विजय पाल सिंह बरेली	हेवी मेटल्स, नाइट्रोफेनोल्स एंड क्लोरोएमीनोफेनोल्स टक्सीसिटी एंड देयर फाइटोरेमिडियेशन/बैक्टेरियल डिग्रेडेशन

104 वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस सत्र के प्लेटिनम जयंती व्याख्यान

अनुभाग	अध्यक्ष	शीर्षक
कृषि एवं वानिकी	प्रो० ओ. पी. यादव जोधपुर	मार्चींग टुवर्ड्स सेकेण्ड ग्रीन रिवोल्यूशन इस्युस एंड ऑपरच्युनिटिस
मानव विज्ञान एवं व्यवहारपरक (पुरातत्व विज्ञान, मनोविज्ञान एवं शिक्षा शास्त्र और सैन्य शास्त्र सहित)	डॉ० सरित कुमार चौधरी भोपाल	ट्राइब, स्टेट एंड डेवलपमेंट, अंडरस्टैंडिंग ट्रांसफोरमेटिव डिसकोर्स इन इंडियास नर्थ इस्ट
रसायन विज्ञान	डॉ० पवन के शर्मा कुरुक्षेत्र	इम्पेंडिंग पैराडिगम सिफ्ट इन ड्रग डिजाइन एंड डिस्कवरी
पृथ्वीतंत्र विज्ञान	डॉ० देवेश वालिया शिलांग	एक्टिव टेक्टोनिक्स इन शिलांग प्लाव्यू
पर्यावरण विज्ञान	डॉ० सुदीप चट्टोपाध्याय दुर्गापुर	कलमोड्यूलिन 7(CAM7)एंड इलोनगेटेड हाइपोकोटि 15(HY5 वर्क इन कनसर्ट टु रेगुलेट Arabidopsis सिडलिंग डेवलपमेंट
सूचना एवं संचार विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी (कम्प्यूटर साइंस सहित)	डॉ० संघमित्रा बन्दोपाध्याय कोलकाता	कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी चैलेंजेस एंड एडवांसेस
गणित शास्त्र	डॉ० इन्द्रनील विश्वास कोलकाता	होमोजिनीयस बंडलस ऑन हर्मीटियन सिम्प्लिक स्पेसेस
आयुर्विज्ञान (शरीर क्रिया)	प्रो० उदय बन्दोपाध्याय कोलकाता	नन-स्टेरयडल एंटी-इन्फला ड्रग्स (NS AIDS) इन्ड्यूस्ड गैस्ट्रिक इंजरी: गैस्ट्रोपैथी कस एंड करेक्शन
नवजीव विज्ञान (जैव)	प्रो० हरि एस. मित्र मुम्बई	बाक्टेरियल रेसपन्स टु DNAडैमेज बियाॅन्ड LexA/RecA टाईप SOS रेसपन्स

104 वे भारतीय विज्ञान कांग्रेस के अनुभागों द्वारा आयोजित विशिष्ट विषयों से
संबंधित परिसंवाद के शीर्षक

क्रमांक संख्या	अनुभाग	शीर्षक
1.	कृषि एवं वानिकी	1) एनहांसिंग सयेल हेल्थ फ़ॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड एनवायरनमेन्ट 2) क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर
2.	पशु, पशु-चिकित्सा एवं मात्स्यिकी	1) एनीमेल साइंसेस ए बुन फ़ॉर दि डेवलपमेन्ट 2) बायोटेक्नोलॉजी एस ए टुल फ़ॉर फुड, हेल्थ एंड लाइवलिहुड सिक्यूरिटी
3.	मानव विज्ञान एवं व्यवहारपरक (पुरातत्व विज्ञान, मनोविज्ञान एवं शिक्षा शास्त्र और सैन्य शास्त्र सहित)	1) एनगेजिंग एंथ्रोपॉलॉजी फ़ॉर नेशनल डेवलपमेंट 2) रोल ऑफ़ बिहेवियेरल साइंसेस फ़ॉर नेशनल डेवलपमेंट
4.	रसायन विज्ञान	1) एडवांसेस इन नैचुरल प्रोडक्ट्स रिसर्च परस पैक्टिक्स एंड प्रोक्ट्सपेक्ट्स। 2) रिसैंट एडवांसेस इन मेडिसीनल केमिस्ट्री
5.	पृथ्वीतंत्र विज्ञान	1) कोसेस, रेसपन्स एंड मिटीगेशन स्ट्राटेजिस फ़ॉर क्लाइमेट चेंज। 2) ग्लोबल क्लाइमेट चेंजेस एंड एक्सट्रीम इवेन्ट्स।
6.	अभियांत्रिकी	1) रोल ऑफ़ रिनीवेबल एनर्जी इन दि रुरल एंड अर्बन सेक्टर्स। 2) इंस्टीट्यूशनलाइजेअन ऑफ़ वाटर रिसोर्सेस डेवलपमेंट तु मीट दि प्रोईंग चैलेजेंस।
7.	पर्यावरण विज्ञान	1) डोक्यूमेन्टेशन एंड कनजरवेशन ऑफ़ इंडियन बायोडाइवर्सिटी विथ स्पेशल एम्फासिस ऑन इंडिजीनस नलेज-बेस्ड नैचुरल रिसोर्सेस। 2) एसेसमेंट अंड मिटीगेशन ऑफ़ एनवायरनमेन्टल पल्यूशन इन टर्मस ऑफ़ बायोएरोसीयस फॉर बेटर लाइवलिहुड
8.	सूचना एवं संचार विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी (कम्प्यूटर साइंस सहित)	1) रोल ऑफ़ सोसाइटीस एंड अर्गाइजेशनस इन कम्प्युटर साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर नेशनल डेवलपमेन्ट। 2) इम्पैक्ट ऑफ़ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एंड कम्प्यूनिवेशन साइंसेस एंड टेक्नोलॉजी फ्यार नेशनल डेवलपमेंट
9.	पदार्थ विज्ञान	1) मैटेरियल साइंस एंड टेक्नोलॉजी फ़ॉर डिफेंस एप्लीकेशन्स। 2) मैटेरियल साइंस एंड टेक्नोलॉजी फ़ॉर एरोनोटिकल एप्लीकेशन्स।
10.	गणितशास्त्र (सांख्यिकी सहित)	1) स्ट्राटेजिस फ़ॉर दि इम्प्रूवमेंट ऑफ़ मैथेमेटिक्स एडुकेशन एन रिलेशन टु नैशनल डेवलपमेंट। 2) एलजेब्रा एंड कोडिंग थियोरी। 3) स्पेस डाइनामिक्स।
11.	आयुर्विज्ञान (शरीर क्रिया विज्ञान सहित)	1) करेन्ट ट्रेन्ड्स ऑफ़ फ़िजियोलॉजिकल रिसर्च इन कम्प्यूनिटि डेवलपमेंट 2) नैनो एंड कन्वेनशनल टेक्नोलॉजी इन कैंसर रिसर्च
12.	नवजीव विज्ञान(जैव रसायन, जैव भौतिकी और आण्विक जैविकी एवं जैव प्रौद्योगिकी सहित)	1) सेल सिगनालिंग एंड सेलुलर रेगुलेशन प्रोमिस टु प्रैक्टिस 2) केमिकल बायोलॉजी एंड ड्रग रिसर्च
13.	भौतिक विज्ञान	1) फिजिक्स इन नेशनल डेवलपमेंट 2) फिजिकल साइंसेस इन नेशन बिल्डिंग
14.	पादप विज्ञान	1) फाइटोरेमिडियेशन 2) प्लांट साइंस रिसर्च फॉर ह्यूमन वेलफेयर

2016-2017 के लिए युवा वैज्ञानिक का पुरस्कार प्राप्त करने वालों की सूची

क्रमांक संख्या	अनुभाग	पुरस्कार प्राप्त करने वालों का नाम	लेख का शीर्षक
1.	कृषि एवं वानिकी	बाप्पा दास, पुराना गोवा	इव्याफ्ल्यूयेशन ऑफ़ डिफ्रेन्ट यूनिट - एंड मल्टी व्यारिएट टेक्निक्स फॉर वाटर - डेफिसीट स्ट्रेस फेनोटाइपिंग ऑफ़ राइस थ्रु स्पेक्ट्रोकोपी।
2.	पशु, पशु चिकित्सा एवं मात्स्यिकी	श्रीकांत जी. बी पुराना गोवा	फिश कम्यूनितिस रेफ्यूज सिपरेक्स दुन नैचुरल रिफ्स एलौंग साउथ वेस्ट कोस्ट ऑफ़ इंडिया।
3.	मानवविज्ञान एवं व्यवहारपरक विज्ञान (पुरातत्वविज्ञान, मनोविज्ञान एवं शिक्षाशास्त्र और सैन्यशास्त्र सहित)	निवेदिता सोम, कोलकाता	बडी इमेज पेरसेपशन ऑफ़ एडोलिसेन्ट गर्ल्स ए स्टडी इन दि सिटि ऑफ़ कोलकाता, वेस्ट बेंगल।
4.	रसायन विज्ञान	सत्यबदी मार्था भुवनेश्वर	वन स्टेप सिथेसिस ऑफ़ g-C3N4 पाउडर फटोकैटालिस्ट एंड थिन फिल्म एस फटोएनोड प्रयार फटोकै टालिटीक एंड फटोइलेक्ट्रोकेमिकल एप्लीकेशनस।
5.	भू-प्रणाली विज्ञान	शीतल पी. गोदाद गोवा	व्यारियबिलिटी ऑफ़ विन्टर कूलिंग इन दि अराबियन सि इप्लीकेशनस् फॉर दि NE मनसून।
6.	अभियांत्रिकी विज्ञान	नंदिनी भांडारु खरगपुर	कैपिलारी फोर्स एसिसटेड नैनो पैटर्निंग ऑप डि-मिक्सड पॉलीमर ब्लेन्ड थिन फिल्मस।
7.	पर्यावरण विज्ञान	प्रवीण ध्यानी अल्मोरा	सोर्स डिपेन्डेन्ट वेरियेशन इन बायोएक्टिव कम्पाउन्डर ऑफ़ सिलेक्टेड एपेल कल्टीवाटस इन वेस्टर्न हिमालय।
8.	सूचना एवं संचार विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी (कंप्यूटर साइंस सहित)	अभिरूप बनर्जी कोलकाता	रफ-प्रोबाबिलिस्टिक कल्सटरिंग फ़रॉर ब्रेन ट्यूमर सेगमेंटेशन इन मल्टी स्पेक्ट्रल एम. आर. इमेजेशन।
9.	पदार्थ विज्ञान	एंजीलिना केरकेट्टा कानपुर	प्रिपेरेशन ऑफ़ फ्लेम रिटारडेन्ट फाइबरस ऑफ़ पलिफोसफाज़िन एंड इट्स ब्लेन्डस विथ पलीओलेफिन्स।
10.	गणितशास्त्र (सांख्यिकी सहित)	कोई अवार्ड नहीं	
11.	आयुर्विज्ञान (शरीरक्रिया विज्ञान सहित)	सब्यसाची दास पश्चिम मेदिनीपुर	आरटेमिसिनीन कम्बिनेशन थेरेपी फेलियर इन <i>Plasmodium falciparum</i> एसोसियेटेड विथ नभेल जेनेटिक पलिमरफिज़म्स इन इमेलजिंग प्रब्लेम इन इस्टर्न इंडिया।
12.	नवजीव विज्ञान (जैव रसायन, जैवभौतिकी, आण्विक जैविकी, एवं जैवप्रौद्योगिकी सहित)	बोधिसत्व साहा कोलकाता	प्रोटियोमिक्स एसीसटेड आइडेन्टिफिकेशन, क्लोनिंग एंड एपीटोप मैपिंग ऑफ़ Coc n 1 दि फर्स्ट मेजर क्रस रिएक्टिव एलाजेन ऑफ़ कोकोनट एंड डेट पाम पलेन।

2016-2017 के लिए युवा वैज्ञानिक का पुरस्कार प्राप्त करने वालों की सूची

क्रमांक संख्या	अनुभाग	पुरस्कार प्राप्त करने वालों का नाम	लेख का शीर्षक
13.	भौतिक विज्ञान	धर्मेन्द्र प्रताप सिंह लखनउ	ग्राजुयल ग्रीथ ऑफ़ फेरोइलेक्ट्रीक मेसोऑफेस अंडर जियोमेट्रिकल कन्फाइनमेंट इन कोर/शैल क्वांटम डट फेरोइलेक्ट्रिक लिक्विड क्रिस्टल कम्पोसिट एंड देयर अल्ट्राफास्ट इलेक्ट्रो ऑप्टिकल रेसपन्स प्रॉर डिस्प्ले एप्लीकेशन।
14.	पादप विज्ञान	नेहा पाण्डेय लखनउ	UV-B रेडियेशन एस एपीजेनेटिक मड्युलेटर ऑफ़ आर्टेमिसीनीन बायोसिंथेसिस इन <i>Artemisia annua</i> L एन, एंटीमैलेरियल प्लांट।

2016-2017 के लिए उत्कृष्ट पोस्टर प्रस्तुतीकरण पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं की सूची

क्रमांक संख्या	अनुभाग	पुरस्कार प्राप्तकर्ता का नाम	पेपर का शीर्षक
1.	कृषि एवं वानिकी	गणजाक्षी मठ, कर्नाटक	इउस ऑफ सनफ्लावर (<i>Helianth annus L</i>) रेसिड्यु म्पोस्ट अर्डबीन (<i>Vigna mungoL Hepper</i>) फर इम्पुविंग सयेल हेल्थ।
2.	पशु, पशु-चिकित्सा एवं मात्स्यकी	1. याशिका अवस्थी, लखनउ 2. योगिता व्हाई फलक, जलगाँव	Cr ⁶⁺ इन्ड्युस्ड ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस एंड अल्टर्ड एक्सप्रेसन ऑफ p53 एंड बैक्स जिंस इन फिश <i>Channa (punctatus)</i> (Bloch) एंटीबैक्टीरियल पोर्टेशियल ऑफ सम एक्सट्राक्ट्स ऑफ <i>Eisenia spp</i>
3.	मानव विज्ञान एवं व्यवहारपरक विज्ञान (पुरातत्व विज्ञान एवं मनोविज्ञान, शिक्षाशास्त्र एवं सैन्यशास्त्र सहित)	1. संगीता दे, दिल्ली 2. नंदिनी गांगुली, कोलकाता	सुपरन्यूरामरी वीलर डिजिटल फ्लेक्सियन क्रिस : ए न्यू फिचर फॉर फरेन्सिक आइडेंटिफिकेशन इन इंडिया। एसोसियेशन ऑफ डिसऑर्ड इटिंग बिहेवियर्स विथ डाइटेरी पैटर्न ऑफ दि अर्बन एडोलेसेन्ट गर्ल्स आफ वेस्ट वेंगल, इंडिया एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी।
4.	रसायन विज्ञान	1. आरती दलाल, कुरुक्षेत्र 2. प्रदीप कुमार ब्राह्मण, गुन्दुर	फोटोरिअर्गनाईजेशन ऑफ : क्रोमिनॉसफ ए ग्रीन एंड कन्वीनियेन्ट सिंथेसिस ऑफ फ्युसड जानथिनॉस। डिजाईन एंड डेवलपमेंट ऑफ ए कम्पोसिट फिल्म ऑन CuNPs/Fullerene-60/MWCNTs फॉर दि ट्रेस रेकार्गनिशन ऑफ पैरासिटामल.
5.	भू-प्रणाली विज्ञान	कोई अवार्ड नहीं	
6.	अभियांत्रिकी विज्ञान	कोई अवार्ड नहीं	
7.	पर्यावरण विज्ञान	1. पार्थ कड़क, शांतिनिकेतन 2. प्रियंका प्रियदर्शिनी, रांची	फंगल एरोसोल्स, पल्युटेंट्स एंड मिटियोरोलॉजिकल फैक्टर्स लिडिंग टू इन्क्रिसिंग एलार्जीक डिजिनेश इन दुर्गापुर एन इन्डास्ट्रियल टाउनशिप ऑफ वेस्ट बेंगल, इंडिया। मेजरिंग कार्बन फुटप्रिंट इम्पैक्ट्स ऑफ माइक्रोफाइनैस एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ देवघर डिस्ट्रीक्ट, झारखंड।
8.	सूचना एवं संचार विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी (कंप्यूटर साइन्स सहित)	1. मयंक अग्रवाल, वाराणसी 2. अजीश के अब्राहम, मैसूर	फोर एलिमेंट हाइलि आइसोलेटेड MIMO एन्टेना सिस्टम फॉर 5 GHz WLAN एप्लीकेशन्स। एफेक्ट ऑफ माइक्रोफोन टाइप ऑन सम टेम्पोरल एंड स्पेक्ट्रल पैरामिटर्स ऑफ स्पीच साउण्डस् रिकार्डेड थ्रु पि सि।
9.	पदार्थ विज्ञान	कोई अवार्ड नहीं	

2016-2017 के लिए उत्कृष्ट पोस्टर प्रस्तुतीकरण पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं की सूची

क्रमांक संख्या	अनुभाग	पुरस्कार प्राप्तकर्ता का नाम	पेपर का शीर्षक
10.	गणितशास्त्र (सांख्यिकी सहित)	ऋषिकेश दत्ता तिवारी, धानबाद	इफेक्ट्स ऑफ रेडियेशन प्रेशर एंड अबलेटनेस ऑन दि रेगुलाराइज्ड रेस्ट्रिक्टेड श्री बॉडी प्रोब्लम।
11.	आयुर्विज्ञान (शरीरक्रिया विज्ञान सहित)	कोई अवार्ड नहीं	
12.	नव जीव विज्ञान (जैव रसायन, जैव भौतिकी और आण्विक जैविकी एवं जैव प्रौद्योगिकी सहित)	नंदिनी, बी, मैसूरु	नभेल मेम्ब्रेन लिपिड नैनोएमल्सन ऑफ <i>Trichoderma</i> spp. फॉर दि इन्डक्शन ऑफ सिस्टेमिक रेसिसटेशन्स इन पर्ल मिलेट एगेन्स्ट डाउन माइलड्यु डिज़िज़।
13.	भौतिक विज्ञान	1. स्वर्णिव चन्द्र, कोलकाता 2. अजाज हुसैन, लखनउ	इन्वेस्टीगेशन ऑफ आयन एकोस्टिक सलीटरी स्ट्रक्चर्स इन मल्टी कम्पोनेंट प्लाजमा कन्टेनिंग q- एक्सपोनेन्शियल डिस्ट्रीब्यूटेड इलेक्ट्रन बीम। वोल्युमेट्रिक, एकोस्टिकल एंड ऑप्टिकल प्रोपर्टीज ऑफ पली इन्लिन ग्लाइकोथ मिथाइल ईथर मिथाक्राइलेट (PEGMA) 475 विथ 2 मिथोक्स इथानॉल एंड 2- इथोक्स इथानॉल एथोजाइ इथानॉल एन एक्सपेरीमेंटल एंड ¹ HNMR स्पेक्ट्रोसकोपी स्टडी।
14.	पादप विज्ञान	देबलीना रॉय, कोलकाता	एन इज़ी अप्रोच दु एगमेंट दि एंटी ऑक्सीडेडि पोटेंशियल्स ऑफ पिपरमिन्ट थ्रु माइक्रोप्रोपागेशन।

इनफोसिस फाउंडेशन की सूची - 2016-2017 के लिए ISCA यात्रा पुरस्कार प्राप्तकर्ता

क्रमांक संख्या	पुरस्कार प्राप्तकर्ता का नाम
1.	तुषार अग्रवाल, सेठ आनंदराम जयपुरिया विद्यालय, कानपुर
2.	शीन पारिमू सेठ आनंदराम जयपुरिया विद्यालय, कानपुर
3.	शौर्य सिंह सेठ आनंदराम जयपुरिया विद्यालय, कानपुर
4.	शुभांजलि सरस्वती महादेवी बिड़ला वर्ल्ड अकादमी
5.	व्ही. मानस्विनी मनटेस्सरी इंग्लिश मीडियम उच्च विद्यालय, महबूबाबाद
6.	संजय भारतीय विद्याभवन, तिरुपति
7.	एस. विधायिनी श्री विद्यानिकेतन अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय, तिरुपति
8.	जीतेन्द्र, भारतीय विद्याभवन, तिरुपति
9.	प्रणीत कुमार जी श्री विद्यानिकेतन अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय, तिरुपति
10.	पी. कपिलेश्वर मार्ग चिमय विद्यालय, तिरुचनुर बाइपास रोड, तिरुपति

2016-2017 के लिए परिषद के सदस्य

महाध्यक्ष प्रो. डी. नारायण राव तत्काल भूतपूर्व महाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार सक्सेना निर्वाचित महाध्यक्ष डॉ. अच्युत सामंत महासचिव (सदस्यता कार्य) प्राध्यापक गंगाधर महासचिव (वैज्ञानिक कार्य) प्राध्यापक प्रेमेन्दु पी कुलपति, माथुर कोषाध्यक्ष प्रो. रंजीत कुमार वर्मा कार्यकारिणी समिति के निर्वाचित सदस्यगण प्रो. (डॉ.) कन्हैया लाल श्रीवास्तव प्रो. डॉ. प्रमोद के वर्मा श्रीमती कुमकुम स्वरूप डॉ. निवेदिता चक्रवर्ती प्रो. के. एस. रंगप्पा डॉ. एस. रामकृष्णा प्रो. बी. सत्यनारायण प्रो. नरेश पथा प्रो. सी. मुथामिजचेलवन प्रो. आर. रामामूर्ति भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रतिनिधि डॉ. प्रवीर अस्थाना स्थानीय सचिव प्रो. एन. सेतुरमन प्रो. सी. मुथामिजचेलवन भूतपूर्व महाध्यक्ष प्रो. एम. एस. स्वामीनाथन प्रो. ए. के. शर्मा प्रो. एम. जी. के. मेनन प्रो. आर. पी. बम्बा प्रो. सी. एन. आर. राव प्रो. यशपाल प्रो. डी. के. सिंहा प्रो. पी. एन. श्रीवास्तव डॉ. एस. सी. पक्राशी प्रो. यू. आर. राव प्रो. एस. के. जोशी डॉ. पी. रामाराव डॉ. (श्रीमती) मंजु शर्मा डॉ. आर. ए. माशेलकर डॉ. आर. एस. परौडा प्रो. एस. एस. काटियार डॉ. के. कस्तूरीरंगन प्रो. आशीष दत्ता प्रो. एन. के. गांगुली प्रो. हर्ष गुप्ता डॉ. टी. रामासामी डॉ. जी. माधवन नायर प्रो. के. सी. पाण्डेय प्रो. गीता बाली	कट्टनकुलाथूर कानपुर भुवनेश्वर बैंगलोर भुवनेश्वर पटना जोधपुर भोपाल कानपुर कोलकाता मैसूर बैंगलूरु हैदराबाद जम्मु कट्टनकुलाथूर तिरुपति नई दिल्ली कट्टनकुलाथूर कट्टनकुलाथूर चेन्नई कोलकाता नई दिल्ली चंडीगढ़ बैंगलूरु नोएडा कोलकाता गुडगाँव कोलकाता बैंगलूरु नई दिल्ली हैदराबाद नई दिल्ली पुणे नई दिल्ली कानपुर बैंगलूरु नई दिल्ली नई दिल्ली हैदराबाद चेन्नई त्रिवेंद्रम लखनऊ बैंगलूरु	डॉ. मनमोहन सिंह प्रो. डॉ. रणवीर संदर सोबती डॉ. सरजेराव भावराव निमसे भूतपूर्व महासचिव डॉ. (सुश्री) राशि प्रभा आर्य प्रो. एच. पी. तिवारी प्रो. एस. पी. मुखर्जी डॉ. (श्रीमती) योगिनी पाठक प्रो. उमाकांत प्रो. बी. सत्यनारायण प्रो. बी. पी. चटर्जी प्रो. एस. पी. सिंह प्रो. अभिजीत बनर्जी डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती डॉ. (श्रीमती) विजयलक्ष्मी सक्सेना डॉ. नीलांशु भुषण बासु प्रो. अरुण कुमार भूतपूर्व कोषाध्यक्ष डॉ. एस. बी. माहातो प्रो. ध्यानेन्द्र कुमार अनुभागीय अध्यक्ष डॉ. अशोक के. पात्र प्रो. बी. पी. कालीवाल प्रो. शुभो राय प्रो. राजनाथ यादव डॉ. ओंकार सिंह चौहान श्री शिशिर कुमार बनर्जी प्रो. स्वाति गुप्ता - भट्टचार्य श्री देवप्रसन्न सिंह डॉ. दुर्गेश नाथ त्रिपाठी प्रो. तरुण कुमार दास प्रो. सोमनाथ राय प्रो. ध्रुवज्योति प्रो. सुग्रीव नाथ तिवारी प्रो. विजय पाल सिंह परिषद् के निर्वाचित सदस्य श्री गौरवेन्द्र स्वरूप डॉ. विद्या पत्नी प्रो. (डॉ.) के. मुथुचेलियन प्रो. (डॉ.) एस. राजराजन प्रो. एम. भूपति नायडु डॉ. जे. जेम्स पिचाई प्रो. एस. व्ही. काश्मीर राजा कोलकाता नगर निगम के प्रतिनिधि श्री अनिन्द्य कारफोर्मा एवरीमैन्स साइंस के मुख्य संपादक डॉ. अशोक कुमार सक्सेना भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आई. एन. एस. ए.) परिषद् के प्रतिनिधि प्रो. कंकण भट्टचार्य	नई दिल्ली लखनऊ लखनऊ नई दिल्ली इलाहाबाद कोलकाता वदोदरा जयपुर हैदराबाद कोलकाता कुरुक्षेत्र कोलकाता कोलकाता कानपुर कोलकाता इम्फाल कोलकाता आरा भोपाल दावेनगरे कोलकाता सागर गोवा कोलकाता कोलकाता कोलकाता कानपुर दिल्ली कोलकाता चट्टोपाध्याय गोरखपुर बरेली कानपुर जयपुर मदुरै सोनपल तिरुपति चेन्नई चेन्नई कोलकाता कानपुर कोलकाता
---	--	---	---

2017-2018 के लिए परिषद के सदस्य

महाध्यक्ष

प्रो. अच्युत सामन्त
निवर्तमान महाध्यक्ष

प्रो. डी. नारायण राव
निर्वाचित महाध्यक्ष

डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती
महासचिव (सदस्यता कार्य)

प्रो. गंगाधर

महासचिव (वैज्ञानिक कार्य)

प्रो. प्रेमन्तु पी. माथुर

कोषाध्यक्ष

प्रो. रंजीत कुमार वर्मा

कार्यकारिणी समिति के निर्वाचित सदस्य

डॉ. अशोक कुमार सक्सेना

श्रीमती कुमकुम स्वरूप

डॉ. अनूप कुमार जैन

डॉ. एस. रामकृष्णा

प्रो. एम. भूपति नाइडु

डॉ. निवेदिता चक्रवर्ती

प्रो. सुबोध कुमार जैन

प्रो. एम. के. ज्योति

प्रो. कन्हैया लाल श्रीवास्तव

प्रो. सी. मुथामिज़्जचेलवन

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग,

भारत सरकार के प्रतिनिधि

डॉ. प्रवीर अस्थाना

स्थानीय सचिव

प्रो. बि. रेड्डया नायक

प्रो. टि. पार्थसारथि

भूतपूर्व महाध्यक्ष

प्रो. एम. एस. स्वामिनाथन

प्रो. ए. के. शर्मा

प्रो. आर. पि. बम्भा

प्रो. सी. एन. आर. राव

प्रो. डी. के. सिन्हा

डॉ. एस. सी. पक्राशी

प्रो. एस. के. जोशी

डॉ. पी. रामा राव

डॉ. (श्रीमती) मंजु शर्मा

डॉ. आर. ए. मासेलकर

डॉ. आर. एस. परौदा

प्रो. एस. एस. कटियार

डॉ. के. कस्तूरीरंगन

प्रो. आशीष दत्ता

प्रो. एन. के. गांगुली

प्रो. हर्ष गुप्ता

प्रो. आर. रामामूर्ति

डॉ. टी. रामासामि

डॉ. जी. माधवन नायर

प्रो. के. सी. पाण्डे

प्रो. गीता बाली

डॉ. मनमोहन सिंह

प्रो. डॉ. रणवीर चन्देर सोबती

भुवनेश्वर

विजयवाड़ा

कोलकाता

बेंगलुरु

भुवनेश्वर

गया

कानपुर

कानपुर

मुम्बई

बेंगलुरु

तिरुपति

कोलकाता

सागर

जम्म

जोधपुर

कट्टनकुलाथुरु

नई दिल्ली

हैदराबाद

हैदराबाद

चेन्नई

कोलकाता

चण्डीगढ़

बेंगलुरु

कोलकाता

कोलकाता

नई दिल्ली

हैदराबाद

नई दिल्ली

पुण

नई दिल्ली

कानपुर

बेंगलुरु

नई दिल्ली

नई दिल्ली

फरीदाबाद

तिरुपति

चेन्नई

त्रिवेन्द्रम

लखनऊ

बेंगलुरु

नई दिल्ली

लखनऊ

भूतपूर्व महासचिव

डॉ. (कुमारी) शशि प्रभा आय

प्रो. एडच. पी. तिवारी

प्रो. एस. पी. मुखर्जी

डॉ. (श्रीमती) योगिनी पाठक

प्रो. उमा कान्त

प्रो. बी. सत्यनारायण

प्रो. बी. पि. चटर्जी

प्रो. एस. पि. सिंह

प्रो. अभिजित बनर्जी

डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना

डॉ. नीलांशु भूषण बासु

प्रो. अरुण कुमार

भूतपूर्व कोषाध्यक्ष

डॉ. एस. बी. माहातो

प्रो. ध्यानेन्द्र कुमार

अनुभागीय अध्यक्ष

डॉ. सुरेन्द्र कुमार सिंह

प्रो. पदुरी नागाराजा राव

डॉ. राकेश कुमार श्रीवास्तव

प्रो. के. एस. रंगप्पा

डॉ. देवेश वालिया

डॉ. अरुणकान्ति विश्वास

डॉ. सुब्रत शर्मा

डॉ. एम. सुन्दरेसन

डॉ. दिनेश कुमार

डॉ. एम. जेवियर जेम्स राज

प्रो. अनुप कुमार भट्टाचार्य

प्रो. व्ही. रविशंकर राय

प्रो. मनीशा गुप्ता

डॉ. अखिलेश कुमार पाण्डे

परिषद् के निर्वाचित सदस्य

श्री. गौरवेन्द्र स्वरूप

डॉ. अतुल एन. नारकार

प्रो. के. बायराप्पा

प्रो. सुनील प्रकाश त्रिवेदी

डॉ. एम. जी. एस. राजराजन

प्रो. एस. व्ही. कश्मीर राजा

कोलकाता नगर निगम के प्रतिनिधि

श्री समीरन घोष

एवरीमैन्स साइंस के मुख्य संपादक

डॉ. अशोक कुमार सक्सेना

भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी

(आई. एन. एस. ए) परिषद के प्रतिनिधि

प्रो. एन. आर. जगन्नाथन

नई दिल्ली

इलाहाबाद

कोलकाता

वदोदरा

जयपुर

हैदराबाद

कोलकाता

कुरुक्षेत्र

कोलकाता

कानपुर

कोलकाता

इम्फाल

कोलकाता

आरा

नागपुर

हैदराबाद

नवी मुम्बई

मैसूर

शिलंग

कोलकाता

अलमोरा

कोयम्बपुर

फरीदाबाद

तिरुवनंतपुरमु

कृष्णागंज

मैसूर

लखनऊ

भोपाल

कानपुर

नागपुर

मंगलगंगोत्री

लखनऊ

चेन्नई

कट्टनकुलाथुरु

कोलकाता

कानपुर

नई दिल्ली

31 मार्च, 2017 को कर्मचारियों की संख्या

कार्यकारी सचिव

डॉ. अमित कृष्ण दे

सहायक कार्यकारी सचिव

डॉ. अरुण कुमार पाण्डेय

अनुभाग अधिकारी III

श्रीमती इंद्राणी दास

कार्यालय सहायक I

श्री संतु कुमार घोष

श्रीमती स्वस्ति राय

कनिष्ठ हिंदी अनुवादक

श्रीमती देवश्री दत्ता (साहा)

कार्यालय सहायक - I

श्री पीयूष घोष

कार्यालय सहायक II

श्री कौशिक कुमार नंदी

श्री सुदीप कुमार बाला

श्री दीपंकर दे

श्री शंभुनाथ चटर्जी

कार्यालय सहायक III

श्री अक्षय कुमार पात्र

श्री ओएन मेकाबियस लकरा

श्री अनित पाल

श्री कृष्ण भुजेल

श्री सुधांशु चौधुरी

श्री प्रभुदयाल सिंह

श्री सुभाष दास

श्री स्वरूप कुमार मंडल

श्री गोपाल नाथ

श्री दीपेश चंद्र घोष

श्री सैकत मंडल

श्री अनुपम सरकार

स्टाफ कार ड्राइवर

श्री मनोजित शंकर दासगुप्ता

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महाध्यक्ष

अधिवेशन वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय भाषण की शीर्षक	
पहला	1914	कोलकाता	आशुतोष मुखर्जी	माननीय न्यायमूर्ती विज्ञान कांग्रेस के बारे में सर
दूसरा	1915	मद्रास	माननीय महासर्जन डब्ल्यू बी. बैनरमान	उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में कार्य कर रहे चिकित्साकर्मियों एवं वैज्ञानिकों के लिए जैविकी के ज्ञान का महत्व
तीसरा	1916	लखनऊ	कर्नल सर सिडनी	बर्माई उत्तर भारत के मैदानी भाग और हिमालय अनुश्रृंखला
चौथा	1917	बैंगलोर	सर अल्फ्रेड जिम्स बॉर्न	वैज्ञानिक अनुसंधान पर
पाँचवाँ	1918	लाहौर	गिलबर्ट टी. वॉकर	विज्ञान-शिक्षा पर
छठा	1919	बंबई	लेफ्टिनेंट कर्नल सर लियोनार्ड रोजर्स	हैजा संबंधी अनुसंधान
सातवाँ	1920	नागपुर	आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र राय	आधुनिक भारत में विज्ञान का प्रारंभ
आठवाँ	1921	कोलकाता	सर राजेंद्रनाथ मुखर्जी	विज्ञान एवं उद्योग पर
नौवाँ	1922	मद्रास	श्री एस.एस. मिडिलमिस	सापेक्षता
10वाँ	1923	लखनऊ	सर एम. विश्वेश्वराय	वैज्ञानिक संस्था एवं वैज्ञानिक
11वाँ	1924	बंगलोर	डॉ. टी.एन. अन्नाडेल	अभिसारी एवं अपसारी विकास
12वाँ	1925	बनारस	डॉ. एम.ओ.	फॉर्स्टर प्रायोगिक प्रशिक्षण पर
13वाँ	1926	बंबई	श्री अल्बर्ट हावर्ड	कृषि एवं विज्ञान
14वाँ	1927	लाहौर	सर जे.सी. बोस	जीवन की एकता
15वाँ	1928	कोलकाता	डॉ. जे.एल. साइमनसन	प्राकृतिक उत्पाद रसायन पर
16वाँ	1929	मद्रास	प्रोफेसर सी.वी. रमन	रमन प्रभाव पर
17वाँ	1930	इलाबाबाद	कर्नल एस.आर. क्रिस्टोफर	विज्ञान एवं रोग
18वाँ	1931	नागपुर	लेफ्टिनेंट कर्नल आर.बी.सेमूर सेवेल	विकास की समस्या-शरीरिक संरचना का प्रौद्योगिक रूपांतरण
19वाँ	1932	बैंगलोर	राय बहादुर लाल शिवराम कश्यप	हिमालय और तिब्बत की ऊँचाई पर पाई जानेवाली वनस्पति से संबंधित कुछ पहलू
20वाँ	1933	पटना	सर लूइस एल. फरमोर	राष्ट्रीय जीवन में भूविज्ञान का स्थान
21वाँ	1934	बंबई	प्रोफेसर एम.एन. साहा	आधारभूत ब्रह्मांडीय समस्याएँ
22वाँ	1935	कलकत्ता	डॉ. जे.एच. हट्टन	मानवविज्ञान एवं भारत
23वाँ	1936	इंदौर	सर यू.एन. ब्रह्मचारी	चिकित्सा की नवीनतम प्रगति में विज्ञान की भूमिका
24वाँ	1937	हैदराबाद	राव बहादुर टी.एस. वेंकटरमन	भारतीय गाँव-भूत, वर्तमान एवं भविष्य
25वाँ	1938	कलकत्ता	सर जेम्स एच. जीन्स (नेल्सन के लॉर्ड रदरफोर्ड की असामयिक मृत्यु हो गई)	भारत और ग्रेट ब्रिटेन में अनुसंधान
26वाँ	1939	लाहौर	प्रोफेसर जे.सी. घोष	भारत में रासायनिक अनुसंधान
27वाँ	1940	मद्रास	प्रोफेसर बी. साहनी	द डेक्कन ट्रैप्स : तृतीय युग की घटना
28वाँ	1941	बनारस	सर अर्देशिर दलाल	विज्ञान एवं उद्योग
29वाँ	1942	बड़ौदा	डॉ. डी.एन. वाडिया	भारत-निर्माण

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महाध्यक्ष

अधिवेशन वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय भाषण की शीर्षक	
30वाँ	1943	कलकत्ता	डॉ. डी.एन. वाडिया	युद्ध में खनिजों का शेर
31वाँ	1944	दिल्ली	प्रोफेसर एस.एन.बोस	संतुलित नियतत्ववाद और क्वांटम सिद्धांत
32वाँ	1945	नागपुर	सर शांति एस. भटनागर	विज्ञान को एक मौका दें
33वाँ	1946	बंगलोर	प्रोफेसर एम. अफ़ज़ल हुसैन	भारत की खाद्य समस्या
34वाँ	1947	दिल्ली	पंडित जवाहरलाल नेहरू	राष्ट्र की सेवा में विज्ञान
35वाँ	1948	पटना	कर्मल सर रामनाथ चोपड़ा	भारत में दवा का औचल्य - स्थापन
36वाँ	1949	इलाहाबाद	सर के.एस. कृष्णन	-----
37वाँ	1950	पूना	प्रोफेसर पी.सी.महालानोबिस	ऑकड़े क्यों ?
38वाँ	1951	बंगलोर	डॉ. एच.जे. भाभा	प्राकृतिक दुनिया की वर्तमान संकल्पना
39वाँ	1952	कलकत्ता	डॉ. जे.एन. मुखर्जी	विज्ञान और हमारी समस्याएँ
40वाँ	1953	लखनऊ	डॉ. डी.एम. बोस	सजीव एवं निर्जीव
41वाँ	1954	हैदराबाद	डॉ. एस.एल. होरा	वैज्ञानिकों को एक अवसर दें
42वाँ	1955	बड़ौदा	प्रोफेसर एस.के मित्रा	विज्ञान एवं प्रगति
43वाँ	1956	आगरा	डॉ. एम.एस. कृष्णन	खनिज संसाधन एवं उनकी समस्याएँ
44वाँ	1957	कलकत्ता	डॉ. बी.सी. राय	मानव-कल्याण और देश के विकास के लिए विज्ञान
45वाँ	1958	मद्रास	प्रोफेसर एम.एस. थैकर	वैज्ञानिक विकास का व्याकरण
46वाँ	1959	दिल्ली	डॉ. ए.एल. मुदलियार	आधारभूत विज्ञान की प्रशंसा
47वाँ	1960	बंबई	प्रोफेसर पी. परिजा	विज्ञान और समाज का प्रभाव
48वाँ	1961	रूड़की	प्रोफेसर एन.आर. धर	नाइट्रोजन समस्या
49वाँ	1962	कटक	डॉ. बी. मुखर्जी	मनुष्य पर जीवविज्ञान का प्रभाव
50वाँ	1963	दिल्ली	प्रोफेसर डी.एस. कोठारी	विज्ञान एवं राज्य
51वाँ	1964	कलकत्ता	प्रोफेसर हुमायूँ कबीर	विज्ञान और राज्य
52वाँ	1965	कलकत्ता	प्रोफेसर हुमायूँ कबीर	-----
53वाँ	1966	चंडीगढ़	प्रोफेसर बी.एन. प्रसाद	भारत में विज्ञान
54वाँ	1967	हैदराबाद	प्रोफेसर टी.आर. शेषाद्रि	विज्ञान और राष्ट्रीय कल्याण
55वाँ	1968	वाराणसी	डॉ. आत्माराम	भारत में विज्ञान - कुछ पहलू
56वाँ	1969	बंबई	डॉ. ए.सी. जोशी (प्रोफेसर ए.सी. बनर्जी का)	चैन की साँस : मानव की सेवा में पादपविज्ञान
57वाँ	1970	खड़गपुर	डॉ. एल.सी. वर्मन	मानकीकरण: त्रिसूत्री विषय
58वाँ	1971	बंगलोर	डॉ. बी.पी. पाल	कृषिविज्ञान एवं मानव-कल्याण
59वाँ	1972	कलकत्ता	प्रोफेसर डब्ल्यू डी. वेस्ट	भारत की सेवा में भूविज्ञान
60वाँ	1973	चंडीगढ़	डॉ. एस. भगवंतम (असामयिक निधन हो गया)	भारत में विज्ञान के 60 वर्ष
61वाँ	1974	नागपुर	प्रोफेसर आर.एस. मिश्रा	गणित-रानी या नौकरानी
62वाँ	1975	दिल्ली	प्रोफेसर (श्रीमती)	भारत में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी: असिमा चटर्जी वर्तमान एवं भविष्य
63वाँ	1976	वाल्टेयर	डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन	विज्ञान एवं एकीकृत ग्रामीण विकास
64वाँ	1977	भुवनेश्वर	डॉ. एच.एन. सेतना	संसाधनों का सर्वेक्षण, एवं उपयोग
65वाँ	1978	अहमदाबाद	डॉ.एस.एम. सरकार	विज्ञान की शिक्षा एवं ग्रामीण विकास
66वाँ	1979	हैदराबाद	प्रोफेसर आर.सी. मेहरोत्रा	आगामी दशक में विज्ञान और प्रौद्योगिकी

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महाध्यक्ष

अधिवेशन	वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय भाषण की शीर्षक
67वाँ	1980	यादवपुर	प्रोफेसर ए.के. साहा	भारत के लिए ऊर्जा रणनीती
68वाँ	1981	वाराणसी	प्रोफेसर ए.के. शर्मा	विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास का पर्यावरण पर प्रभाव
69वाँ	1982	मैसूर	प्रोफेसर एम.जी.के. मेनन	विज्ञान और प्रौद्योगिकी के स्वावलंबी आधार के अभिन्न घटक के रूप में आधारभूत अनुसंधान
70वाँ	1983	तिरुपति	प्रोफेसर बी.रामचंद्र राव	मानव और महासागर-संसाधन एवं विकास
71वाँ	1984	राँची	प्रोफेसर आर.पी. बंबा	भारत में बेहतर विज्ञान-उद्देश्य और साधन
72वाँ	1985	लखनऊ	प्रोफेसर ए.एस. पेंटल	उत्तुंगता - अध्ययन
73वाँ	1986	दिल्ली	डॉ. टी.एन. खोशू	पर्यावरण प्रबंधन में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका
74वाँ	1987	बंगलोर	प्रोफेसर (श्रीमती) अर्चना शर्मा	संसाधन और मानवकल्याण - विज्ञान और प्रौद्योगिकी का योगदान
75वाँ	1988	पुणे	प्रोफेसर सी.एन.आर. राव	विज्ञान और प्रौद्योगिकी में सीमाएँ
76वाँ	1989	मदुरै	डॉ. ए.पी. मित्रा	भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मिशन
77वाँ	1990	कोचीन	प्रोफेसर यशपाल	समाज में विज्ञान
78वाँ	1991	इंदौर	प्रोफेसर डी. के. सिन्हा	प्राकृतिक आपदा का सामान: एकीकृत दृष्टिकोण
79वाँ	1992	बड़ौदा	डॉ. वसंत गोवारिकर	विज्ञान, जनसंख्या और विकास
80वाँ	1993	गोवा	डॉ. एस.जेड. कासिम	विज्ञान और बेहतर जीवन
81वाँ	1994	जयपुर	प्रोफेसर पी.एन. श्रीवास्तव	भारत में विज्ञान : उत्कृष्टता एवं जवाबदेही
82वाँ	1995	कलकत्ता	डॉ. एस.सी. पक्राशी	भारत में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और उद्योग का विकास
83वाँ	1996	पटियाला	प्रोफेसर यू.आर. राव	खाद्य, आर्थिक और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
84वाँ	1997	दिल्ली	डॉ. एस.के. जोशी	विज्ञान और अभियंत्रिकी की सीमाएँ तथा राष्ट्रीय विकास में उनकी प्रासंगिकता
85वाँ	1998	हैदराबाद	प्रोफेसर पी. रामाराव	स्वतंत्र भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी: भूत एवं भविष्य
86वाँ	1999	चेन्नै	डॉ. (श्रीमती) मंजु शर्मा	नवजीवविज्ञान: नई सहस्राब्दि में अवसर एवं चुनौतियाँ
87वाँ	2000	पुणे	डॉ. आर.ए. माशेलकर	आगामी सहस्राब्दि में भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
88वाँ	2001	नई दिल्ली	डॉ. आर.एस. परोदा	खाद्य, पोषण एवं पर्यावरण-सुरक्षा
89वाँ	2002	लखनऊ	प्रोफेसर एस.एस. कटियार	स्वास्थ्य-रक्षा, शिक्षा एवं सूचना प्रौद्योगिकी
90वाँ	2003	बंगलोर	डॉ. के. कस्तुरीरंगन	फ्रंटियर साइन्स एवं आधुनिकतम प्रौद्योगिकी
91वाँ	2004	चंडीगढ़	प्रोफेसर आशीष दत्ता	21वीं शताब्दी में विज्ञान और समाज: उत्कृष्टता की तलाश
92वाँ	2005	अहमदाबाद	प्रोफेसर एन.के. गांगुली	स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी-राष्ट्र के विकास का आधार
93वाँ	2006	हैदराबाद	डॉ. आई. वी. सुब्बाराव	एकीकृत ग्रामीण विकास: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महाध्यक्ष

अधिवेशन वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय भाषण की शीर्षक
94वाँ	2007	प्रोफेसर हर्ष अन्नामलाईनगर गुप्ता	पृथ्वीग्रह
95वाँ	2008	विशाखापट्टनम प्रोफेसर आर. राममूर्ति	पर्यावरण अनुकूल विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग करता ज्ञान आधारित समाज
96वाँ	2009	शिलांग डॉ. टी. रामासामी	विज्ञान की शिक्षा और अनुसंधान की विशिष्टता के लिए प्रतिभा का आकर्षण
97वाँ	2010	तिरुवनंतपुरम डॉ. जी. माधवन नायर	विज्ञान और प्रौद्योगिकी की 21वीं सदी में चुनौतियाँ
98वाँ	2011	चेन्नई प्रो. के.सी. पाण्डेय गुणवत्ता	शिक्षा और भारतीय विश्वविद्यालयों में वैज्ञानिक अनुसंधान में उत्कृष्टता
99वाँ	2012	भुवनेश्वर प्रो. गीता बाली	समावेशी नवाचार के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भूमिका
100वाँ	2013	कोलकाता डॉ. मनमोहन सिंह	भारत के भविष्य को आकार देने के लिए विज्ञान
101वाँ	2014	जम्मू प्रोफेसर रणवीर चंदर सोबती	समावेशी विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार
102वाँ	2015	मुम्बई डॉ. सरजेराव भावराव निमसे	मानव विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी
103वाँ	2016	मैसूर डॉ. अशोक कुमार सक्सेना	भारत में स्वदेशी विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी
104वाँ	2017	तिरुपति प्रो० डी. नारायण राव	राष्ट्रीय विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महासचिव

वर्ष	नाम	वर्ष	नाम
1913-14	श्री डी. हूपर	1973-76	डॉ. एस.एम. सरकार
1914-26	डॉ. जे.एल. साइमनसन	1974-77	प्रोफेसर आर.डी तिवारी
1914-20	श्री पी.एस. मैकमोहन	1976-79	प्रोफेसर ए.के. शर्मा
1920-25	डॉ. सी.बी. रमन	1977-80	डॉ. बी. रामचन्द्र राव
1924-35	डॉ. एस.पी. आगरकर	1979-82	डॉ. डी. बसु
1926-30	डॉ. रोलॉ वी. नॉरिस	1980-83	प्रोफेसर अरुण कुमार डे
1930-32	डॉ. एच.बी. डन्नीक्लिफ़	1982-85	प्रोफेसर (श्रीमती) अर्चना शर्मा
1932-39	श्री डब्ल्यू. डी. वेस्ट	1983-86	प्रोफेसर एम. के. सिंघल
1935-40	प्रोफेसर जी. एन. मुखर्जी	1985-88	प्रोफेसर डी. के. सिन्हा
1938-44	प्रोफेसर पी. परिजा	1986-89	डॉ. (सुश्री) एस.पी. आर्य
1939-45	प्रोफेसर एस. के. मित्रा	1988-91	डॉ. एस.सी. पक्राशी
1944-45	प्रोफेसर पी.सी. मिटर	1989-92	डॉ. (श्रीमती) गौरी गांगुली
1944-49	प्रोफेसर एम. कुरेशी	1991-94	प्रोफेसर डी.पी. चक्रवर्ती
1945-48	प्रोफेसर पी. सी. महालानोबिस	1992-95	प्रोफेसर एच.पी. तिवारी
1948-52	डॉ. बी. मुखर्जी	1994-97	प्रोफेसर एस.पी. मुखर्जी
1948-52	डॉ. बी. संजीव राव	1995-98	डॉ. (श्रीमती) योगिनी पाठक
1952-53	डॉ. एस.आर. सेनगुप्ता	1997-2000	प्रोफेसर ए.एस. मुखर्जी
1952-55	डॉ. बी.एन प्रसाद	1998-2001	प्रोफेसर उमाकान्त
1953-57	डॉ. यू.पी. बसु	2000-2003	प्रोफेसर ए.बी. बनर्जी
1955-58	डॉ. बी.बी. जोशी	2001-2004	प्रोफेसर बी. सत्यनारायण
1957-60	डॉ. ए.के. डे	2003-2006	प्रोफेसर बी.पी. चटर्जी
1958-61	डॉ. बी.एन प्रसाद	2004-2007	प्रोफेसर एस.पी. सिंह
1960-62	प्रोफेसर बी.सी. गुहा	2006-2009	प्रोफेसर अभिजित बनर्जी
1961-65	प्रोफेसर पी.एस. गिल	2007-2010	डॉ. अशोक कुमार सक्सेना
1962-66	डॉ. आत्माराम	2010-2013	डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती
1965-68	प्रोफेसर चंद्रशेखर घोष	2010-2013	डॉ. (श्रीमती) विजयलक्ष्मी सक्सेना
1966-70	प्रोफेसर ए.के. साहा	2013-2016	इंजीनियर नीलांशु भूषण बासु
1968-71	प्रोफेसर आर.एस. मिश्रा	2013-2016	प्रोफेसर अरुण कुमार
1970-73	प्रोफेसर (श्रीमती) असिमा चटर्जी	2016-2019	प्रोफेसर गंगाधर
1971-74	प्रोफेसर रामचंद्र पॉल	2016-2019	प्रोफेसर प्रेमेन्दु पी. माथुर

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के कोषाध्यक्ष

वर्ष	नाम	वर्ष	नाम
1913-14	डॉ. आर. डी. हूपर	1965-68	प्रोफेसर (श्रीमती) असिमा चटर्जी
1914-16	डॉ. जे. एल. साइमनसन	1968-71	डॉ. एस.एम. सरकार
1916-19	श्री आर. डी. मेहता	1971-74	प्रोफेसर ए.के. साहा
1919-20	श्री डी. आर. भंडारकर	1974-76	प्रोफेसर ए.के. शर्मा
1920-21	श्री डब्ल्यू. डब्ल्यू. के पाजे	1976-77	प्रोफेसर ए.के. साहा
1920-21	श्री ओसवाल्ड मार्टिन	1977-80	प्रोफेसर डी.एन. कुंडू
1921-22	श्री ए.के. हार्ले	1980-82	प्रोफेसर (श्रीमती) अर्चना शर्मा
1922-23	श्री डब्ल्यू. आर. सी. ब्रॉयरले	1982-85	प्रोफेसर डी. के. सिन्हा
1923-24	डॉ. सी. वी. रमन	1985-86	प्रोफेसर अशोक घोष
1924-25	डॉ. बेनी प्रसाद	1986-88	डॉ. सत्येश चंद्र पक्राशी
1925-26	डॉ. एस.एल. होरा	1988-89	प्रोफेसर डी.के. सिन्हा
	डॉ. बेनी प्रसाद	1989-91	प्रोफेसर डी.पी. चक्रवर्ती
1930-31	श्री के. सी. महिंद्रा	1991-92	डॉ. डी बसु
1931-32	श्री जैस इंश	1992-94	प्रोफेसर एस.पी. मुखर्जी
1932-34	श्री के.सी. महिंद्रा	1994-95	डॉ. डी बसु
1934-37	डॉ. एस.एल. होरा	1995-98	डॉ. एस.बी. माहतो
1937-38	राय बहादुर	1998-2000	प्रोफेसर ए.बी. बनर्जी
	डॉ. एस.एल. होरा	2000-2001	प्रोफेसर एस.पी. मुखर्जी
1938-39	श्री पर्सी ब्राउन	2001-2003	प्रोफेसर बी.पी. चटर्जी
1939-44	प्रोफेसर जे.एन. मुखर्जी	2003-2004	प्रोफेसर ए.बी. बनर्जी
1944-49	प्रोफेसर पी. राय	2004-2006	प्रोफेसर अभिजीत बनर्जी
1949-52	प्रोफेसर के.एन. बग्ची	2006-2007	प्रोफेसर ए.बी. बनर्जी
1952-55	प्रोफेसर पी.सी. महालोबनिस	2009-2010	प्रोफेसर बी.पी. चटर्जी
1955-58	श्री बी. के. सरकार	2010-2013	इंजीनियर नीलांशु भूषण बासु
1958-60	प्रोफेसर बी.सी. गुहा	2013-2016	प्रोफेसर ध्यानेन्द्र कुमार
1960-65	प्रोफेसर पी.के. बोस	2016-2019	प्रोफेसर रंजीत कुमार वर्मा

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

लेखापरीक्षा रिपोर्ट एवं लेखे

31 मार्च, 2017

स्वतंत्र लेखा-परीक्षकों का प्रतिवेदन भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के सदस्यों के प्रति

वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट :

हम भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के संलग्न बैलेंस शीट और अक्षय निधि के समावेश के वित्तीय वक्तव्यों का लेखापरीक्षण 31 मार्च, 2015 का किए हैं और अनुदान के आय-व्यय लेखा (योजना और गैर-योजना) और अक्षय निधि और उस तारीख को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्तियों और भुगतान खाते के अलावा एक सारांश महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी दिया गया है।

वित्तीय वक्तव्यों के लिए प्रबंधन की ज़िम्मेदारी :

संस्था के प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए और इन वित्तीय स्थितियों की सही और निष्पक्ष देखने के लिए, वित्तीय प्रदर्शन और समापन नकद/बैंक लेखा मानकों के अनुसार संस्था के लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार ज़िम्मेदार है और यह आमतौर पर भारत में स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार है। इस ज़िम्मेदारी को भी संस्था की संपत्ति की सुरक्षा के लिए और रोकने और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं, चयन और उचित लेखांकन नीतियों के आवेदन का पता लगाने, निर्णय और अनुमान है कि उचित और विवेकपूर्ण बनाने के लिए कानून के अनुसार पर्याप्त लेखा अभिलेखों का रखरखाव शामिल और डिज़ाइन, कार्यान्वयन और आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे सटीकता और तैयारी और वित्तीय बयान है कि एक सच्चे और निष्पक्ष दृश्य देने और सामग्री गलत बयान से मुक्त करना है। इसकी प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक लेखा अभिलेखों की पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए रखरखाव, धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण चाहिए।

लेखा-परीक्षकों की ज़िम्मेदारी :

हमारी ज़िम्मेदारी हमारे ऑडिट के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर एक राय व्यक्त करने के लिए है। हम भारत के चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स संस्थान द्वारा जारी किये गये अंकेक्षण मानकों के अनुसार अंकेक्षण किये हैं। उन मानकों का बयान हमारे नैतिक आवश्यकताओं के अनुरूप है और योजना और वित्तीय सामग्री को उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए प्रदर्शन की आवश्यकता होती है।

लेखा परीक्षा में लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाओं के प्रदर्शन शामिल है जो राशि और वित्तीय बयान में खुलासा करते हैं। चयनित प्रक्रिया लेखा परीक्षक के फैसले पर निर्भर करती है जिसमें वित्तीय विवरणों का बयान धोखाधड़ी या त्रुटिपूर्ण के जोखिम भी शामिल है। उन जोखिमों को आकलन करने में, लेखा परीक्षक संस्था की आंतरिक तैयारी और उचित हालात को समझता है और लेखा परीक्षा की प्रक्रिया डिज़ाइन करने के क्रम में वित्तीय बयान की निष्पक्ष प्रस्तुति करता है। लेखा परीक्षा लेखांकन नीतियों के औचित्य और लेखा की तर्कसंगतता का मूल्यांकन भी करता है जो प्रबंधन द्वारा दी गई है, साथ ही, वित्तीय बयान की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन करने का अनुमान भी लगाता है।

1. क) पूंजी व्यय के लिए अनुदान सहित सरकार से प्राप्त अनुदानों को एएस-12 का उल्लंघन करने वाली आय के रूप में माना गया है। आगे, कुल परिसंपत्ति खाते और गैर आवर्ती फंड अनुदान खाते के बीच अंतर के लिए कोई सुलह नहीं किया जा सकता है।

ख) रुपये 1,23,79,000 वित्तीय वर्ष 2016-2017 जो 11.04.2017 को अनुदान के रूप में प्राप्त हुआ था। हमें डीएसटी से इसका कोई सीधा पुष्टि नहीं मिली है।

2. पेंशन, ग्रेच्युटी और रिक्तियों की नकदी के संबंध में बीमांकिक मूल्यांकन के मुताबिक देयताएं (नोट्स नंबर 1, 2 और 3 खाते में नोट्स के लिए) के अनुसार प्रदान की गई है जिससे एएस-15 का उल्लंघन हो रहा है।
3. बैंक द्वारा जमा की गई जमाराशि पर ब्याज के स्रोत पर कटौती किया जाए। विभिन्न निधियों पर ब्याज, कर के नेट पर लिया गया है, जो सकल मूल्य पर होना चाहिए था। विभिन्न निधियों पर ब्याज से स्रोत पर कटौती कुल आयकर रुपये 10,11,501 है जो कि 10,11,501 निधि और निवेश मूल्य के खास खराब होने के कारण जमा नहीं हुआ है। (नोट 9 को खाते में नोट्स में देखें)
4. ₹ 1,35,75,590 आगे, दिनांक 20.12.2016 के पत्र के माध्यम से आयकर विभाग ने आयकर अधिनियम के 271 के तहत जुर्माना की कार्यवाही शुरू की है। संस्था ने इस आदेश के खिलाफ अपील की है। रुपये 1,35,75,590 के लिए आकस्मिक देयता नोट संख्या 10 के माध्यम से खुलासा किया गया है।
5. ₹ 1,81,46,810 की आकस्मिक देयता वार्षिक वर्ष 2012-2013 और वार्षिक 2013-2014 के लिए विवाद/अपील के तहत आयकर मांग के लिए उल्लेख किया गया है नोट संख्या 10 खातों में हालांकि, इसके वर्तमान स्थिति हमें उपलब्ध नहीं कराई जा सकी है।
6. 2016-2017 के दौरान विभिन्न शाखाओं को भेजे गए राशि कुल रुपये 1,01,19,812 विभिन्न प्रयोजनों के लिए प्रकृति और वास्तविक व्यय के किसी भी संबंध के बिना आरोप लगाया गया था। यह देखा गया था कि ₹ 8,90,939 (14 शाखा जिनके खातों को प्राप्त किया गया है) की सीमा तक नकद बैंक में समापन शेष लेखापरीक्षा के तहत वर्ष के दौरान नहीं किया गया है। आगे, शाखाओं द्वारा 4,82,781 की सीमा तक अर्जित आय आईएससीए की पुस्तकों में (14 शाखाओं के लिए) हिसाब नहीं किया गया है। इसके अलावा 23 शाखाओं में से केवल 14 शाखाओं ने उपयोगिता रिपोर्ट भेजी, शेष राशि अभी तक प्राप्त नहीं की है। इसीलिए हम उसी पर टिप्पणी करने में असमर्थ है।
7. संस्था विभिन्न प्रयोजनों के लिए विभिन्न फंड रखता है। यह देखा गया है कि आरक्षित निधि, भवन निधि और जीवन सदस्यता फंड के मामले में फंड बैलेंस निवेश मूल्य के साथ मेल नहीं खाता है जिसके लिए कोई सुलह नहीं किया गया है।
8. 31.03.2017 को तय परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन नहीं किया गया है।
9. बिल्डिंग फंड जिसे लंबे समय तक बनाया गया था, उसे बिना किसी कार्रवाई या लेनदेन के आगे ले जाया जा रहा है।

प्राभूत विधि

1. प्राक्तन निधि की जानधि जमापर व्याज का भुगतान कृषि के आधार पर किया गया है, न कि प्रोदभावन के आधार पर।
2. प्राक्तन निधि से किए गए व्याज की भारी हानि के रूप ने एसका पयति हिस्का बैंक के साथ सावधि जमा की बजाय बचत खाते में रखा जाता है। रूपये 2,76,72,145 के कुल शेष के बाहर 31.03.2017 को प्राक्तन निधि में रूपये 1,77,54,955 को जावधि जमा और शेष राशि में रखा जाता है। रूपये 99,17,190 बचत खाते में है। विलीय वर्ष 2016-2017 में व्याय (पुरस्कार) 3,12,820 है और 2015-2016 में 9,50,394 है।

राय :

हमारी राय में और हमारी जानकारी के अनुसार और हमारे लिए दिये गए विवरण के अनुसार 'लेखा परीक्षा अवलोकन' (एक) से (तीन) के अधीन सच्चे तरीके से जानकारी देने के लिए वित्तीय वक्तव्यों के लेखांकन सिद्धान्तों के अनुरूप निष्पक्ष दृश्य आमतौर पर भारत में स्वीकार किये जाते हैं :-

- क) संस्था के मामलों में बैलेंस शीट 31 मार्च, 2017 के रूप में
- ख) 31 मार्च, 2017 तारीख को समाप्त हुए वर्ष के लिए अधिशेष की आय और व्यय खाते के मामले में, और
- ग) 31 मार्च, 2017 वर्ष के लिए वास्तविक प्राप्ति और भुगतान एवं प्राप्ति एवं भुगतान के मामले में उस तारीख पर और 31.03.2017 समापन नकद/बैंक बैलेंस समाप्त हो गया।

अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट :

हम रिपोर्ट करते हैं कि :-

- 1) हमारे ऑडिट के उद्देश्य के लिए हमें जो जानकारी और स्पष्टीकरण हमारे ज्ञान और विश्वास के लिए आवश्यक थे उसे प्राप्त किये हैं।
 - 2) हमारे राय में, उन किताबों की परीक्षा से प्रकट होता है कि कानून द्वारा अपेक्षित खातों का समुचित पुस्तकें अब तक संस्था द्वारा रखा गया है।
 - 3) बैलेंस शीट, आय और व्यय खाते और इस रिपोर्ट से निपटा प्राप्ति और भुगतान खाते की पुस्तकों के साथ समझौते हैं।
 - 4) हमारी राय में उक्त वित्तीय विवरण ICAI द्वारा जारी लेखा मानकों के अनुरूप है, जहाँ लागू हों सरकारी अनुदान (AS-12) के लेखांकन के अलावा पेंशन, ग्रेच्युटी पर, देनदारियाँ और (AS-15) छुट्टी नकदीकरण हों।
 - 5) मामलों के संबंध में लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल किया जाता है, हमारी राय में और हमारी जानकारी का सबसे अच्छा और करने के लिए हमें स्पष्टीकरण के अनुसार हमें करने के लिए दिए गए।
- क) संस्था राइट्स के तहत टिप्पणी 10 में अपनी वित्तीय स्थिति पर लंबित मुकदमेबाजी के प्रभाव का खुलासा किया है।
 - ख) संस्था व्युत्पन्न अनुबंध सहित किसी भी दीर्घकालिक अनुबंध नहीं था।
 - ग) वहाँ कोई मात्रा में जो संस्था द्वारा निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष को हस्तांतरित करने के लिए आवश्यक थे।

घ) संस्था 08.11.2016 से 31.12.2016 की अवधि के दौरान विशिष्ट बैंक नोटों में होल्डिंग्स के साथ ही लेनदेन के रूप में अकेले वित्तीय विवरणों के रूप में अपने विवरण में अपेक्षित प्रकरीकरण प्रदान करता है और ये संस्था द्वारा रखे गए खातों की पुस्तकों के अनुसार नोट संस्था 11 खातों में नोट्स के लिए है।

दिनांक : 30 जून, 2017
स्थान : कोलकाता

एस.के. भट्टाचार्य के लिए
चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट
एफ.आर.एन.-301081ई
Shyamal Kumar Mukherjee
सी.ए. एस.के. मुखर्जी
(पार्टनर)
एम.एन-017067

1. क) पूंजी व्यय के लिए अनुदान सहित सरकार से प्राप्त अनुदानों को एएस-12 का उल्लंघन करने वाली आय के रूप में माना गया है। आगे, कुल परिसंपत्ति खाते और गैर आवर्ती फंड अनुदान खाते के बीच अंतर के लिए कोई सुलह नहीं किया जा सकता है।

ख) रुपये 1,23,79,000 वित्तीय वर्ष 2016-2017 जो 11.04.2017 को अनुदान के रूप में प्राप्त हुआ था। हमें डीएसटी से इसका कोई सीधा पुष्टि नहीं मिली है।
2. पेंशन, ग्रेच्युटी और रिक्तियों की नकदी के संबंध में बीमांकिक मूल्यांकन के मुताबिक देयताएं (नोट्स नंबर 1, 2 और 3 खाते में नोट्स के लिए) के अनुसार प्रदान की गई है जिससे एएस-15 का उल्लंघन हो रहा है।
3. बैंक द्वारा जमा की गई जमाराशि पर ब्याज के स्रोत पर कटौती किया जाए। विभिन्न निधियों पर ब्याज, कर के नेट पर लिया गया है, जो सकल मूल्य पर होना चाहिए था। विभिन्न निधियों पर ब्याज से स्रोत पर कटौती कुल आयकर रुपये 10,11,501 है जो कि 10,11,501 निधि और निवेश मूल्य के खास खराब होने के कारण जमा नहीं हुआ है। (नोट 9 को खाते में नोट्स में देखें)
4. रु० 1,35,75,590 आगे, दिनांक 20.12.2016 के पत्र के माध्यम से आयकर विभाग ने आयकर अधिनियम के 271 के तहत जुर्माना की कार्यवाही शुरु की है। संस्था ने इस आदेश के खिलाफ अपील की है। रुपये 1,35,75,590 के लिए आकस्मिक देयता नोट संख्या 10 के माध्यम से खुलासा किया गया है।
5. रु० 1,81,46,810 की आकस्मिक देयता वार्षिक वर्ष 2012-2013 और वार्षिक 2013-2014 के लिए विवाद/अपील के तहत आयकर मांग के लिए उल्लेख किया गया है नोट संख्या 10 खातों में हालांकि, इसके वर्तमान स्थिति हमें उपलब्ध नहीं कराई जा सकी है।

अचल संपत्ति के बराबर की राशि का हस्तांतरण लंबे समय से किया गया है और अतीत में कोई आपत्ति नहीं उठाई गई है। अगले वित्तीय वर्ष से कुल पूंजी अनुदान बैलेंस शीट में दिखाया जाएगा।

अचल परिसंपत्तियों के साथ गैर आवर्ती फंड अनुदान के समाधान के लिए, इस संबंध में लेखापरीक्षा द्वारा आवश्यक दिशानिर्देश प्रदान किए जाने के लिए, जैसे कि इस अभ्यास का पालन पहले नहीं किया गया था।

2016-2017 के लिए अनुदान की अंतिम किस्म 11.04.2017 को प्राप्त हुई थी, और इसलिए इसे 2017-2018 में पीएफएमएस पोर्टल से स्वीकृति आदेश के अनुसार प्राप्य माना गया था।

कार्यकारी समिति के निर्णय के अनुसार ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदी के मामलों में अतिरिक्त प्रावधान किया गया है। पेंशन देनदारी के लिए के रूप में रुपये 302.39 लाख की कुल खुला अनावरण है जिसके लिए बजट में हर वर्ष चरण निर्धारण किया जाएगा। इसके अलावा सक्षम प्राधिकारी के निर्णय के अनुसार देयता के अनुसार उचित समायोजन किया जाएगा।

फॉर्म 16 ब्याज पर टीडीएस की ओर बैंक द्वारा जारी ब्याज से स्पष्ट रूप से नहीं दर्शाता है कि किस ब्याज का टीडीएस काट लिया गया है। इसके अलावा कुछ टीडीएस विवरण सभी 4 तिमाहियों में प्रमाणपत्र से गुम हो रहे थे, इसलिए सावधि जमा ब्याज का उचित लेखाकरण नहीं किया जा सकें।

मामले को बैंक में लिया जाएगा ताकि अगले लेखांकन वर्ष से संभवतः टीडीएस लेखांकन किया जा सके।

कानूनी सलाह के मुताबिक 2014-2015 के लिए 04.07.2017 को बैंक द्वारा 15 प्रतिशत आकलित कर जमा कर दिया गया है और संस्था माननीय उच्च न्यायालय में मूल्यांकन की मांग के खिलाफ अपील कर रहा है।

संस्था वार्षिक वर्ष 2012-2013 और 2013-2014 की आकलन की मांग के रहने के आदेश के लिए माननीय उच्च न्यायालय में स्थानांतरित हो गया है।

6. 2016-2017 के दौरान विभिन्न शाखाओं को भेजे गए राशि कुल रुपये 1,01,19,812 विभिन्न प्रयोजनों के लिए प्रकृति और वास्तविक व्यय के किसी भी संबंध के बिना आरोप लगाया गया था। यह देखा गया था कि रु0 8,90,939 (14 शाखा जिनके खातों को प्राप्त किया गया है) की सीमा तक नकद बैंक में समापन शेष लेखापरीक्षा के तहत वर्ष के दौरान नहीं किया गया है। आगे, शाखाओं द्वारा 4,82,781 की सीमा तक अर्जित आय आईएससीए की पुस्तकों में (14 शाखाओं के लिए) हिसाब नहीं किया गया है। इसके अलावा 23 शाखाओं में से केवल 14 शाखाओं ने उपयोगिता रिपोर्ट भेजी, शेष राशि अभी तक प्राप्त नहीं की है। इसीलिए हम उसी पर टिप्पणी करने में असमर्थ हैं।
7. संस्था विभिन्न प्रयोजनों के लिए विभिन्न फंड रखता है। यह देखा गया है कि आरक्षित निधि, भवन निधि और जीवन सदस्यता फंड के मामले में फंड बैलेंस निवेश मूल्य के साथ मेल नहीं खाता है जिसके लिए कोई सुलह नहीं किया गया है।
8. 31.03.2017 को तय परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन नहीं किया गया है।
9. बिल्डिंग फंड जिसे लंबे समय तक बनाया गया था, उसे बिना किसी कार्रवाई या लेनदेन के आगे ले जाया जा रहा है।
10. प्राभूत निधि की सावधि जमा पर ब्याज का भुगतान रसीद के आधार पर किया गया है, न कि प्रोदभवन के आधार पर।
11. प्राभूत निधि से किए गए ब्याज की भारी हानि के रूप में इसका पर्याप्त हिस्सा बैंक के साथ सावधि जमा के बजाय बचत खाते में रखा जाता है। रुपये 2,76,72,145 के कुल शेष के बाहर 31.03.2017 को प्राभूत निधि में रुपये 1,77,54,955 को सावधि जमा और शेष राशि में रखा जाता है। रुपये 99,77,190 बचत खाते में है वित्तीय वर्ष 2016-2017 में व्यय (पुरस्कार) रुपये 3,12,820 और 2015-2016 में रुपये 9,50,394।

आईएससीए ने लोगों के बीच विज्ञान के स्वभाव का प्रसार करने के लिए शाखा का अध्ययन की। शाखाओं में कोई स्थायी कर्मचारी नहीं है। गतिविधियों को पूरा करने के लिए प्रत्येक शाखा में एक सदस्य नामित किया गया है। लोगों के बीच विज्ञान प्रमेय का प्रसार करने के लिए आईएससीए ने कोई भी मानदंड प्रदान नहीं किया है। इस काम के लिए शाखाओं में उनके कोई स्थायी कर्मचारी नहीं है और किसी भी कर्मचारी को वेतन नहीं दिया जाता है।

प्रत्येक शाखा में आईएससीए कार्यालय द्वारा प्रदान की जाने वाली राशि वर्ष भर के माध्यम से गतिविधियों को पूरा करना है। इसलिए आय का सवाल उठता नहीं है। आईएससीए द्वारा प्रदान की गई राशि के आधार पर आवश्यक यूसी और ऑडिटेड स्टेटमेंट शाखा द्वारा उपलब्ध कराए जाते हैं। अगले वित्त वर्ष के लिए शाखाओं को प्रदान किया गया है जिन्होंने उपरोक्त प्रस्तुत किया है।

वर्ष 2016-2017 के लिए 23 शाखाओं ने सभी दस्तावेजों को जुलाई, 2017 तक प्रस्तुत किये और 2017-2018 के लिए अनुदान तदनुसार उन्हें जारी किया गया।

कार्यकारी समिति की चर्चा के अनुसार आईएससीए द्वारा पीछे लेखा प्रिंसिपल को स्थानांतरित किया है, रु0 50,000 सदस्यता फंड से आरक्षित निधि के लिए और जीवनभर की सदस्यता के 80 प्रतिशत जीवन बीमा राशि को पूरा करने के बाद जीवन सदस्यता निधि के लिए एकत्र किया जाता है। इसलिए ऑडिट के समय उपरोक्त दो फंडों में अंतर था।

निधि के निर्माण के लिए फंड बैलेंस में अंतर अज्ञान कारणों से लंबे समय से था।

7 मई, 2017 को आयोजित वित्त समिति की बैठक में भौतिक सत्यापन समिति का गठन किया गया था और यह मामला प्रक्रिया के अधीन है।

सलाह के लिए अगली वित्त और प्रतिष्ठान समिति की बैठक में रखा जाएगा।

आईएससीए के अनुसार लेखा प्रधान के अनुसार प्राभूत निधि की सावधि जमा पर ब्याज का नकद आधार पर होता है।

बचत बैंक खाते में लापता बकाया राशि जहाँ कहीं भी संभव हो, फ्लेक्सी जमा में परिवर्तित करने का एक प्राभूत निधि बचत बैंक खाता बनाने और एक निर्गम शेष को एक अवधि जमा करने के लिए परिवर्तित करने के लिए बैंक के पास मामला ले जाया जाएगा।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

14, डॉ बिरेश गुहा स्ट्रीट, कोलकाता - 700 017

31, मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान लेखे से संबंधित समेकित विवरण

प्राप्तियाँ		भुगतान			
विवरण	रैर-योजना ₹	योग ₹	विवरण	रैर-योजना ₹	योग ₹
प्रारंभिक नकद एवं बैंक शेष :	-	2,000.00	स्थापना	13,254,029.00	679,772.00
हाथ में रोकड़	-	30,858,495.46	तदर्थ बोनस	209,543.00	209,543.00
बैंक में रोकड़ : भारतीय स्टेट बैंक	-	5,413,591.86	कर्मचारी भविष्य निधि में अंशदान	384,523.00	384,523.00
सेन्दल बैंक ऑफ इंडिया	-	-	कर्मचारी पेंशन निधि में अंशदान	4,179,314.00	4,179,314.00
सदस्यता शुल्क (सभी वर्ग)	3,110,616.00	3,110,616.00	विद्युत प्रभार	86,160.84	611,803.00
प्रवेश शुल्क	303,950.00	303,950.00	दूरभाष प्रभार	119,662.00	86,160.84
आजीवन सदस्यता शुल्क	6,203,651.00	6,203,651.00	परिवहन व्यय	926.00	119,662.00
सरकारी अनुदान	1,000,000.00	32,621,000.00	नगरपालिका कर	1,459,894.00	926.00
प्रकाशन विक्री	10,210.00	10,210.00	सुरक्षा गार्ड पर व्यय	407,787.00	1,459,894.00
निविदा-कागज (टेंडर पेपर) की विक्री	-	-	सफाई एवं भवन अनुक्षण	412,706.00	407,787.00
जर्नल संबंधी शुल्क (रैर-सदस्य)	20,038.00	35,820.00	छुट्टी यात्रा रिवायत	14,465.00	412,706.00
विविध आय	3,309,422.00	3,309,422.00	बीमा	17,837.00	14,465.00
वसुला गया अग्रिम :	-	-	अतिथि गृह संबंधी व्यय	7,000.00	17,837.00
सामान्य	3,309,422.00	3,309,422.00	विज्ञापन	161,527.00	7,000.00
उत्सव	-	-	अनुभार्य अथवा एवं संयोजकों से संबंधित डाकव्यय एवं लेखनसामग्री	587,851.00	161,527.00
अतिथिगृह में रहने का प्रभार	31,100.00	31,100.00	विमान सविधाओं का उन्नयन एवं उन्मेष संधार	1,482,768.00	587,851.00
	31,100.00	31,100.00	सामान्य प्रिंटिंग	540,972.00	1,482,768.00
	421,269.00	421,269.00	सत्रिय प्रकाशन	540,972.00	540,972.00
संस्था के व्याख्यान कक्ष से संबंधित सेवा प्रभार को प्रतिपूर्त	131,350.00	131,350.00	कार्यवाहियों का प्रकाशन	545,802.00	545,802.00
	22,902.00	22,902.00	जर्नल का प्रकाशन	1,678,840.00	1,678,840.00
	78,100.00	78,100.00	शिशु शिक्षा भत्ता की प्रतिपूर्त	155,218.00	155,218.00
पैसे के लिए खर्च	252,576.00	252,576.00	प्रतिधारण पैसे	126,288.00	126,288.00
	-	-	लेखन सामग्री प्रभार	234,817.00	234,817.00
	-	-	डाक व्यय	1,826,597.00	1,826,597.00
	-	-	आकस्मिक व्यय	221,269.00	221,269.00
	-	-	यात्रा व्यय	5,146,992.07	5,146,992.07
	-	-	ISCA शाखाएँ	4,719,812.00	4,719,812.00
	-	-	संगोष्ठी, परिसंवाद, वाद-विवाद एवं व्याख्यान आयोजित करने पर	5,400,000.00	5,400,000.00
	-	-	राजभाषा के लिए व्यय	24,250.00	24,250.00
	-	-	पूर्वदत्त खर्च	221,775.00	221,775.00
	-	-	अग्रिम :	-	-
	-	-	साधारण	4,931,307.00	4,931,307.00
	-	-	ल्योहार	76,500.00	76,500.00
	-	-	जमा	1,67,751.00	1,67,751.00
	-	-	संस्था के प्लेटिनम ज्वंती व्याख्यान के लिए मानदेय	80,000.00	80,000.00
	-	-	भवन की मरम्मत और नवीकरण	7,200.00	7,200.00
	-	-	पोस्टर प्रस्तुत पुरस्कार	80,000.00	80,000.00

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

14, डॉ० बीरेश गुहा स्ट्रीट, कोलकाता - 700 017

31 मार्च, 2017 के रूप में तुलन पत्र

31 मार्च, 2017 के रूप में तुलन पत्र				
	विवरण	नोट	31 मार्च 2017 के रूप में	31 मार्च 2016 के रूप में
I	देयत्वं			
1	निधि			
(क)	भंडार और अधिशेष-फंड - अनुदान	1 1क	128,847,259.86 22,479,136.67	125,901,948.20 21,544,801.67
2	गैर-वर्तमान देयताएं			
(क)	लंबी-अवधि के प्रावधान	2	45,130,908.40	42,143,571.57
3	मौजूदा देनदारी			
(क)	अन्य मौजूदा देनदारियाँ	3	3,122,169.00	1,798,932.00
	कुल		199,579,473.93	191,389,253.44
II	संपत्ति			
1	गैर-मौजूदा संपत्ति :			
(क)	अचल संपत्ति	4	21,554,763.09	21,890,802.54
	(i) मूर्त संपत्ति	4	3,627,919.00	61,493.00
	(i क) प्रगति कार्य में पूंजी-मूर्त	4	-	-
	(ii क) लंबी-अवधि ऋण और अग्रिम	4	-	-
(ख)	गैर-मौजूदा निवेश	5	141,463,960.95	130,110,453.30
(ग)	लंबी-अवधि ऋण और अग्रिम	6	13,024,071.00	2,269,425.00
(घ)	अन्य गैर-मौजूदा संपत्ति	7	392,414.51	392,414.51
2	मौजूदा संपत्ति			
(क)	माल	8	74,414.88	269,614.77
(ख)	नकद और नकद समकक्ष	9	19,143,116.50	36,277,565.32
(ग)	लघु-अवधि ऋण और अग्रिम	10	30,600.00	34,200.00
(घ)	अन्य मौजूदा संपत्ति	11	268,214.00	83,285.00
	कुल		199,579,473.93	191,389,253.44
	महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	17		
	लेखा पर नोट्स	18		

नोट इन वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न हिस्सा है।
आज की तारीख में हमारी संलग्न रिपोर्ट के बारे में।

कृते एस. के. भट्टाचार्य और कंपनी
चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट

एस. आर. एन 301081 ई

Shyamal Kumar Nishchajin

(CA.S.K. मुखर्जी)

भागीदार

सदस्य संख्या 017607

स्थान : कोलकाता

दिनांक : 30/06/2017

ganga

गंगाधर

महासचिव (सदस्यता कार्य)




Rajeev

रणजीत कुमार वर्मा
कोषाध्यक्ष

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

14, डॉ० बिरेश गुहा स्ट्रीट, कोलकाता - 700 017

31, मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए योजनागत आय - व्यय लेखा

क्र० सं०	विवरण	अनुसूची	2016-17	2015-16		
			₹	₹		
क.	1 आय सरकार से अनुदान कम : आशुतोष मुखर्जी निधि में स्थानांतरण कम : गैर-आवर्ती निधि स्थानांतरित	12	46,000,000.00 (4,600,000.00) (934,335.00)	60,000,000.00 (4,600,000.00) (780,702.00)		
			2	13	40,465,665.00 4,816,985.00	54,619,298.00 3,548,148.00
					45,282,650.00	58,167,446.00
ख.	व्यय 3 वैज्ञानिक कार्यकलापों एवं पुरस्कारों में खर्च 4 अन्य खर्च 5 कर्मचारियों के लाभ का खर्च 6 ह्रास आय से अधिक व्यय पर जो : अधिशेष / (घाटा) पीछले साल से प्राप्त	14 15 16	17,573,086.07	16,073,047.00		
			15,023,035.67	14,452,290.71		
			19,352,458.00	18,864,911.00		
			1,232,195.42	1,369,911.17		
			53,180,775.16	50,760,159.88		
			(7,898,125.16)	7,407,286.12		
			24,832,954.53	17,425,668.41		
			16,934,829.37	24,832,954.53		
महत्वपूर्ण लेखा नीति लेखा संबंधी टीप्पणियाँ हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार		17 18				
 प्रो० गंगाधर महासचिव (सदस्यता कार्य)		 रणजीत कुमार वर्मा कोषाध्यक्ष				
स्थान : कोलकाता दिनांक : 30/06/2017		कृत एस. के. भट्टाचार्य और कंपनी चार्टर्ड अकाउंटेंट FRN 301081E  (CA.S.K. मुखर्जी) भागीदार सदस्य संख्या 017607				

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

31, मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय व्यय करने के लिए नोट्स

ध्यान दे.1 निधि	वर्ष समाप्त 31.03.2017	वर्ष समाप्त 31.03.2016
	राशि	राशि
	₹	₹
अन्य निधि		
सामान्य निधि		
उद्घाटन वर्ष के दौरान जोड़ राशि	1,304,471.15	1,800,669.81
वर्ष के दौरान भुगतान	3,048.10	3,801.34
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	-	500,000.00
	1,307,519.25	1,304,471.15
आररक्षित निधि		
उद्घाटन राशि	5,841,704.41	5,249,998.82
वर्ष के दौरान जोड़	608,578.83	591,705.59
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	6,450,283.24	5,841,704.41
सार्वजनिक सूचना अधिकारी निधि		
उद्घाटन राशि	3,478.00	3,093.00
वर्ष के दौरान जोड़	462.00	385.00
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	3,940.00	3,478.00
सर आशुतोष मुखर्जी फेलोशिप अवार्ड फंड		
उद्घाटन राशि	4,949,261.00	1,120,888.00
वर्ष के दौरान जोड़	4,762,722.00	4,748,373.00
वर्ष के दौरान कम भुगतान	5,060,230.00	920,000.00
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	4,651,753.00	4,949,261.00
कुल	12,413,495.49	12,098,914.56
संपत्ति कोष		
भवन निधि		
उद्घाटन राशि	977,161.06	928,026.46
वर्ष के दौरान जोड़	54,588.96	49,134.60
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	1,031,750.02	977,161.06
आवास निर्माण अग्रिम निधि		
उद्घाटन राशि	936,929.53	877,383.83
वर्ष के दौरान जोड़	60,276.46	59,545.70
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	997,205.99	936,929.53
ISCA विकास निधि		
उद्घाटन राशि	10,932,876.59	10,217,045.16
वर्ष के दौरान जोड़	680,061.44	715,831.43
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	11,612,938.03	10,932,876.59
योजना आवास निधि		
उद्घाटन राशि	11,347,499.32	11,347,499.32
वर्ष के दौरान जोड़	-	-
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	11,347,499.32	11,347,499.32
	24,989,393.36	24,194,466.50

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

आजीवन सदस्यता शुल्क निधि		
उद्घाटन राशि	64,775,612.61	56,151,811.08
वर्ष के दौरान जोड़	11,239,974.75	9,549,221.53
	<hr/>	<hr/>
	76,015,587.36	65,701,032.61
वर्ष के दौरान कम भुगतान	1,506,045.72	925,420.00
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	<hr/>	<hr/>
आय व्यय खाते में जमा शेष	74,509,541.64	64,775,612.61
उद्घाटन राशि	Rs	Rs
वर्ष के दौरान जोड़	24,832,954.53	17,425,668.41
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	(7,898,125.16)	7,407,286.12
कुल	<hr/>	<hr/>
	16,934,829.37	24,832,954.53
	<hr/>	<hr/>
	128,847,259.86	125,901,948.20
	<hr/>	<hr/>
ध्यान दें 1क		
अनुदान (गैर आवर्ती निधि अनुदान)		
उद्घाटन राशि	21,544,801.67	20,764,099.67
वर्ष के दौरान जोड़	934,335.00	780,702.00
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	<hr/>	<hr/>
	22,479,136.67	21,544,801.67
	<hr/>	<hr/>
ध्यान दें 2		
गैर-मौजूदा देनदारियाँ		
लंबी अवधि के प्रावधान		
ग्रेच्युटी फंड		
उद्घाटन राशि	15,648,802.49	16,530,856.21
वर्ष के दौरान जोड़	1,067,999.82	965,667.28
	<hr/>	<hr/>
	16,716,802.31	17,496,523.49
वर्ष के दौरान कम भुगतान	23,232.00	1,847,721.00
निधि का हस्तांतरण जोड़	-	-
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	<hr/>	<hr/>
	16,693,570.31	15,648,802.49
	<hr/>	<hr/>
पेंशन निधि		
उद्घाटन राशि	15,026,600.96	14,998,283.43
वर्ष के दौरान जोड़	5,348,092.15	4,886,268.53
	<hr/>	<hr/>
	20,374,693.11	19,884,551.96
वर्ष के दौरान कम भुगतान	4,181,722.00	4,857,951.00
निधि का हस्तांतरण जोड़	-	-
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	<hr/>	<hr/>
	16,192,971.11	15,026,600.96
	<hr/>	<hr/>
छुट्टी नकदीकरण निधि		
उद्घाटन राशि	11,468,168.12	11,940,535.26
वर्ष के दौरान जोड़	790,278.86	711,072.86
	<hr/>	<hr/>
	12,258,446.98	12,651,608.12
वर्ष के दौरान कम भुगतान	14,080.00	1,183,440.00
निधि का हस्तांतरण जोड़	-	-
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	<hr/>	<hr/>
	12,244,366.98	11,468,168.12
	<hr/>	<hr/>
कुल	45,130,908.40	42,143,571.57
	<hr/>	<hr/>

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

ध्यान दें- 3

मौजूदा देनदारियाँ

गैर योजना	178,733.00	139,245.00
योजना	2,360,820.00	1,338,086.00
	<u>2,539,553.00</u>	<u>1,477,331.00</u>
जमा		
पिछले खाते के अनुसार	270,501.00	194,814.00
जोड़ : जोड़	421,269.52	75,687.00
कम : भुगतान	237,142.52	-
	<u>454,628.00</u>	<u>270,501.00</u>
योजना प्रतिधारण धन		
प्रारंभिक	1,000.00	164,253.00
वर्ष के दौरान जोड़	126,288.00	-
वर्ष के दौरान कम भुगतान	-	163,253.00
वर्ष के अंत तक निवल शेष	<u>1,000.00</u>	<u>1,000.00</u>
अग्रिम		
सदस्यता शुल्क	700.00	50,100.00
	<u>700.00</u>	<u>50,100.00</u>
कुल	<u>3,122,169.00</u>	<u>1,798,932.00</u>

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

अनुसूची 5

गैर-चालू निवेश

	रु	रु
सामान्य निधि		
अंतरिम जमा	49,086.50	46,038.40
बैंक में	-	-
	<u>49,086.50</u>	<u>46,038.40</u>
प्रारक्षित निधि		
अंतरिम जमा	6,220,709.77	5,668,465.94
बैंक में	179,573.47	73,238.47
	<u>6,400,283.24</u>	<u>5,741,704.41</u>
पेंशन निधि		
अंतरिम जमा	12,360,882.11	11,379,431.96
बैंक में	3,832,089.00	3,644,723.00
	<u>16,192,971.11</u>	<u>15,024,154.96</u>
भवन निधि		
अंतरिम जमा	667,002.23	614,427.27
बैंक में	41,591.93	39,577.93
	<u>708,594.16</u>	<u>654,005.20</u>
आजीवन सदस्यता निधि		
अंतरिम जमा	65,975,212.51	5,61,84,327.23
बैंक में	5,937,979.13	95,463.85
	<u>71,913,191.64</u>	<u>5,62,79,791.08</u>
उपदान निधि		
अंतरिम जमा	79,73,804.79	61,099,226.76
बैंक में	76,74,997.70	3,609,285.85
	<u>1,56,48,802.49</u>	<u>64,708,512.61</u>
भवन निर्माण अग्रिम निधि		
अंतरिम जमा	685,930.90	640,724.44
बैंक में	311,275.08	296,205.08
	<u>997,205.98</u>	<u>936,929.52</u>
संस्था विकास निधि		
अंतरिम जमा	8,857,099.17	8,765,318.73
बैंक में	2,755,838.86	2,167,557.86
	<u>11,612,938.03</u>	<u>10,932,876.59</u>
ISCA छुट्टी तुलना निधि		
अंतरिम जमा	6,486,031.98	5,976,773.12
बैंक में	5,758,335.00	5,491,395.00
	<u>12,244,366.98</u>	<u>11,468,168.12</u>
ISCA आशुतोष मुखर्जी निधि		
अंतरिम जमा	-	-
बैंक में	4,651,753.00	4,949,261.00
	<u>4,651,753.00</u>	<u>4,949,261.00</u>
योग	<u>141,463,960.95</u>	<u>130,110,453.30</u>

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

ध्यान दें 6

लंबी अवधि ऋण और अग्रिम

अग्रिम-सामान्य	637,891.00	2,254,421.00
कर्मचारियों के लिए अग्रिम	7,180.00	15,004.00
सरकार के प्राप्त अनुदान	12,379,000.00	-
	<u>13,024,071.00</u>	<u>2,269,425.00</u>

ध्यान दें 7

अन्य गैर-मौजूदा परिसंपत्तियाँ

हाइड्रेशन लाइन के लिए सुरक्षा जमा	376,914.51	376,914.51
सी.ई.एस.सी. लिमिटेड में सुरक्षा जमा	1,000.00	1,000.00
टेलेक्स के लिए सुरक्षा जमा	10,000.00	10,000.00
सदस्यता प्राप्य	4,500.00	4,500.00
	<u>392,414.51</u>	<u>392,414.51</u>

ध्यान दें 8

माल

मुद्रण कागज का पेपर	144,054.75	269,614.77
कक्ष : क्षतिग्रस्त स्टॉफ का प्रावधान	(69,639.87)	-
	<u>74,414.88</u>	<u>269,614.77</u>

ध्यान दें 9

नकद और नकद समकक्ष

नकद	2,000.00	2,000.00
बचत बैंक	19,137,176.50	36,272,087.32
बैंक के साथ सार्वजनिक सूचना अधिकारी	3,940.00	3,478.00
	<u>19,143,116.50</u>	<u>36,277,565.32</u>

ध्यान दें 10

लघु-अवधि ऋण और अग्रिम

त्योहार अग्रिम	30,600.00	34,200.00
----------------	-----------	-----------

ध्यान दें 11

अन्य मजूदा संपत्ति

प्रीपेड खर्च	233,225.00	11,450.00
मौजूदा सुविधाओं के सुधार में प्रीपेड उन्नयन	13,191.00	60,150.00
प्रीपेड बीमा	21,798.00	11,685.00
	<u>268,214.00</u>	<u>83,285.00</u>

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

आय	2016-2017			2015-2016		
	योजना	रु-योजना	कुल	योजना	रु-योजना	कुल
	₹	₹	₹	₹	₹	₹
अनुसूची -12						
सरकारी अनुदान	45,000,000.00	1,000,000.00	46,000,000.00	55,000,000.00	5,000,000.00	60,000,000.00
	45,000,000.00	1,000,000.00	46,000,000.00	55,000,000.00	5,000,000.00	60,000,000.00
अनुसूची -13						
अन्य कार्यकलापों से आय						
सदस्यता शुल्क प्राप्ति		3,160,116.00			2,337,682.00	
घटाएँ : प्रारंभित निधि में अंतरण		50,000.00			50,000.00	
		3,110,116.00			2,287,682.00	
जी डी: प्रवेश शुल्क		303,950.00			177,400.00	
जी डी: आजीवन सदस्यता शुल्क से अंतरण		1,174,401.00			923,220.00	
		4,588,467.00	4,588,467.00		3,388,302.00	3,388,302.00
अतिथिगृह आवास प्रभार		31,100.00	31,100.00		32,200.00	32,200.00
संस्था के व्याख्यान कक्ष से संबंधित सेवा		131,350.00	131,350.00		80,600.00	80,600.00
विविध आय		20,038.00	20,038.00		3,025.00	3,025.00
प्रभारों की प्रतिपूर्ति (निवल)		-	-		-	-
कंप्यूटर ऋण से अर्जित व्याज		-	-		-	-
प्रकाशित ग्रंथों की बिक्री		-	-		-	-
निविदा कागजात की योजना बिक्री		-	-	16,000.00	-	16,000.00
जर्नल शुल्क (रौर सदस्य)	35,820.00	-	35,820.00	28,021.00	-	28,021.00
ब्याज आय (प्रोद्भूत)						
सामान्य निधि		3,048.10	3,048.10		3,801.34	3,801.34
भवन निधि		54,588.96	54,588.96		49,134.60	49,134.60
उपदान निधि		1,067,999.82	1,067,999.82		965,667.28	965,667.28
भवन निर्माण अग्रिम निधि		60,276.46	60,276.46		59,545.70	59,545.70
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था विकास निधि		680,061.44	680,061.44		715,831.43	715,831.43
आजीवन सदस्यता शुल्क		5,036,323.75	5,036,323.75		5,075,124.53	5,075,124.53
पेंशन निधि		1,168,797.15	1,168,797.15		1,108,100.53	1,108,100.53
आरंभित निधि		558,578.83	558,578.83		541,705.59	541,705.59
योजना निर्माण निधि		180.00	180.00		125.00	125.00
जनसूचना अधिकारी निधि		790,278.86	790,278.86		711,072.86	711,072.86
छुट्टी तुलना निधि	35,820.00	14,201,298.37	14,237,118.37	44,021.00	12,734,235.86	12,778,256.86
कम : निधि स्थानांतरण (ब्याज उपर्जित लेकिन देय नहीं)		9,420,133.37	9,420,133.37		9,230,108.86	9,230,108.86
	35,820.00	4,781,165.00	4,816,985.00	44,021.00	3,504,127.00	3,548,148.00

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

व्यय	2016-2017			2015-2016				
	योजना ₹	नै-योजना ₹	कुल ₹	योजना ₹	नै-योजना ₹	कुल ₹		
अनुसूची -14								
वैज्ञानिक कार्यक्रमों और पुरस्कार पर खर्च								
सत्रीय व्यय	28,274.00	-	28,274.00	18,634.00	-	18,634.00		
यात्रा व्यय	5,109,837.07	-	5,109,837.07	4,594,935.00	-	4,594,935.00		
बैठक फीस	1,230,000.00	-	1,230,000.00	1,135,000.00	-	1,135,000.00		
संस्था की शाखाएँ	4,719,812.00	-	4,719,812.00	4,400,000.00	-	4,400,000.00		
संगोष्ठी, परिसंवाद, वाद-विवाद एवं व्याख्यान	5,400,000.00	-	5,400,000.00	4,462,170.00	-	4,462,170.00		
संस्था के प्लेटिनम जयंती व्याख्यान से संबंधित मानदेय	80,000.00	-	80,000.00	120,000.00	-	120,000.00		
पंडित जवाहरलाल नेहरू जन्मशतावर्षिकी अवाई	-	-	-	-	-	-		
पंडित जवाहरलाल नेहरू पुरस्कार	-	-	-	-	-	-		
पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार	80,000.00	-	80,000.00	125,000.00	-	125,000.00		
स्वर्ण पदकों एवं बिल्लों की लागत	323,080.00	-	323,080.00	582,113.00	-	582,113.00		
सदस्यता शुल्क	-	-	-	-	-	-		
पत्रिकाओं के लिए बाइंडिंग शुल्क	-	-	-	-	-	-		
101 वाँ विज्ञान कांग्रेस	-	-	-	-	-	-		
युवा वैज्ञानिक :								
पुरस्कार	325,000.00	-	325,000.00	275,000.00	-	275,000.00		
यात्रा व्यय	117,283.00	-	117,283.00	185,872.00	-	185,872.00		
प्रकाशन	-	-	-	-	-	-		
लेखन-सामग्री	-	-	-	-	-	-		
विज्ञापन	-	-	-	45,000.00	-	45,000.00		
आकस्मिक व्यय	11,500.00	-	11,500.00	10,500.00	-	10,500.00		
विदेश में बैठकों में भाग लेने वाले प्रतिनिधि मंडल से संबंधित व्यय	93,300.00	-	93,300.00	38,823.00	-	38,823.00		
कागज की स्क्रीनिंग और मूल्यांकन	55,000.00	-	55,000.00	80,000.00	-	80,000.00		
प्रदर्शनी	-	-	-	-	-	-		
	17,573,086.07	-	17,573,086.07	16,073,047.00	-	16,073,047.00		
अनुसूची -15	2016-2017			2015-2016				
अन्य व्यय	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total		
दूरभाष प्रभार	Rs	Rs	Rs	Rs	Rs	Rs		
परिवहन प्रभार	-	98,239.84	98,239.84	-	86,129.00	86,129.00		
नगरपालिका कर	-	119,662.00	119,662.00	-	46,802.00	46,802.00		
	-	926.00	926.00	-	181.00	181.00		

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

	2016-2017		2015-2016		2015-2016	
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
सुरक्षा गार्ड पर व्यय	-	1,592,624.00	1,592,624.00	-	1,248,018.00	1,248,018.00
लेखापरिक्षा शुल्क	-	34,500.00	34,500.00	-	34,500.00	34,500.00
सफाई एवं भवन-अनुक्षण	-	341,896.00	341,896.00	-	334,031.00	334,031.00
महाग्रन्थ के लिए डाक एवं लेखन-सामग्री पर व्यय	161,527.00	-	161,527.00	210,000.00	-	210,000.00
विज्ञान	7,000.00	-	7,000.00	92,460.00	-	92,460.00
विद्युत शुल्क	671,991.00	-	671,991.00	616,985.00	-	616,985.00
विद्यमान सुविधा का उन्नयन एवं उसमें सुधार	568,613.00	-	568,613.00	377,634.00	-	377,634.00
साधारण प्रकाशन	1,482,768.00	-	1,482,768.00	1,285,111.00	-	1,285,111.00
अतिथि गृह व्यय	-	17,837.00	17,837.00	-	19,752.00	19,752.00
बीमा	-	26,150.00	26,150.00	-	43,294.00	43,294.00
बैंक प्रभार	-	17,900.91	17,900.91	-	14,023.25	14,023.25
ए.सी.सर्वत्र का प्रचालन एवं अनुक्षण	-	111,900.00	111,900.00	-	106,561.00	106,561.00
अचल संपत्तियों की बिक्री पर लाभ और हानि	-	29,679.03	29,679.03	-	202,704.48	202,704.48
कागज का क्षतिग्रस्त स्टॉक	69,639.87	-	69,639.87	-	-	-
अन्य संचालन व्यय						
स्टेशनरी का खर्च	237,017.00	-	237,017.00	149,535.00	-	149,535.00
डाक व्यय	4,229,314.00	-	4,229,314.00	3,995,621.00	-	3,995,621.00
आकास्मिक व्यय	232,842.00	-	232,842.00	124,810.50	-	124,810.50
भवन की मरम्मत और नवीकरण	4,700.00	-	4,700.00	24,000.00	-	24,000.00
विधि व्यय	188,992.00	-	188,992.00	85,497.00	-	85,497.00
राजभाषा बैटक के लिए आकास्मिक व्यय	24,250.00	-	24,250.00	32,125.00	-	32,125.00
प्रकाशन व्यय						
सत्रिय प्रकाशन	540,972.00	-	540,972.00	679,012.00	-	679,012.00
कार्यवाही के प्रकाशन	645,671.00	-	645,671.00	679,012.00	-	679,012.00
पत्रिकाओं के प्रकाशन	3,440,864.00	-	3,440,864.00	2,875,311.00	-	2,875,311.00
मुद्रण पेपर की कौमत	125,560.02	-	125,560.02	1,089,181.48	-	1,089,181.48
फोटोकॉपी प्रकाशन						
	12,631,720.89	2,391,314.78	15,023,035.67	12,316,294.98	2,135,995.73	14,452,290.71
2016-2017						
अनुसूची-16						
कर्मचारियों के लाभ का खर्च	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
	Rs	Rs	Rs	Rs	Rs	Rs
स्थाना	690,122.00	13,319,051.00	14,009,173.00	474,242.00	13,775,991.00	14,250,233.00
तदर्थ बोनस	-	209,543.00	209,543.00	-	69,080.00	69,080.00
कर्मचारियों को नई-पेंशन योजना के लिए योगदान	-	384,523.00	384,523.00	-	372,444.00	372,444.00
कर्मचारियों के प्रेज्युटी कोष में योगदान	-	-	-	-	-	-
कर्मचारियों के पेंशन कोष में योगदान	-	4,179,295.00	4,179,295.00	-	3,778,108.00	3,778,108.00
अवकाश नवदीकरण के लिए योगदान	-	-	-	-	-	-
छुट्टी यात्रा रियायत	-	412,706.00	412,706.00	-	218,115.00	218,115.00
कर्मचारियों की वृत्ति	-	2,000.00	2,000.00	-	2,000.00	2,000.00
बच्चों की प्रतिपूर्ति	-	155,218.00	155,218.00	-	174,931.00	174,931.00
शिक्षा भत्ता	690,122.00	18,662,336.00	19,352,458.00	474,242.00	18,390,669.00	18,864,911.00

अनुसूची 1ए

निवेश और बैंक के साथ आजीवन सदस्यता शुल्क निधि की मेलमिलाप

आजीवन सदस्यता शुल्क निधि

₹

01-04-2016 का शेष राशि

64,775,612.61

जोड़ : वर्ष 2016-2017 के दौरान प्राप्त शुल्क

₹

जोड़ : नीचे विस्तृत रूप में वर्ष के दौरान

6,203,651.00

ब्याज प्रोद्भूत दिया गया

टी. डी. आर. संख्या	₹		
33251159345	270,687.80		
33171568280	92,035.74		
10959318633	451,129.52		
10959318622	517,046.96		
33062685839	500,902.82		
34803843458	171,025.30		
30275144311	175,526.29		
32225475315	299,429.35		
32399434877	257,301.79		
32654087378	854,220.28		
32529725604	462,628.39		
34069506239	824,051.51	4,875,985.75	
बचत बैंक ब्याज 31/03/2017	160,338.00		
		160,338.00	11,239,974.75
			76,015,587.36
कम : 20% सदस्यता आय के रूप में ISCA को हस्तांतरित			1,174,401.00
			74,841,186.36
कम : ISCA द्वारा निधि की ओर से किए गए व्यय		331,644.72	
			331,644.72
आजीवन सदस्यता निधि का शेष राशि (अ)			74,509,541.64

आजीवन सदस्यता निवेश

₹

पिछले खाता के मुताबिक शेष राशि

61,099,226.76

जो : : वर्ष के दौरान ब्याज प्रोद्भूत

टी. डी. आर. संख्या	₹		
33251159345	270,687.80		
33171568280	92,035.74		
10959318633	451,129.52		
10959318622	517,046.96		
33062685839	500,902.82		
33529725604	171,025.30		
34803843458	175,526.29		
30275144311	299,429.35		
32225475315	257,301.79		
32399434877	854,220.28		
32654087378	462,628.39		
34069506239	824,051.51	4,875,985.75	
			(आ) 65,975,212.51

भारतीय स्टेट बैंक का आजीवन सदस्यता खाता

01-04-2016 का शेष राशि
जोड़ : : वर्ष के दौरान स्थानांतरण

₹

₹

3,609,285.85

10-03-16

2,500,000.00
2,500,000.00

बचत बैंक ब्याज

31/03/2017

160,338.00

2,660,338.00

6,269,623.85

कम : वर्ष के दौरान भुगतान विशेष

331,644.72

5,937,979.13 (C)

अ =	आ +	क
₹	₹	₹
74,509,541.64	65,975,212.51	5,937,979.13

चालू वर्ष में हस्तांतरित करने के लिए फर्क

कम : पीछले साल का तबादला

अतिरिक्त समायोजित

2,596,350.00

महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ

- 1) लेखे एतिहासिक लागत परंपरा के आधार पर तैयार किए गए हैं।
- 2) शुल्क, सरकारी अनुदान और निवेश में ब्याज का आय का विवरण सटीक आधार पर दिया गया।
- 3) फरवरी और मार्च महीनों के शुल्क प्राप्ति को अगले वर्ष के पूर्व रसीद शुल्क में लिया गया है
- 4) प्राप्ति वर्ष में आजीवन सदस्यता शुल्क के 20% की आय के रूप में हिसाब में लिया गया है और शेष 80% को आजीवन सदस्यता निधि लेखा में रखा गया है। वित्त समिति की 21.09.2013 की बैठक के निर्णय के अनुसार जिसे कार्यकारिणी समिति में दिनांक 04.10.2013 द्वारा बाद में अनुमोदित किया गया।
- 5) ₹25,000/- के बदले ₹50,000/- का स्थानान्तरण साधारण निधि लेखा से आरक्षित निधि लेखा में वित्त समिति के मतानुसार किया गया जिसकी बैठक 21.09.2013 को हुई थी और जिसे कार्यकारिणी समिति की बैठक ने अनुमोदन 04.10.2013 को दिया।
- 6) स्थायी परिसंपत्ति तुलन-पत्र में यथामूल्य में कम इस वर्ष हास के लिए केवल लिया गया 2006-07 से प्रभावी है। जर्नल के योजना शुल्क को छोड़कर जो तुलन-पत्र में दिखाया गया है वह यथामूल्य में मूल्यहास की कमी को जो 2010-11 से प्रभावी हुआ है। यथा अंचल परिसंपत्ति में मूल्यहास का बकाया (जर्नल के योजना शुल्क से अलग) 31.03.2006 तक को अंचल परिसंपत्ति के यथामूल्य से कम करके w.d.v. में प्रवेश करके मूल्यहास का अभिकलन किया गया।
- 7) वित्त पोषण के अधिकारियों से किसी भी दिशा निर्देशों के अभाव में योजना और गैर योजना के बीच खर्च का बंटवारा -प्लान खाता प्रबंधन की धारणा के आधार पर किया जाता है।
- 8) निवेश ज़्यादातर ब्याज की इस अवधि की पैदावार अधिकतम दर के लिए ब्याज के बाद से 39 महीने की अवधि के लिए बने हैं।
- 9) बंदोबस्ती कोष में सावधि जमा में निवेश पर ब्याज नकदी आधार के लिए ज़िम्मेदार है।
- 10) गेस्ट हाउस आवास शुल्क और ISCA व्याख्यान के लिए सेवा शुल्क वर्ष के दौरान नकदी आधार के लिए ज़िम्मेदार किया गया है।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

नोट - 18

लेखा पर नोट्स

- 1) 31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए ग्रेच्युटी प्रावधान नहीं किया गया है। 31.03.2017 को लेखा ग्रेच्युटी पर देयता निर्धारित करने के लिए बीमितिक मूल्यांकन किया जाता है और प्रति मूल्यांकन के रूप में देयता रु० 67.06 लाख है (पूर्ववर्ती वर्षों में रु० 99.98 लाख की सीमा तक अरिक्ति प्रावधान था।)
- 2) 31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए छुट्टी नकदी व्यवस्था नहीं बनाई गई है। 31.03.2017 को छुट्टी के भुगतान के दायित्व को निर्धारित करने के लिए बीमांकिक मूल्यांकन किया जाता है और मूल्यांकन के अनुसार देयता रु० 55.92 लाख (पहले से पहले के वर्षों के लिए गए अतिरिक्त प्रावधानों की राशि 66.52 लाख रुपये है।)
- 3) 31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए पेंशन प्रावधान नहीं किया गया है। 31.03.2017 को पेंशन के दायित्व को निर्धारित करने और 31.03.2017 तक मूल्यांकन के अनुसार देयता के लिए बीमांकिक मूल्यांकन किया जाता है रु० 464.32 लाख की सीमा तक जिसमें से रु० 309.39 लाख खुला अनावरण छोड़ा जाता है।
- 4) “जर्नल की योजना सदस्यता 2008-2009 में पूंजीकृत होने के बावजूद, 31.03.2010 तक कोई मूल्यहास नहीं लिया गया है। हालांकि, चालू वर्ष के दौरान, रु० 2094.92 को आय और व्यय खाते में मूल्यहास के रूप में आरोप लगाया गया है।
- 5) जैसा कि 1991-92, के बाद से अभ्यास किया गया, आईएससीए (पैरा 2.3) की लेखांकन नीति के संदर्भ में रु० 46,97,604/- वर्तमान वर्ष के दौरान प्राप्त हुई आजीवन सदस्यता में 80 प्रतिशत होने के कारण आजीवन सदस्यता निधि में पुनर्जीवित किया गया है। उप-सदस्यता अनुसूची संख्या 1ए में दिए गए 31.03.2017 तक आजीवन सदस्यता निधि और निवेश के समाधान का एक बयान दिया जा रहा है।
- 6) गैर आवर्ती फंड अनुदान के आबंटन का आधार पूंजीगत संपत्ति के खाते में किए गए वास्तविक व्यय के अनुसार तबादला कर दिया गया।
- (7) योजना और गैर योजना अनुसार डीसीटी से प्राप्त होता है क) सामान्य (ख) वेतन और (ग) उप प्रमुखों को निर्दिष्ट किए बिना पूंजी हालांकि, उपरोक्त तीन प्रमुखों का सुलह बनाया गया है। संस्था भी त्रैमासिक आधार पर डीएसटी को उपयोग प्रमाण पत्र प्रस्तुत करता है।
- (8) पूंजी - काम प्रगति के लिए रु० 36,27,919 में निम्न शामिल हैं।

क) शताब्दी बिल्डिंग	रु० 52,943/-
ख) अतिथि गृह	रु० 27,71,545/-
ग) अग्नि सुरक्षा कार्य	रु० 8.03.431/-

रु० 36,27,919/-

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

- 9) बैंक से मुआवजे के जमा पर ब्याज से स्रोत पर कटौती आयकर बैंक से आवश्यक विवरण की उपलब्धता के कारण नहीं किया गया है। यह मामला बैंक के साथ उठाया गया है और उचित दस्तावेजों की उपलब्धता पर आवश्यक कार्रवाई की जायेगी।
- 10) रुपये 3,17,22,400 की आयकर मांग के लिए आकस्मिक देयता (मूल्यांकन वर्ष 2012 - 2013, रुपये 32,40,200/- आकलन वर्ष 2013-2014, रु० 1,49,06,610/- और आकलन वर्ष 2014 - 2015 रु० 1,35,75,590/-) जो अपील में है।
- 11) संस्था ने 8 नवंबर, 2016 से 30 दिसंबर, 2016 की अवधि के दौरान निर्दिष्ट बैंक नोट्स में किसी भी सौदे को नहीं रखा या नहीं किया।
- 12) पीछले वर्ष के आंकड़ों को पुनः समूहबद्ध किया गया है और उन्हें फिर से व्यवस्थित किया गया है जहाँ उन्हें चालू वर्ष के आंकड़ों के साथ तुलना करना आवश्यक है।

कृते एस. के. भट्टाचार्य और कंपनी

चार्टर्ड अकाउन्टेंट

FRN 301081E

Shyamal Kumar Mukherjee

(CA.S.K.मुखर्जी)

भागीदार

सदस्य संख्या : 017607

स्थान : कोलकाता

दिनांक : 30/06/2017

गंगाधर

महासचिव (सदस्यता कार्य)

रणजीत कुमार वर्मा

कोषाध्यक्ष

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

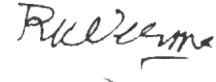
31 मार्च 2017 तक प्राभूत निधि का तुलन-पत्र

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष ₹	पूर्ववर्ती वर्ष ₹
देयता			
शेष प्राभूत निधि	19	27,721,886.09	26,218,237.70
	योग	<u>27,721,886.09</u>	<u>26,218,237.70</u>
संपत्ति एवं परिसंपत्ति			
प्राभूत निवेश	20	27,721,886.09	26,218,237.70
	योग	<u>27,721,886.09</u>	<u>26,218,237.70</u>

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार



गंगाधर
महासचिव (सदस्यता कार्य)



रणजीत कुमार वर्मा
कोषाध्यक्ष



कृते एस. के. भट्टाचार्य और कंपनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफ.आर.एन. 301081



(C.A. S.K. मुखर्जी)

भागीदार

स्थान : कोलकाता

दिनांक : 30/06/2017

सदस्यता संख्या 017607

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

31 मार्च 2017 तक प्राभूत निधि का आय एवं व्यय लेखा

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष ₹	पूर्ववर्ती वर्ष ₹
आय	21	1,816,469	2,293,574
		<u>1,816,469</u>	<u>2,293,574</u>
व्यय	21	312,821	950,394
		<u>312,821</u>	<u>950,394</u>
व्यय पर अधिक आय		1,503,648	1,343,180
कम : संबंधित निधि से अंतरण		<u>1,503,648</u>	<u>1,343,180</u>
		<u>-</u>	<u>-</u>

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार



गंगाधर
महासचिव (सदस्यता कार्य)

स्थान : कोलकाता
दिनांक : 30/06/2017



रणजीत कुमार वर्मा
कोषाध्यक्ष



कृते एस. के. भट्टाचार्य और कंपनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफ.आर.एन. 301081E



(C.A. S.K. मुखर्जी)
भागीदार

सदस्यता संख्या 017607

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

अनुसूची 19

अक्षयनिधि अधिशेष

विवरण	1-04-2016 का अधिशेष		संबंधित निधि में अंतरित अधिशेष (+)/ घाटा (-)	दान प्राप्त	31-03-2017 का अधिशेष	
	₹	₹			₹	₹
बी. सी. गुहा स्मारक निधि	170,661.39	8,324.00		-	178,985.39	
जी. पी. चटर्जी एवं श्रीमती सुनील चटर्जी निधि	777,267.25	32,226.13		-	809,493.38	
प्रोफेसर हीरालाल चक्रवर्ती एवं श्रीमती तोरु चक्रवर्ती निधि	351,284.60	20,956.00		-	372,240.60	
प्रोफेसर के. पी. रोड़े : स्मारक व्याख्यान निधि	168,202.66	11,382.00		-	179,584.66	
प्राण वोहरा पुरस्कार निधि	667,406.13	45,645.00		-	713,051.13	
कछो दत्ता स्मारक पुरस्कार निधि	171,049.00	17,811.00		-	188,860.00	
प्रोफेसर उमाकांत सिन्हा स्मारक पुरस्कार निधि	338,434.81	16,852.00		-	355,286.81	
डॉ. बी. सी. देव स्मारक पुरस्कार निधि	635,161.39	35,532.00		-	670,693.39	
प्रोफेसर आर. सी. शाह स्मारक पुरस्कार निधि	185,839.42	(331.87)		-	185,507.55	
प्रोफेसर आर. सी. मेहरोत्रा स्मारक पुरस्कार निधि	295,123.74	21,253.00		-	316,376.74	
प्रोफेसर एस. के. मुखर्जी स्मारक पुरस्कार निधि	295,642.45	16,193.00		-	311,835.45	
प्रोफेसर (श्रीमती) अणामा सेन स्मारक पुरस्कार निधि	197,646.00	4,381.00		-	202,027.00	
डॉ. (श्रीमती) गौरी गांगुली स्मारक पुरस्कार निधि	340,375.15	19,995.00		-	360,370.15	
प्रोफेसर एस. एस. कटियार स्मारक व्याख्यान निधि	671,662.00	2,543.00		-	674,205.00	
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था पुरस्कार निधि	8,784,737.66	564,543.00		-	9,349,280.66	
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था विक्रम साराभाई स्मारक पुरस्कार निधि	1,331,920.29	92,634.00		-	1,424,554.29	
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता पुरस्कार निधि	3,206,341.00	215,260.00		-	3,421,601.00	
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था रॉयल्टी, निधि	676,493.50	41,409.00		-	717,902.50	
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था इनफॉसिस फाउंडेशन यात्रा पुरस्कार निधि	773,470.26	14,507.13		-	787,977.39	
प्रोफेसर आर. सी. मेहरोत्रा स्मारक जीवन-काल उपलब्धि पुरस्कार निधि	2,564,913.00	118,650.00		-	2,683,563.00	
प्रोफेसर एम. के. सिंघल स्मारक पुरस्कार निधि	1,166,585.00	73,219.00		-	1,239,804.00	
प्रो अर्चना शर्मा स्मारक अवार्ड निधि	619,312.00	35,452.00		-	654,764.00	
प्रो. जी. के. मन्ना स्मारक अवार्ड निधि	683,848.00	35,566.00		-	719,414.00	
प्रो. व्ही. के. पुरी स्मारक अवार्ड निधि	641,621.00	58,820.00		-	700,441.00	
प्रो. डब्ल्यू. डी. वेस्ट स्मारक अवार्ड निधि	503,240.00	827.00		-	504,067.00	
	26,218,237.70	1,503,648.39		-	27,721,886.09	

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

अनुसूची 20

अक्षयनिधि अधिशेष

विवरण	2016-2017 बैंक में		2015-2016	
	₹	₹	₹	₹
बी. सी. गुहा स्मारक निधि	125,000.00	53,985.39	178,985.39	170,661.39
जी. सी. चटर्जी एवं श्रीमती सुनील चटर्जी निधि	420,000.00	389,493.38	809,493.38	777,267.25
प्रोफेसर हीरालाल चक्रवर्ती एवं श्रीमती तोरु चक्रवर्ती निधि	225,000.00	147,240.60	372,240.60	351,284.60
प्रोफेसर के. पी. रोड : स्मारक व्याख्यान निधि	95,000.00	84,584.66	179,584.66	168,202.66
प्राण वोहरा पुरस्कार निधि	425,000.00	288,051.13	713,051.13	667,406.13
कृष्टो दत्ता स्मारक पुरस्कार निधि	100,000.00	88,860.00	188,860.00	171,049.00
प्रोफेसर उमाकांत सिन्हा स्मारक पुरस्कार निधि	185,000.00	170,286.81	355,286.81	338,434.81
डॉ. बी. सी. देव स्मारक पुरस्कार निधि	379,955.00	290,738.39	670,693.39	635,161.39
प्रोफेसर आर. सी. शाह स्मारक पुरस्कार निधि	120,000.00	65,507.55	185,507.55	185,839.42
प्रोफेसर आर. सी. मेहरोत्रा स्मारक पुरस्कार निधि	230,000.00	86,376.74	316,376.74	295,123.74
प्रोफेसर एम. के. मुखर्जी स्मारक पुरस्कार निधि	150,000.00	161,835.45	311,835.45	295,642.45
प्रोफेसर (श्रीमती) अणिमा सेन स्मारक पुरस्कार निधि	100,000.00	102,027.00	202,027.00	197,646.00
डॉ. (श्रीमती) गैरी गांगुली स्मारक पुरस्कार निधि	200,000.00	160,370.15	360,370.15	340,375.15
प्रोफेसर एम. एस. काटियार स्मारक व्याख्यान निधि	500,000.00	174,205.00	674,205.00	671,662.00
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था पुरस्कार निधि	6,400,000.00	2,949,280.66	9,349,280.66	8,784,737.66
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था विक्रम साराभाई स्मारक पुरस्कार निधि	800,000.00	624,554.29	1,424,554.29	1,331,920.29
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता पुरस्कार निधि	2,000,000.00	1,421,601.00	3,421,601.00	3,206,341.00
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था रॉयल्टी, निधि	300,000.00	417,902.50	717,902.50	676,493.50
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था इनफॉसिस फाउन्डेशन यात्रा पुरस्कार निधि	500,000.00	287,977.39	787,977.39	773,470.26
प्रोफेसर आर. सी. मेहरोत्रा स्मारक जीवन-काल उपलब्धि पुरस्कार निधि	1,500,000.00	1,183,563.00	2,683,563.00	2,564,913.00
प्रोफेसर एम. के. सिधल स्मारक पुरस्कार निधि	1,000,000.00	239,804.00	1,239,804.00	1,166,585.00
प्रो अर्चना शर्मा स्मारक अवार्ड निधि	500,000.00	154,764.00	654,764.00	619,312.00
प्रो. जी. के. मन्ना स्मारक अवार्ड निधि	500,000.00	219,414.00	719,414.00	683,848.00
प्रो. व्ही. के. पुरी स्मारक अवार्ड निधि	500,000.00	200,441.00	700,441.00	641,621.00
प्रो. डब्ल्यू. डी. वेस्ट स्मारक अवार्ड निधि	500,000.00	4,067.00	504,067.00	503,240.00
	17,754,955.00	9,966,931.09	27,721,886.09	26,218,237.70

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

अनुसूची 21

विवरण	2016-2017			2015-2016		
	आय	व्यय	संबंधित निधि में अंतरित अधिशेष (+)/ घाटा (-)	आय	व्यय	संबंधित निधि में अंतरित अधिशेष (+)/ घाटा (-)
1 बी. सी. गुहा स्मारक निधि	13,344.00	5,020.00	8,324.00	13,476.00	27,464.00	(13,988.00)
2 जी. पी. चटर्जी एवं श्रीमती सुनील चटर्जी निधि	52,649.00	20,422.87	32,226.13	47,252.00	1,815.00	45,437.00
3 प्रोफेसर हीरालाल चक्रवर्ती एवं श्रीमती तोरु चक्रवर्ती निधि	24,956.00	4,000.00	20,956.00	22,898.00	4,000.00	18,898.00
4 प्रोफेसर के. पी. रोड़ : स्मारक व्याख्यान निधि	11,382.00	-	11,382.00	11,209.00	10,085.00	1,124.00
5 प्राण वोहरा पुरस्कार निधि	45,645.00	-	45,645.00	43,532.00	26,890.00	16,642.00
6 कृष्टो दत्ता स्मारक पुरस्कार निधि	17,811.00	-	17,811.00	11,414.00	11,900.00	(486.00)
7 प्रोफेसर उमाकांत सिन्हा स्मारक पुरस्कार निधि	22,872.00	6,020.00	16,852.00	20,654.00	5,690.00	14,964.00
8 डॉ. बी. सी. देव स्मारक पुरस्कार निधि	45,158.00	9,626.00	35,532.00	42,424.00	13,630.00	28,794.00
9 प्रोफेसर आर. सी. शाह स्मारक पुरस्कार निधि	13,641.00	13,972.87	(331.87)	13,101.00	6,815.00	6,286.00
10 प्रोफेसर आर. सी. मेहरोत्रा स्मारक पुरस्कार निधि	21,253.00	-	21,253.00	20,130.00	-	20,130.00
11 प्रोफेसर एस्. के. मुखर्जी स्मारक पुरस्कार निधि	16,193.00	-	16,193.00	17,436.00	10,370.00	7,066.00
12 प्रोफेसर (श्रीमती) अणिमा सेन स्मारक पुरस्कार निधि	11,401.00	7,020.00	4,381.00	12,032.00	85.00	11,947.00
13 डॉ. (श्रीमती) गौरी गांगुली स्मारक पुरस्कार निधि	19,995.00	-	19,995.00	20,788.00	5,000.00	15,788.00
14 प्रोफेसर एस्. एस. कट्यार स्मारक व्याख्यान निधि	44,438.00	41,895.00	2,543.00	49,257.00	36,563.00	12,694.00
15 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था पुरस्कार निधि	605,452.00	40,909.00	564,543.00	624,650.00	63,630.00	561,020.00
16 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था विक्रम साराभाई स्मारक पुरस्कार निधि	92,634.00	-	92,634.00	87,254.00	9,608.00	77,646.00
17 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था रॉयल्टी, निधि	215,260.00	-	215,260.00	217,064.00	-	217,064.00
18 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था इनफॉसिस फाउंडेशन यात्रा पुरस्कार निधि	41,409.00	-	41,409.00	39,833.00	85.00	39,748.00
19 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था इनफॉसिस फाउंडेशन यात्रा पुरस्कार निधि	55,100.00	40,592.87	14,507.13	58,499.00	57,121.00	1,378.00
20 प्रोफेसर आर. सी. मेहरोत्रा स्मारक जीवन-काल उपलब्धि पुरस्कार निधि	170,670.00	52,020.00	118,650.00	157,999.00	85.00	157,914.00
21 प्रोफेसर एम्. के. सिखल स्मारक पुरस्कार निधि	73,219.00	-	73,219.00	84,717.00	83,159.00	1,558.00
22 प्रो. अर्चना शर्मा स्मारक अवार्ड निधि	47,472.00	12,020.00	35,452.00	45,496.00	11,815.00	33,681.00
23 प्रो. जी. के. मन्ना स्मारक अवार्ड निधि	47,586.00	12,020.00	35,566.00	50,070.00	11,815.00	38,255.00
24 प्रो. व्ही. के. पुरी स्मारक अवार्ड निधि	70,840.00	12,020.00	58,820.00	50,318.00	23,938.00	26,380.00
25 प्रो. डब्ल्यू. डी. वेस्ट स्मारक अवार्ड निधि	36,089.00	35,262.00	827.00	532,071.00	528,831.00	3,240.00
	1,816,469.00	312,820.61	1,503,648.39	2,293,574.00	950,394.00	1,343,180.00





भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

(विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत एक व्यावसायिक संस्था,
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार)
14 डॉ. बिरेश गुहा स्ट्रीट, कोलकाता - 700 017